शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 281 | गुवाहाटी | सोमवार, 18 मई, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

केरल में वीडी सतीशन आज लेंगे मुख्यमंत्री पद की शपथ, एक दशक बाद... पेज 2
त्रिपुरा ने डेस्टिनेशन त्रिपुरा बिजनेस कॉन्क्लेव 2026 के लिए रूसी संघ को... पेज 3
भाजपा का बूथ अध्यक्ष भी बन सकता है पार्टी अध्यक्ष, सीएम और ... पेज 5
अफगानिस्तान सीरीज के लिए ईशान किशन की हो सकती हैं वापसी, संजू सैमसन... पेज 7

पेट्रोल-डीजल, सीएनजी के बाद अब लगेगा महंगी बिजली का झटका! बढ़ सकते हैं फिक्स्ड चार्ज

नई दिल्ली। सीएनजी, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी के बाद अब आम लोगों को बिजली बिल के मोर्चे पर भी झटका लग सकता है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने बिजली के फिक्स्ड मंथली चार्ज बढ़ाने का प्रस्ताव तैयार किया है, जिससे कम बिजली इस्तेमाल करने वाले उपभोक्ताओं के बिल भी बढ़ सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह प्रस्ताव बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) की बढ़ती लागत की भरपाई के लिए लाया जा रहा है। दरअसल, बड़ी संख्या में उपभोक्ता रूफटॉप सोलर सिस्टम अपना रहे हैं और कई उद्योग कैप्टिव पावर जेनेरशन की ओर बढ़ रहे हैं, जिससे डिस्कॉम की आमदनी प्रभावित हो रही है। यदि यह प्रस्ताव लागू होता है, तो बिजली बिल का बड़ा हिस्सा फिक्स्ड चार्ज के रूप में लिया जाएगा। इसका मतलब है कि बिजली की खपत कम होने पर भी उपभोक्ताओं को हर महीने अधिक भुगतान करना पड़ सकता है। सीईए का कहना है कि फिलहाल डिस्कॉम अपने खर्च का बड़ा हिस्सा प्रति यूनिट बिजली दरों से वसूलते हैं, जबकि निश्चित मासिक शुल्क से होने वाली आय काफी कम है। ऐसे में जब बिजली की खपत घटती है, तो कंपनियों की आय पर असर पड़ता है। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर, कर्मचारियों का वेतन, नेटवर्क मेंटेनेंस और बिजली उत्पादक कंपनियों को भुगतान जैसे खर्च कुल -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में अधिकतम भार क्षमता 3,000 मेगावाट तक पहुंचने की आशंका

गुवाहाटी। असम में बिजली की मांग दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है और उम्मीद है कि इस साल गर्मी के दिनों में पीक आवर की मांग 3,000 मेगावाट तक पहुंच सकती है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में विकास पहलों में वृद्धि के बाद राज्य में बिजली की भारी मांग देखी जा रही है। राज्य में बिजली की आवश्यकता या मांग ऑफ-पीक घंटों के दौरान 2,000 मेगावाट से लेकर पीक घंटों के दौरान 2,850 मेगावाट तक है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए, पीक मांग 2850 मेगावाट थी, जो वित्तीय वर्ष 2022-23 की तुलना में लगभग 20 प्रतिशत अधिक है। इस गर्मी में असम की बिजली की मांग 3,000 मेगावाट से अधिक होने की उम्मीद है। हालांकि, राज्य में वर्तमान में बिजली उत्पादन केवल लगभग 400 मेगावाट है और शेष मांग अन्य स्रोतों से बिजली खरीदकर पूरी की जाती है। एपीडीसीएल के पास कुल 3,200 मेगावाट के दीर्घकालिक बिजली खरीद समझौते हैं और इसी वजह से राज्य में बिजली की कोई कमी नहीं है। हालांकि, असम में 2030 से बिजली की स्थिति में सुधार होने की पूरी संभावना है, क्योंकि राज्य में कई बिजली उत्पादन संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं। एपीडीसीएल ने असम में ही स्थापित होने वाले संयंत्रों से 2030 से 1,000 मेगावाट पंपेड हाइड्रो स्टोरेज बिजली प्राप्त करने के लिए पहले ही समझौते कर लिए हैं। इसके अलावा, यह राज्य में स्थापित होने वाले संयंत्रों से 2030 से चरणबद्ध तरीके से लगभग 3,000 मेगावाट थर्मल बिजली भी प्राप्त करेगा। वर्तमान में, एपीडीसीएल ने अपनी दीर्घकालिक और अल्पकालिक बिजली मांग को पूरा करने के लिए कई बिजली उत्पादन इकाइयों के साथ बिजली खरीद समझौते किए हैं। प्रमुख अंतर-राज्यीय उत्पादक एनईईपीसीओ, एनटीपीसी, एनएचपीसी, पीटीसी और ओटीपीसी हैं, जबकि अंतर-राज्यीय उत्पादकों में एपीजीसीएल, एज़्योर पावर, जैक्सन -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने शहरी विकास योजनाओं की समीक्षा की

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 17 मई को राज्य के आवास और शहरी मामलों के विभाग की प्रगति और भविष्य की कार्ययोजना की समीक्षा की, जिसमें गुवाहाटी नगर निगम, गुवाहाटी महानगर विकास प्राधिकरण, गुवाहाटी जल बोर्ड और अमृत मिशन द्वारा कार्यान्वित की जा रही प्रमुख पहलों पर चर्चा केंद्रित रही। बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री ने नागरिक-केंद्रित शहरी विकास की आवश्यकता पर जोर दिया और एजेंसियों को शुद्ध पेयजल की उपलब्धता, अचानक आने वाली बाढ़ के प्रबंधन, स्वच्छता अवसंरचना और खुले सार्वजनिक स्थानों के विकास को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। शर्मा ने अधिकारियों को शहरी बुनियादी ढांचे में सुधार लाने और गुवाहाटी को भारत के अग्रणी महानगरों में से एक में बदलने के उद्देश्य से प्रमुख नागरिक परियोजनाओं में तेजी लाने का भी निर्देश दिया। समीक्षा बैठक में शहरी बाढ़ से बचाव के दीर्घकालिक उपायों, गुवाहाटी और उसके आसपास के इलाकों में सैटेलाइट टाउनशिप के विस्तार और असम -शेष पृष्ठ दो पर

पांच देशों की यात्रा के तीसरे चरण में स्वीडन पहुंचे पीएम मोदी

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी पांच देशों की छह दिवसीय विदेश यात्रा के तीसरे दिन रविवार को नीदरलैंड से स्वीडन पहुंचे। स्वीडन में प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी यात्रा का उद्देश्य भारत और स्वीडन के बीच व्यापार, निवेश, नवाचार और रक्षा सहयोग को और मजबूत करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि वह स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टरसन से मुलाकात करेंगे। -शेष पृष्ठ दो पर

एससी में अब होंगे 38 जज, कैबिनेट के फैसले पर राष्ट्रपति मुर्मू की मुहर

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश की न्याय व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा फैसला लिया है। सरकार सुप्रीम कोर्ट में अधिकतम जजों की संख्या में इजाफा करने जा रही है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने संबंधी केंद्र सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। अब देश की सर्वोच्च अदालत में मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर जजों की संख्या 34 से बढ़ाकर 38 कर दी गई है। यानी कुल मिलाकर सुप्रीम कोर्ट में अब 38 जज होंगे। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने रविवार (17 मई) को कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

पीएम मोदी ने पहना पारंपरिक आरनाई स्कार्फ

बोड़ो विरासत को मिली वैश्विक पहचान, सीएम ने जताया आभार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नीदरलैंड में एक आधिकारिक कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक बोड़ो स्कार्फ *आरनाई* पहनने को लेकर असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने इसे बोड़ो समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक बताया है। मुख्यमंत्री ने रविवार को कहा कि पीएम मोदी का यह कदम न केवल बोड़ो समुदाय के लिए गर्व का विषय है, बल्कि इससे भारतीय हस्तशिल्प और परंपरागत वस्त्र संस्कृति को वैश्विक मंच पर नई पहचान मिली है। हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि आरनाई बोड़ो समुदाय की परंपरा, सम्मान और हस्तशिल्प कौशल का प्रतीक है। उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इसे वैश्विक मंच पर धारण करना बेहद गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि यह क्षण भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीदरलैंड के हेग में भारतीय प्रवासी समुदाय को संबोधित करते हुए आरनाई को अपने गले में धारण किया था। यह कार्यक्रम उनकी चार देशों की यूरोप यात्रा का -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम बनते ही हिमंत विश्व शर्मा का बड़ा एक्शन

असम में 1250 वर्ग किलोमीटर जमीन कब्जामुक्त कराने का एलान, काम भी शुरू

गुवाहाटी। सीएम बनने के बाद से ही हिमंत विश्व शर्मा एक्शन मोड में हैं। असम में जमीन कब्जा हटाने को लेकर मुख्यमंत्री ने बड़ा एलान किया है। लगातार दूसरी बार शर्मा राज्य के मुख्यमंत्री बने हैं। शर्मा ने कहा कि राज्य की एनडीए सरकार 1250 वर्ग किलोमीटर से ज्यादा कब्जाई गई जमीन को वापस लेने के मिशन पर काम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि इस दिशा में प्रशासन ने जमीनी स्तर पर कार्रवाई भी शुरू कर दी है। सीएम शर्मा ने सोशल मीडिया सीटर *एक्स* पर पोस्ट करते हुए लिखा कि एनडीए 3.0 असम की कब्जाई गई 1250 वर्ग किलोमीटर से ज्यादा जमीन को वापस लेने के लिए प्रतिबद्ध है और इस वादे को पूरा करने के लिए हमारी टीम मैदान में उतर चुकी है। इसके साथ उन्होंने एक दिन पहले चलाए गए अतिक्रमण विरोधी अभियान की कुछ तस्वीरें भी शेयर की। दरअसल, पिछले कुछ समय से असम सरकार अलग-अलग जिलों में सरकारी और वन -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

जो मनुष्य अपने क्रोध को अपने ही ऊपर झेल लेता है, वह दूसरों के क्रोध से बच जाता है।

-सुकरात

न्यूज गैलरी

कैदी का पुलिस पर जानलेवा हमला, जवाबी फायरिंग में आरोपी ढेर

चंडीगढ़। सेंट्रल जेल की पुलिस कैदियों को सरकारी अस्पताल मेडिकल करवाने अस्पताल लेकर पहुंची थी। वहीं एक कैदी की तरफ से कोई नुकीली चीज से पुलिस कर्मचारियों पर हमला कर दिया, जिसमें अफरातफरी का माहौल बन गया। बाद में वहां गोली चली जिस के बाद घटना में घायल एक पुलिसकर्मी और कैदी को -शेष पृष्ठ दो पर

राहुल ने नीट-यूजी पेपर लीक पर शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगा

नई दिल्ली (हि.स.)। नीट-यूजी परीक्षा पत्र लीक मामले को लेकर सियासी विवाद लगातार गहराता जा रहा है। राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर निशाना साधते हुए उनका इस्तीफा मांगा है। राहुल गांधी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि वर्ष 2024 और 2026 दोनों में नीट परीक्षा पत्र लीक हुआ लेकिन शिक्षा मंत्री ने इस्तीफा -शेष पृष्ठ दो पर

टीएमसी कार्यालय से सैकड़ों आधार बरामद, मचा बवाल

बीरभूम में खेत में बिखरे पड़े मिले वोटर कार्ड

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में रविवार को एक खेत में बड़ी संख्या में मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) बिखरे हुए मिले। वहीं, बिधाननगर में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) कार्यालय से कथित तौर पर 100 से अधिक आधार कार्ड और अन्य दस्तावेज बरामद किए गए। इसके बाद राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गया है। पुलिस ने दोनों मामलों में जांच शुरू कर दी है। पहली घटना बीरभूम के नानूर ब्लॉक के किरणाहार इलाके में सामने आई, जहां स्थानीय -शेष पृष्ठ दो पर

मप्र की ऐतिहासिक भोजशाला में अब बिना रोक-टोक के 365 दिन होगी पूजा

एएसआई ने जारी किया नया आदेश

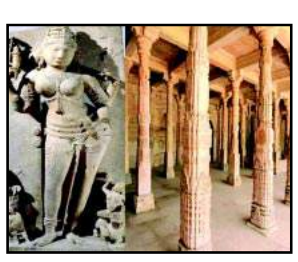

भोपाल (हि.स.)। मध्य प्रदेश के धार जिला मुख्यालय स्थित ऐतिहासिक भोजशाला मामले में उच्च न्यायालय के हालिया आदेश के परिप्रेक्ष्य में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा शनिवार को एक नया प्रशासनिक आदेश जारी किया गया है। नए आदेश के मुताबिक भोजशाला में अब बिना किसी रोक-टोक के 365 दिन पूजा होगी। नई व्यवस्था के तहत एएसआई ने पहली बार इस ऐतिहासिक स्थल को प्रशासनिक तौर पर राजा भोज द्वारा स्थापित भोजशाला एवं संस्कृत पाठशाला के रूप में संबोधित किया है। इससे पहले इस परिसर के साथ प्रयुक्त होने वाले कमाल मौला मस्जिद संबंधी उल्लेख को स्वीकार नहीं किया गया था। एएसआई ने शनिवार को जारी आदेश में भोजशाला में पूजा-पाठ को लेकर नई व्यवस्था दी है। नई व्यवस्था के तहत एएसआई ने पहली बार इस ऐतिहासिक स्थल -शेष पृष्ठ दो पर

राजधानी एक्सप्रेस के दो कोच में लगी आग, सभी यात्री सुरक्षित

कोटा (हि.स.)। राजधानी एक्सप्रेस की त्रिवेंद्रम-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस (12431) के दो कोचों में रविवार सुबह आग लग गई। हादसा कोटा मंडल के लूणी रीछा और विक्रमगढ़ आलोट स्टेशन के बीच मध्य प्रदेश क्षेत्र में सुबह करीब 5.15 बजे हुआ। आग ट्रेन के बी-1 एसी कोच और उसके पीछे लगे सेकेंड लगेज कम गार्ड वैन में लगी थी। घटना की सूचना मिलते ही ट्रेन को तत्काल रोका गया और यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, हालांकि कुछ यात्रियों का सामान आग में जल गया। पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा मंडल के सीनियर -शेष पृष्ठ दो पर

न डील हुई, न साझा बयान... चीन दौरे पर ट्रंप के हाथ लगी सिर्फ *नाकामी*

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी तीन दिवसीय चीन के दौरे को लेकर अब तक खुलकर नहीं बोल रहे हैं। ट्रंप जब तीन दिन के चीन दौरे पर रवाना हो रहे थे, तब उनकी हालत देखकर चीन के लोगों को माओत्से तुंग की बात याद आ रही थी। बात सितंबर 1958 की है। ताइवान पर कब्जा करने के लिए चीन ने हमला किया था और अमेरिका ने ताइवान की मदद के लिए अपनी नौसेना का बेड़ा साउथ चाइना सी में उतार दिया था। उस वक्त माओत्से तुंग ने कहा था कि अगर अमेरिका ने अपनी आक्रामक और युद्धकारी नीतियां जारी रखीं, तो वो दिन दूर नहीं, पूरी दुनिया उसे सूली पर लटका देगी और अमेरिका के सहयोगियों का भी यही अंजाम होगा। दरअसल, चीन दौरे से पहले ट्रंप का हाल कुछ ऐसा ही था। ईरान युद्ध में अमेरिका अकेला फंसा था। सहयोगी देशों ने पल्ला झाड़ लिया था और ऐसे में ट्रंप को चीन की याद आई। तीन दिन तक ट्रंप, उनकी कैबिनेट के तीन बड़े मंत्री और 30 अमेरिकी उद्योगपति बीजिंग में -शेष पृष्ठ दो पर

अफगानिस्तान में तालिबान का नया महिला विरोधी कानून, शादी पर लड़की की चुप्पी मानी जाएगी *हां*

काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान ने शादी, तलाक और बाल विवाह से जुड़ा एक नया विवादित कानून लागू किया है। अंतर्राष्ट्रीय विश्लेषकों और जानकारों ने इस कानून की बड़े पैमाने पर आलोचना की है। अफगानी मीडिया आउटलेट के मुताबिक, 31 अनुच्छेदों वाले इस कानून को तालिबान के सर्वोच्च नेता हिबतुल्लाह अखुंदजादा ने मंजूरी दी है। मई के मध्य में इसे शासन के सरकारी रिकॉर्ड में प्रकाशित किया गया था, जिसका शीर्षक *पति-पत्नी के बीच अलगाव के सिद्धांत* रखा गया है। इस नए कानून के सबसे विवादित नियमों में से एक यह है कि जवानी की उम्र में कदम रखने के बाद, अगर किसी कुंवारी लड़की से उसकी शादी के बारे में पूछा जाए और वह चुप रहे, तो उसकी इस चुप्पी को ही शादी के लिए उसकी रजामंदी मान लिया जाएगा। हालांकि, कानून में यह भी साफ -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED
For all kinds of classified advertisements please contact
97070-14771
86382-00107

केरल में वीडी सतीशन आज लेंगे मुख्यमंत्री पद की शपथ, एक दशक बाद कांग्रेस की सत्ता में वापसी

नई दिल्ली (हि.स.)। सतीशन दामोदर मेनन वडस्सेरी (वीडी सतीशन) सोमवार को केरल के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। इसके साथ ही राज्य की सत्ता में कांग्रेस की वापसी होने जा रही है। इससे पहले वर्ष 2011–2016 तक कांग्रेस के ओमन चांडी राज्य के मुख्यमंत्री रहे थे। शपथ ग्रहण समारोह सेंट्रल स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। राजधानी तिरुवनंतपुरम में समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। संभावना जताई जा रही है कि वीडी सतीशन के साथ पूरा मंत्रिमंडल शपथ ले सकता है। संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के घटक दलों के बीच लगातार बैठकें जारी हैं, जिनमें विभिन्न सहयोगी दलों को मंत्रालयों के बंटवारे और मंत्रियों की संख्या को लेकर चर्चा हो रही है। शपथ ग्रहण समारोह में करीब एक लाख लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। कांग्रेस इसे एक बड़े राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन के रूप में भी देख रही है। कार्यक्रम में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तथा कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के शामिल होने की संभावना है। इसके अलावा कर्नाटक और तेलंगाना के मुख्यमंत्री भी समारोह में मौजूद रहेंगे। दरअसल, 140 सदस्यीय केरल विधानसभा में यूडीएफ ने 102 सीटों पर जीत दर्ज कर स्पष्ट बहुमत हासिल किया है। इनमें कांग्रेस ने अकेले 63 सीटें जीती हैं। यह परिणाम राज्य की उस पारंपरिक राजनीतिक व्यवस्था को दर्शाता है, जिसमें हर पांच वर्ष पर सत्ता यूडीएफ और वाम मोर्चे के बीच बदलती रही है। पिछले दस वर्षों से राज्य में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेतृत्व वाला वाम मोर्चा सत्ता में था। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री पद को लेकर पिछले लगभग दस दिनों से दिल्ली और केरल में लगातार राजनीतिक मंथन चल रहा था। अंततः कांग्रेस आलाकमान ने वीडी सतीशन के नाम पर सहमति बनाई। निर्णायक दौर तब शुरू हुआ जब केसी वेणुगोपाल को दिल्ली स्थित राहुल गांधी के आवास पर बुलाया गया। सूत्रों के अनुसार करीब तीन घंटे चली बैठक में राहुल गांधी ने नेतृत्व के अंतिम फैसले की जानकारी दी और सतीशन के नाम पर मुहर लगी। पार्टी सूत्रों के मुताबिक प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी पार्टी के भीतर आम सहमति बनाने में अहम भूमिका निभाई। वहीं, राहुल गांधी ने वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला से भी बातचीत की, जिन्होंने कथित तौर पर इस फैसले पर नाराजगी जाहिर की थी। इसके बाद मुकुल वासनिक, अजय माकन, जयराम रमेश और दीपा दासमुंशी सहित कई वरिष्ठ नेता खरगे के आवास पर एकत्र हुए, जहां सतीशन के नाम की औपचारिक घोषणा की गई। इसके साथ ही पार्टी के भीतर जारी नेतृत्व को लेकर असमंजस समाप्त हो गया। वीडी सतीशन का जन्म वर्ष 1964 में कोच्चि के निकट नेट्टूर में हुआ था। पेशे से वकील रहे सतीशन ने छात्र राजनीति से अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत की और धीरे-धीरे केरल कांग्रेस की राजनीति में मजबूत पहचान बनाई। उन्होंने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत केरल स्टूडेंट्स यूनियन (केएसयू) से की। छात्र राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने के बाद वे यूथ कांग्रेस से जुड़े और संगठन में तेजी से उभरते नेता के रूप में पहचान बनाई। सतीशन को पूर्व मुख्यमंत्री के. करुणाकरन का करीबी और निष्ठावान समर्थक माना जाता रहा है। सतीशन का राजनीतिक सफर संघर्षों से भरा रहा है।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर कंटीले तार लगाने के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू

मालदा (हि.स.)। पश्चिम बंगाल सरकार के निर्देश के बाद मालदा जिले में भारत-बांग्लादेश की खुली सीमा पर कंटीले तार लगाने के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। शनिवार को हबीबपुर ब्लॉक के भवानीपुर और आग्रा हरिश्चंद्रपुर इलाके में भूमि एवं भूमि सुधार विभाग के अधिकारियों ने सीमा क्षेत्र में जमीन के दस्तावेजों की जांच कर मापने का काम शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि मालदा जिले के छह थाना क्षेत्रों में भारत-बांग्लादेश सीमा की कुल लंबाई लगभग 172 किलोमीटर है। इनमें से करीब 33 किलोमीटर सीमा अब भी खुली है। सबसे अधिक खुली सीमा हबीबपुर ब्लॉक में है, जहां 20 से 25 किलोमीटर क्षेत्र में अभी तक कंटीले तार नहीं लगाए गए हैं। जिले में सीमा सुरक्षा के लिए कंटीले तार लगाने हेतु लगभग 260 एकड़ जमीन की आवश्यकता है। प्रशासनिक सूत्रों के मुताबिक, अब तक 10 एकड़ जमीन अधिग्रहण का काम पूरा हो चुका है। शुक्रवार को मालदा जिलाधिकारी कार्यालय में सीमा सुरक्षा बल और जिला प्रशासन के बीच इस मुद्दे पर एक आपात बैठक भी हुई थी। उसी बैठक के बाद भूमि एवं भूमि सुधार विभाग ने जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज कर दी। सीमावर्ती किसानों ने प्रशासन की इस पहल का स्वागत किया है। किसानों का कहना है कि पूर्व में तृणमूल कांग्रेस सरकार के समय कई बार जमीन अधिग्रहण के नाम पर मापजोख की गई, लेकिन वास्तविक काम आगे नहीं बढ़ा। किसानों का आरोप है कि सीमा खुली रहने के कारण बांग्लादेशी अपराधियों द्वारा फसलों की लूटपाट की घटनाएं होती रही हैं।

होशियारपुर में पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइन लिखा हॉट बैलून मिला

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के होशियारपुर में रविवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब दसूहा सड़क पर स्थित गांव सतौर के बाहरी क्षेत्र में खेतों में एक छोटी हवाई जहाज जैसी दिखने वाली संदिग्ध वस्तु पड़ी मिली। इस पर पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइन लिखा हुआ था। दूर से देखने पर यह वस्तु एक ड्रोन जैसी लग रही थी। खेतों की ओर जा रहे कुछ ग्रामीणों ने इस वस्तु को देखा और तुरंत गांव की सरपंच कुलदीप कौर और समिति सदस्य परमजीत सिंह को इसकी सूचना दी। इसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस के अनुसार यह वस्तु असल में एक हॉट एयर बैलून थी, जिसका आकार हवाई जहाज जैसा था और उस पर *पीआईए* (पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस) लिखा हुआ था। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि यह बैलून कहां से आया और क्या इस इलाके में कोई सामग्री गिराई गई है।

बीटीआर में एक धार्मिक भोज में संदिग्ध खाद्य विषाक्तता के कारण लगभग सौ लोग बीमार पड़ गए

तामुलपुर। असम के तामुलपुर जिले के गोरेश्वर के अंतर्गत गांधीचौक के पास दिघालीपार गांव में सामूहिक खाद्य विषाक्तता के एक संदिग्ध मामले में लगभग 100 लोग बीमार पड़ गए, जिसके चलते आपातकालीन चिकित्सा हस्तक्षेप किया गया और बच्चों सहित दर्जनों लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। खबरों के मुताबिक, यह घटना अनिल बोरो नामक व्यक्ति के आवास पर पवित्र बाथौ सिजौ पौधे की स्थापना के लिए आयोजित एक समारोह के दौरान श्रद्धालुओं द्वारा परोसे गए भोजन का सेवन करने के बाद घटी। स्थानीय निवासियों के अनुसार, अनुष्ठानिक भोज में भाग लेने वाले लोगों में समारोह के दिन शुरू में कोई लक्षण नहीं दिख थे। हालांकि, शुक्रवार तक, कई लोगों को पेट से संबंधित गंभीर बीमारियों का अनुभव होने लगा, जिनमें पेट दर्द, दस्त, उल्टी, कमजोरी और सिरदर्द शामिल हैं। कई लोगों की हालत बिगड़ने पर स्वास्थ्य अधिकारियों ने गांव में चिकित्सा दल भेजे।

होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों के लिए नया तंत्र लागू करने की तैयारी में ईरान

तेहरान (हि.स.)। ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले व्यापारिक जहाजों को नियंत्रित करने की योजना का जल्द खुलासा करेगा। जिसमें इन जहाजों से टोल वसूलने का प्रस्ताव भी शामिल है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि ईरान को बुरे दौर का सामना करना पड़ेगा। जिसपर पलटवार करते हुए ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघर गालिबफ ने कहा है कि दुनिया नई व्यवस्था की दहलीज पर खड़ी है। एक रिपोर्ट में ईरान ने ताजा मंसूबों का खुलासा किया गया है। ईरान ने कहा है कि अब अमेरिकी हथियारों की खेप को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ईरान के उपराष्ट्रपति मोहम्मद रजा आरिफ ने कहा है कि तेहरान होर्मुज पर अपने संप्रभुता के अधिकार को छोड़ कर पहले ऐसी गलती कर चुका है, अब दोबारा ऐसा नहीं होगा। ईरान ने देश की जनता को युद्ध और आर्थिक नुकसान के लिए तैयार रहने के लिए आगाह किया है। विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि बातचीत पटरी से उतर चुकी है। ईरान अब अमेरिका के साथ सीधे सैन्य संघर्ष के लिए तैयार है। अराघची ने यह भी चेतावनी दी कि ईरान पर थोपे गए युद्ध का असर अमेरिकी परिवारों पर भी पड़ रहा है। कजाकिस्तान ने ईरान को मानवीय मदद भेजी है। कजाकिस्तान के राष्ट्रपति के आदेश पर भेजी गई इस खेप में डिब्बाबंद मांस, चीनी, आटा, मेडिकल उपकरण और दवाएं शामिल हैं।

पृष्ठ एक का शेष

पेट्रोल-डीजल, सीएनजी के ...

लागत का लगभग 38 से 56 प्रतिशत तक होते हैं। लेकिन फिक्स्ड चार्ज से होने वाली आय केवल 9 से 20 प्रतिशत के बीच है। सीईए ने यह भी कहा कि उद्योग और उच्च आय वर्ग के उपभोक्ता रूफटॉप सोलर, ओपन एक्सेस और कैप्टिव पावर सिस्टम अपनाने के बावजूद बैकअप के लिए बिजली ग्रिड पर निर्भर रहते हैं, लेकिन डिस्कॉम से कम बिजली खरीदते हैं। इससे बिजली कंपनियों की कमाई घट रही है। समस्या के समाधान के लिए सीईए ने चरणबद्ध और संतुलित तरीके से फिक्स्ड चार्ज बढ़ाने की सिफारिश की है। प्रस्ताव के अनुसार,घरेलू और कृषि उपभोक्ताओं के लिए फिक्स्ड चार्ज कुल लागत का 25 प्रतिशत तक किया जा सकता है। वहीं औद्योगिक, वाणिज्यिक और संस्थागत उपभोक्ताओं के लिए यह हिस्सा वर्ष 2030 तक 100 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। इसके अलावा, रूफटॉप सोलर और नेट-मीटरिंग सिस्टम इस्तेमाल करने वाले उपभोक्ताओं के लिए अलग टैरिफ व्यवस्था लागू करने की भी सिफारिश की गई है।

राज्य में अधिकतम भार...

पावर, एसजेवीएन आदि शामिल हैं। असम पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड (एपीजीसीएल) लगभग 400 मेगावाट बिजली का उत्पादन करती है, जिसकी पूरी आपूर्ति एपीडीसीएल को की जाती है। एनएचपीसी की सुबनसिरी लोअर जलविद्युत परियोजना की आठ इकाइयों में से चार पहले ही चालू हो चुकी हैं, जो 1,000 मेगावाट बिजली का उत्पादन कर रही हैं और केंद्रीय विद्युत मंत्रालय के आवंटन आदेश के अनुसार असम को संयंत्र से लगभग 125 मेगावाट बिजली मिल रही है। इसके अलावा, बिजली की भविष्य की मांग को पूरा करने के लिए, राज्य सरकार ने कई विस्तार योजनाएं शुरू की हैं। उदाहरण के तौर पर, एपीजीसीएल 120 मेगावाट की लोअर कोपिली जलविद्युत परियोजना विकसित कर रही है, जिसके इस साल के अंत तक चालू होने की उम्मीद है। एपीडीसीएल को विद्युत मंत्रालय से भूटान के पड़ोसी देश में स्थित पुनातसांगचू जलविद्युत संयंत्र, एनटीपीसी के तालचर थर्मल प्लांट आदि जैसे कई संयंत्रों से बिजली का आवंटन भी प्राप्त हुआ है।

मुख्यमंत्री ने शहरी ...

के अन्य शहरों और कस्बों में स्वच्छता सुविधाओं को मजबूत करने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। मुख्यमंत्री ने विभागों और एजेंसियों के बीच उचित समन्वय के महत्व पर जोर दिया और परियोजना क्रियान्वयन में सुधार के लिए निजी क्षेत्र के कुशल पेशेवरों और विशेषज्ञता की भागीदारी का आह्वान किया। उन्होंने अधिकारियों को शहरी असम में नागरिकों के लिए *जीवन की सुगमता* को बढ़ाने पर केंद्रित परिणाम-आधारित दृष्टिकोण अपनाने का निर्देश भी दिया।

पांच देशों की यात्रा...

दोनों नेताओं के बीच भारत-स्वीडन मित्रता को नई दिशा देने पर चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश, नवाचार और रक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विशेष ध्यान रहेगा। प्रधानमंत्री ने अपने एक अन्य संदेश में कहा कि वह स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टरसन और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला फॉन डेर लेयेन के साथ *यूरोपीय व्यापार गोलमेज सम्मेलन* में यूरोप के प्रमुख उद्योगपतियों और व्यापारिक नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा कि इस बैठक से भारत और यूरोप के बीच निवेश संबंधों को और मजबूती मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और यूरोप के बीच आर्थिक साझेदारी को नए अवसर प्रदान करने के लिए यह बैठक महत्वपूर्ण साबित होगी। उन्होंने विश्वास जताया कि इस यात्रा से भारत और स्वीडन के संबंधों को नई गति मिलेगी।

एससी में अब होंगे ...

सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या 34 से बढ़ाकर 38 करने के केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसले को मंजूरी दे दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए बताया राष्ट्रपति ने सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन अध्यादेश, 2026 को लागू करके सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या 33 से बढ़ाकर 37 (भारत के मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर) कर दी है, जिसने सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम, 1956 में और संशोधन किया है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 5 मई को संसद में सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 पेश करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। इसका उद्देश्य सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम, 1956 में संशोधन करके भारत के सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या को वर्तमान 33 से बढ़ाकर 37 करना है (भारत के मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर)। सरकार का मानना है कि सुप्रीम कोर्ट में लगातार बढ़ रहे मामलों और न्यायिक कार्यभार को देखते हुए जजों की संख्या बढ़ाना बेहद जरूरी हो गया था। लंबे समय से इस मांग को कानूनी समुदाय और वरिष्ठ वकीलों द्वारा उठाया जा रहा था ताकि मुकदमों को समय से निपटाने में मदद मिल सके।आखिरी बार 2019 में ये संख्या बढ़ाई गई थी जब मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर संख्या को 30 से बढ़ाकर 33 कर दिया गया था। सरकार के इस फैसले का कानूनी समुदाय ने स्वागत किया है। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में दाखिल होने वाले मामलों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसे में जजों की संख्या बढ़ाना समय की जरूरत थी। उन्होंने कहा कि वर्तमान जजों की कार्यक्षमता और मामलों के निपटारे की दर सराहनीय रही है, लेकिन मामलों की भारी संख्या के कारण अतिरिक्त जज जरूरी हो गए थे। उन्होंने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट की नई इमारत का एक हिस्सा इस साल के अंत तक शुरू हो सकता है। उनके मुताबिक नई व्यवस्था में 38 जजों को आसानी से समायोजित किया जा सकेगा और आने वाले सालों में जजों की संख्या 50 तक पहुंचाने की जरूरत भी पड़ सकती है। इधर दिल्ली हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता सचिन पुरी ने भी इसे सकारात्मक और जरूरी कदम बताया। उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाना समय की मांग है और इससे लंबित मामलों का शीघ्र निपटारा करने में मदद मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि इस कदम से मुवक्किलों के साथ-साथ कानूनी समुदाय को भी लाभ होगा। सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता सुमित गहलोत ने भी इस फैसले का स्वागत किया, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि केवल जजों की संख्या बढ़ाने से लंबित मामलों की समस्या पूरी तरह खत्म नहीं होगी। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट में करीब 95 हजार मामले लंबित हैं, ऐसे में न्यायिक सुधार बेहतर केस मैनेजमेंट और तकनीकी सुधारों की भी आवश्यकता है।

पीएम मोदी ने पहना ...

हिस्सा था। इस दौरान भारतीय संस्कृति और परंपराओं को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने पर विशेष जोर दिया गया। मुख्यमंत्री शर्मा ने प्रधानमंत्री को बोडोलैंड क्षेत्र में शांति और विकास लाने के लिए भी धन्यवाद दिया। उन्होंने 2020 के बोड़ो शांति समझौते का जिक्र करते हुए कहा कि इस समझौते ने क्षेत्र में दशकों से चली आ रही उग्रवाद की समस्या को काफी हद तक समाप्त किया है। इस समझौते के बाद बोडोलैंड टेरिटोरियल रीजन को अधिक अधिकार और विकास की दिशा में नई गति मिली है। इसके साथ ही पीएम मोदी को नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रॉब जेटन ने एम्स्टर्डम स्थित शिफोल एयरपोर्ट पर विदाई दी। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच सौहार्दपूर्ण माहौल देखने को मिला। प्रधानमंत्री मोदी अब स्वीडन के लिए रवाना होंगे, जहां वे 17 से 18 मई तक गोथेनबर्ग का दौरा करेंगे। यह यात्रा स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टरसन के आमंत्रण पर हो रही है।

असम में 1250 वर्ग ...

भूमि पर कथित अवैध कब्जों के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है। कई जगहों पर प्रशासन बुलडोजर कार्रवाई भी कर चुका है। सरकार का कहना है कि सार्वजनिक जमीन को मुक्त कराना जरूरी है, जबकि विपक्ष इन अभियानों को लेकर सवाल उठा रहा है। यह मामला काफी पुराना है, जिसमें इस बात को लेकर दावा किया गया है कि राज्य जमीन के बहुत बड़े हिस्से पर अवैध कब्जा है। बीजेपी लगातार इस मुद्दे को उठाती रही है। इसी बीच राज्य में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) कराने की चर्चा भी तेज हो गई है। मुख्यमंत्री शर्मा ने हाल ही में इसका समर्थन किया था। हालांकि, विपक्षी पार्टी एआईयूडीएफ ने इसका खुलकर विरोध किया है। एआईयूडीएफ के महासचिव रफीकुल इस्लाम ने कहा कि असम में पहले ही एनआरसी जैसी बड़ी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, जिसमें पांच साल तक गहन जांच की गई थी। ऐसे में फिर से नया सर्वे कराने का कोई मतलब नहीं बनता। उनका कहना है कि इससे सिर्फ लोगों को परेशानी होगी और समय बर्बाद होगा। रफीकुल इस्लाम ने कहा कि एनआरसी की अंतिम सूची आने के बाद कई दावे गलत साबित हो गए। पहले लाखों अवैध घुसपैठियों की बात कही जाती थी, लेकिन अंतिम सूची में करीब 19 लाख लोगों के नाम ही बाहर हुए।

टीएमसी कार्यालय से ...

लोगों ने रविवार सुबह खेत में मतदाता कार्ड बिखरे पड़े देखे। यह खेत एक पूर्व बूथ स्तर के अधिकारी (बीएलओ) के घर के पास स्थित है, जिससे इलाके के लोगों का शक बढ़ गया और हंगामा हुआ। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, पूर्व बीएलओ हिरण्यप्रभा मेटे माजी से पुलिस ने इस मामले में पूछताछ की। वह पहले बर्धमान पूर्व जिले के केतुग्राम ब्लॉक में कार्यरत थीं। उन्होंने 2012 से 2025 तक बीएलओ के रूप में काम किया था और बाद में प्रशासनिक नियमों के अनुसार हटा दी गईं। माजी ने दावा किया कि अपने कार्यकाल के दौरान वह नए मतदाता कार्ड बांटते समय पुराने कार्ड इकट्ठा करती थीं। लेकिन उन्हें ब्लॉक कार्यालय में जमा नहीं करती थीं। इसके बजाय वह उन्हें अपने पास रखती थीं। सूत्रों के अनुसार, माजी ने लोगों से कहा कि मेरे घर में मरम्मत का काम चल रहा था। मैंने कागजों को घर के पीछे एक बोरे में रख दिया था। किसी ने उन्हें बाहर खुले क्षेत्र में फेंक दिया। एक अलग घटना में, विधाननगर के वार्ड नंबर 36 के बसंती देवी कॉलोनी में रविवार सुबह पुलिस ने एक स्थानीय टीएमसी कार्यालय से 100 से अधिक आधार कार्ड, पैन कार्ड और जमीन से जुड़े दस्तावेज बरामद किए। इस बरामदगी के बाद राजनीति तेज हो गई। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि यह कार्यालय लंबे समय से गैरकानूनी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था और यहां निवासियों के पहचान दस्तावेज संदिग्ध उद्देश्यों के लिए रखे जाते थे। स्थानीय भाजपा नेताओं ने दावा किया कि उन्हें लंबे समय से शिकायतें मिल रही थीं कि यहां के लोगों के आधार कार्ड कार्यालय में रखे जाते हैं। उन्होंने कहा कि चार मई को विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने परिसर को बंद कर दिया था और बाद में इसे फिर से खोले जाने पर दस्तावेज सामने आए। कुछ स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि इलाके के कई लोगों को पहले मतदान से रोका गया था और उनके पहचान दस्तावेज पार्टी कार्यालय में रख लिए गए थे। बिधाननगर दक्षिण थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और दस्तावेज जब्त कर जांच शुरू कर दी। स्थानीय टीएमसी नेतृत्व की ओर से इन आरोपों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

मप्र की ऐतिहासिक भोजशाला ...

को प्रशासनिक तौर पर पूजा *भोज द्वारा स्थापित भोजशाला एवं संस्कृत पाठशाला* के रूप में संबोधित किया है। इससे पहले इस परिसर के साथ प्रयुक्त होने वाले कमाल मौला मस्जिद संबंधी उल्लेख को स्वीकार नहीं किया गया था। हिंदू संगठनों और सांस्कृतिक विशेषज्ञों ने इसे ऐतिहासिक और धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए ऐतिहासिक सत्य की पुनर्स्थापना कहा है। मुख्य याचिकाकर्ता आशीष गोयल के अनुसार, उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में भोजशाला के ऐतिहासिक स्वरूप और वहां निरंतर चली आ रही हिंदू पूजा परंपरा को विशेष महत्व दिया है। इसके बाद एएसआई द्वारा जारी नए आदेश में हिंदू समाज को वर्ष के सभी 365 दिनों तक बिना किसी रोक-टोक के पूजा-अर्चना करने का अधिकार प्रदान किया गया है। इसके साथ ही, पूर्व में लागू शुक्रवार की नमाज संबंधी व्यवस्था को निरस्त किए जाने की बात भी सामने आई है। दरअसल, वर्ष 2003 से लागू एएसआई की व्यवस्था के अनुसार भोजशाला में सह-अस्तित्व का नियम था, जिसके तहत मंगलवार को हिंदुओं को पूजा और शुक्रवार को मुस्लिम समुदाय को नमाज की अनुमति थी। शेष दिनों में यह स्थल पर्यटकों के लिए खुला रहता था। इस फैसले और एएसआई की नई व्यवस्था की जानकारी मिलते ही धार सहित पूरे मध्य प्रदेश में श्रद्धालुओं और विभिन्न सामाजिक संगठनों के बीच भारी उत्साह देखा जा रहा है। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि यह निर्णय केवल एक धार्मिक स्थल तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक पहचान और वैज्ञानिक पुरातात्विक साक्ष्यों (एएसआई सर्वे) के महत्व को भी रेखांकित करता है। यह स्थल लंबे समय से परमार वंश के महान राजा भोज की ज्ञान परंपरा, विद्या के केंद्र और मां सरस्वती (वाग्देवी) के प्राचीन मंदिर के रूप में हिंदू पक्ष की आस्था का केंद्र रहा है, जिसे अब कानूनी और प्रशासनिक मान्यता मिलने का दावा किया जा रहा है।

राजधानी एक्सप्रेस के दो...

डिवीजनल कॉमर्शियल मैनेजर सौरभ जैन ने बताया कि बी-1 कोच में 68 यात्री सवार थे। आग लगने की जानकारी सबसे पहले गार्ड ने लोको पायलट को दी, जिसके बाद ट्रेन को रोका गया। लगभग 15 मिनट में पूरे कोच को खाली करा लिया गया, लेकिन कुछ ही देर में आग पूरे कोच में फैल गई। रेलवे अधिकारियों के अनुसार ट्रेन रविवार सुबह करीब 3.45 बजे मध्य प्रदेश के रतलाम जंक्शन से रवाना हुई थी और इसका अगला निर्धारित ठहराव कोटा जंक्शन था। राजस्थान में प्रवेश से पहले विक्रमगढ़ आलोट स्टेशन के निकट एसी कोच में लगी आग कुछ मिनटों में लगेज कोच तक पहुंच गई। लगेज कोच में यात्रियों का सामान रखा हुआ था, जो आग में जल गया। हादसे के बाद दिल्ली-मुंबई रेलवे ट्रैक पर कुछ समय के लिए रेल यातायात रोक दिया गया। ट्रेन की बिजली सप्लाई काटकर प्रभावित कोचों को अलग किया गया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। बाद में यात्रियों को अन्य कोचों में शिफ्ट कर ट्रेन को करीब साढ़े चार घंटे बाद कोटा के लिए रवाना किया गया। पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) अनिल कालरा ने बताया कि घटना के कारण आठ से दस ट्रेनें प्रभावित हुईं। सुबह करीब 9.30 बजे ट्रैक पर यातायात पुनः शुरू कर दिया गया था। यात्रियों की सुविधा के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए गए हैं। राजधानी एक्सप्रेस दोपहर 1.15 बजे कोटा जंक्शन पहुंची। यहां बी-1 कोच के यात्रियों ने रेलवे की व्यवस्थाओं पर नाराजगी जताते हुए सामान के नुकसान की भरपाई की मांग की। रेलवे की ओर से प्रभावित यात्रियों को पांच-पांच हजार रुपये की सहायता राशि देने का प्रयास किया गया, हालांकि कुछ यात्रियों ने इसे लेने से इनकार कर दिया और एफआईआर दर्ज कराने की मांग पर अड़े रहे। बाद में डीआरएम स्वयं यात्रियों के साथ जीआरपी थाने पहुंचे। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व 29 अप्रैल को धौलपुर में दुर्ग-लुधियाना एक्सप्रेस के जनरल कोच में भी आग लगने की घटना सामने आई थी।

न डील हुई, न साझा ...

मीटिंग, चैटिंग और ईटिंग करते रहे। इस दौरे से अमेरिका को हासिल क्या हुआ? आइए आपको इस रिपोर्ट में विस्तार से बताते हैं। कैपिटल एयरपोर्ट पर उस दिन अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन का विमान लैंड कर चुका था। चीन के प्रधानमंत्री चाउ एनलाई राष्ट्रपति निक्सन और फर्स्ट लेडी पैट्रिसिया निक्सन का स्वागत करने के लिए एयरपोर्ट पर मौजूद थे। ग्लोबल डिप्लोमेसी के लिए वो ऐतिहासिक दिन था, क्योंकि दुनिया के सबसे बड़े पूंजीवादी देश अमेरिका ने कम्युनिस्ट चीन के लिए अपने दरवाजे खोल दिए थे। राष्ट्रपति निक्सन का चीन दौरा सामान्य नहीं था। ये मजबूरी का दौरा था। अमेरिका 17 साल से वियतनाम युद्ध में फंसा हुआ था। राष्ट्रपति निक्सन वियतनाम युद्ध से बाहर निकलना चाहते थे और उन्हें अच्छी तरह मालूम था कि चीन की मदद के बिना वियतनाम युद्ध खत्म नहीं हो सकता। ये बात उन्होंने चीन की यात्रा पर जाने का एलान करने से पहले ही कबूल कर ली थी। राष्ट्रपति निक्सन को चीन से मदद चाहिए थी, इसलिए, अमेरिका ने चीन की उड़ान भरते समय वो पूरे रास्ते कूटनीतिक सौदे की लिस्ट बनाते रहे कि चीन को बदले में क्या दिया जा सकता है? कम्युनिस्ट चीन उस समय अमेरिका और पश्चिम देशों के लिए अछूत था। अमेरिका ने चीन को मान्यता तक नहीं दी थी। चीन की आर्थिक हालत खराब थी। राष्ट्रपति निक्सन ने कम्युनिस्ट चीन को आर्थिक मदद और पूंजी निवेश का भरोसा दिया। चीन का भरोसा जीतने के लिए वो वहां की जनता, संस्कृति और इतिहास का बखान करते रहे। अमेरिका और चीन के रिश्तों का वर्तमान एक बार फिर अतीत की दहलीज पर खड़ा था। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगभग रिचर्ड निक्सन वाले हालात में ही चीन के दौरे पर पहुंचे। निक्सन को वियतनाम युद्ध के दलदल से बाहर निकलना था, तो ट्रंप ईरान युद्ध में बुरी तरह फंसे हुए थे। होर्मुज स्ट्रेट बंद करके ईरान अपनी शर्तों पर समझौता करने की जिद पर अड़ा था। राष्ट्रपति ट्रंप को मालूम था कि ईरान का मसला चीन को साथ लिए बिना नहीं सुलझने वाला। हालांकि ट्रंप का लहजा चीन पर एहसान लादने जैसा ही था। याद कीजिए कि चीन दौरे पर रवाना होने से पहले उन्होंने क्या कहा था। ट्रंप ने कहा था कि ईरान के पीछे चीन खड़ा है।

अफगानिस्तान में तालिबान का...

किया गया है कि किसी लड़के या पहले से शादीशुदा महिला (विधवा या तलाकशुदा) की चुप्पी को अपने-आप सहमति नहीं माना जाएगा। इस आदेश में *ख़ियार अल-बुलूग* यानी *जवानी आने पर मिलने वाले विकल्प* का भी जिक्र किया गया है। यह इस्लामिक कानून का एक ऐसा नियम है जिसके तहत अगर किसी बच्चे की शादी कम उम्र में कर दी जाती है, तो वह बड़ा होने के बाद अपनी शादी को रद करवा सकता है। नए नियम के अनुच्छेद 5 के अनुसार, अगर किसी बच्चे के पिता या दादा के अलावा कोई दूसरा रिश्तेदार किसी नाबालिग की शादी तय करता है, तो भी उस शादी को कानूनी रूप से सही माना जा सकता है। इसके लिए शर्त यह है कि होने वाला जीवनसाथी सामाजिक रूप से बराबर का हो और दहेज भी उचित हो। कम उम्र में तय की गई शादी को बच्चा बाद में रद करवाने की मांग तो कर सकता है, लेकिन ऐसा सिर्फ तालिबान की अदालत के आदेश के बाद ही संभव हो पाएगा। कानून यह भी कहता है कि अगर जीवनसाथी सामाजिक रूप से मेल न खाता हो या दहेज ठीक न हो, तो ऐसी शादियों को अमान्य माना जाएगा। यह नया नियम पिता और दादा को बाल विवाह के मामले में बहुत ज्यादा अधिकार देता है। हालांकि, इसमें एक राहत यह भी दी गई है कि अगर बच्चे के अभिभावक जुल्म करने वाले, मानसिक रूप से कमजोर या चरित्रहीन पाए जाते हैं, तो उनके द्वारा तय की गई शादियों को रद किया जा सकता है। इस नए कानून के तहत तालिबान के जजों को पारिवारिक विवादों में सीधे दखल देने का बड़ा अधिकार मिल गया है। अब जज उन मामलों की सुनवाई और फैसला करेंगे जिनमें गलत संबंध, धर्म-परिवर्तन, पति के लंबे समय तक लापता रहने और जिहार जैसे आरोप शामिल हों। आपको बता दें कि जिहार एक पुरानी अरबी प्रथा है, जिसमें पति अपनी पत्नी की तुलना अपनी मां या किसी ऐसी महिला रिश्तेदार से कर देता है जिससे शादी करना पूरी तरह मना होता है।

कैदी का पुलिस पर ...

सरकारी अस्पताल लेकर आए। कैदी का नाम नसीब सिंह था उसकी मौत हो गई है और पुलिस मुलाजिम घायल है। हॉस्पिटल के सामने मोहल्ला तुलसी नगर इलाके में फायरिंग की घटना हुई है। होशियारपुर सेंट्रल जेल का एक पुलिस मुलाजिम घायल हुआ है, जिन्हें सरकारी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया है। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और फरार कैदी की तलाश जारी है। शनिवार शाम सेंट्रल जेल से तीन कैदियों को मेडिकल जांच के लिए सिविल हॉस्पिटल लाया गया था। इसी दौरान एक कैदी, नसीब सिंह को पुलिस मुलाजिम अस्पताल के अंदर लेकर जा रहे थे कि अचानक उसके पास कोई तेजधार हथियार आ गया। इसके बाद उसने पुलिस मुलाजिम पर हमला कर दिया। इस दौरान काफी धक्का-मुक्की और हाथापाई हुई। हाथापाई के दौरान पुलिस मुलाजिम के पास मौजूद रिवॉल्वर से कुछ फायर हुए, जिनमें नसीब सिंह को गोली लग गई। वहीं कैदी ने पुलिस मुलाजिम पर भी तेजधार हथियार से हमला किया, जिससे वो घायल हो गया। घटना के बाद नसीब सिंह की मौत हो गई, जबकि घायल पुलिस मुलाजिम का सिविल अस्पताल में इलाज चल रहा है।

राहुल ने नीट-यूजी ...

नहीं दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि हर बार जांच एजेंसियों और समितियों के गठन के बावजूद परीक्षा प्रणाली में सुधार नहीं हो पा रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि वर्ष 2024 में नीट परीक्षा पत्र लीक हुआ था, परीक्षा रद्द नहीं हुई, मंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया और मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपी गई थी। वर्ष 2026 में भी परीक्षा पत्र लीक हुआ, परीक्षा रद्द करनी पड़ी, फिर से सीबीआई जांच कर रही है और एक अन्य समिति गठित की जा रही है। उन्होंने कहा कि बार-बार परीक्षा पत्र लीक क्यों हो रहे हैं, इस मुद्दे पर सरकार चुप क्यों है और लगातार विफल हो रहे शिक्षा मंत्री को पद से क्यों नहीं हटाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि नीट-यूजी 2026 परीक्षा तीन मई को आयोजित की गई थी। परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र लीक होने के आरोप सामने आने के बाद राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने परीक्षा रद्द कर दी थी। इसके बाद केंद्र सरकार ने मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो को सौंप दी। जांच एजेंसी ने मामले में अब तक कई आरोपियों की गिरफ्तारी की है। जांच में प्रश्नपत्र लीक, अभ्यर्थियों से धन वसूली और विशेष कोचिंग सत्रों के माध्यम से प्रश्न उपलब्ध कराने जैसे आरोपों की पड़ताल की जा रही है।

त्रिपुरा ने डेस्टिनेशन त्रिपुरा बिजनेस कॉन्क्लेव 2026 के लिए रूसी संघ को भागीदार देश के रूप में आमंत्रित किया

अगरतला। त्रिपुरा सरकार ने आगामी डेस्टिनेशन त्रिपुरा बिजनेस कॉन्क्लेव 2026 में *साझेदार देश* के रूप में भाग लेने के लिए रूसी संघ को औपचारिक रूप से आमंत्रित किया है। यह सम्मेलन 9 और 10 जुलाई को आयोजित होने वाला है। इस आयोजन की तैयारियों के तहत, त्रिपुरा के उद्योग और वाणिज्य विभाग ने रविवार को भारत में रूसी संघ के दूतावास के साथ गहन आर्थिक सहयोग और वैश्विक निवेश साझेदारी के अवसरों का पता लगाने के लिए रणनीतिक चर्चा की। किरण गिट्टे की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय बैठक में पर्यटन, सूचना प्रौद्योगिकी, कृषि-प्रसंस्करण, तेल और गैस, बांस उद्योग, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग ने

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि डेस्टिनेशन त्रिपुरा बिजनेस कॉन्क्लेव 2026 से पहले एक मजबूत निवेश भविष्य के लिए वैश्विक साझेदारी को मजबूत करने के उद्देश्य से, त्रिपुरा सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य विभाग ने पर्यटन, आईटी, कृषि-प्रसंस्करण, तेल एवं गैस, बांस उद्योग, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं को तलाशने के लिए रूसी संघ के दूतावास के साथ रणनीतिक चर्चा की। इसमें आगे कहा गया है, *त्रिपुरा सरकार ने 9-10 जुलाई 2026 को होने वाले डेस्टिनेशन त्रिपुरा बिजनेस कॉन्क्लेव 2026 में साझेदार देश* के रूप में भाग लेने के लिए रूसी संघ को भी आमंत्रित किया है। डेस्टिनेशन त्रिपुरा बिजनेस कॉन्क्लेव 2026 को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों के सामने राज्य की आर्थिक क्षमता, रणनीतिक कनेक्टिविटी और निवेश के अवसरों को प्रदर्शित करने के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में स्थापित किया जा रहा है।

नासा सम्मेलन के लिए असम के कक्षा 8 के छात्र का चयन

नगांव (हिंस)। असम के नगांव जिले के कलियाबर क्षेत्र के एक छात्र ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए राज्य का गौरव बढ़ाया है। कक्षा आठ के छात्र जोनाक ज्योति बरदलै का चयन अमेरिका में आयोजित होने वाले नासा से संबंधित प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए किया गया है। कलियाबर गुरुकुल के विद्यार्थी जोनाक ज्योति बरदलै आगामी दिसंबर माह के अंतिम सप्ताह में आयोजित होने वाले इस सम्मेलन में भाग लेंगे। सम्मेलन के दौरान उन्हें प्रसिद्ध अंतरिक्ष यात्री डॉ. डॉन थॉमस के साथ संवाद करने का अवसर भी मिलेगा। कुवारिटोल माधव गांव निवासी जोनाक ज्योति, राजीव बरदलै और ज्योतिमाला बरदलै के पुत्र हैं। उन्होंने अप्रैल महीने से शुरू हुई एक महीने लंबी चयन प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पार कर यह उपलब्धि हासिल की। यह मूल्यांकन अंतरिक्ष विज्ञान और उससे जुड़े विभिन्न विषयों

पर आधारित था। जोनाक ज्योति ने बताया कि उन्हें 15 अप्रैल को उनके विज्ञान शिक्षक जतिन बोरा से इस अवसर की जानकारी मिली थी। इसके बाद उन्होंने घर से ही नियमित तैयारी शुरू की। उन्होंने कहा कि परीक्षा क्वेस्ट आधारित थी, जिसमें विभिन्न वैज्ञानिक विषयों को लेकर गहन अध्ययन की आवश्यकता थी। छात्र ने बताया कि 5 मई को चयन की सूचना मिलने के बाद परिवार और विद्यालय दोनों ने उनका उत्साह बढ़ाया। उन्होंने कहा कि नासा जाने और वहां की कार्यप्रणाली को नजदीक से समझने का अवसर उनके लिए बेहद खास है। सम्मेलन के दौरान जोनाक ज्योति अंतरिक्ष विज्ञान पर आधारित अपना एक प्रोजेक्ट भी प्रस्तुत करेंगे। उनकी तैयारी में विज्ञान शिक्षक जतिन बोरा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जिनके मार्गदर्शन में छात्र ने यह सफलता प्राप्त की। इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में भी उत्साह का माहौल है। विद्यालय के निदेशक रातुल बरुवा, प्राचार्या प्रियंका बोरा सहित शिक्षकों और कर्मचारियों ने छात्र को बधाई देते हुए इसे राज्य के लिए गर्व का विषय बताया है। उल्लेखनीय है कि इस सम्मेलन के लिए पूरे भारत से कुल 17 छात्रों का चयन हुआ है, जिनमें असम से चयनित होने वाले जोनाक ज्योति बरदलै एकमात्र छात्र हैं। विद्यालय प्रशासन के अनुसार छात्र की विज्ञान और नवाचार के प्रति रुचि शुरू से ही रही है और यह अवसर उनके शैक्षणिक भविष्य को नई दिशा देगा।

मेघालय के विधायक ने उमियूरेम नदी पर बने नए सस्पेंशन ब्रिज का उद्घाटन किया

शिलांग। रालियांग के विधायक कमिंगोन यम्बोन ने शनिवार को लेइचका शांगपुंग पोहशनोंग में उमियूरेम नदी पर बने एक नए पैदल यात्री सस्पेंशन ब्रिज का उद्घाटन किया। इस परियोजना से क्षेत्र के निवासियों और किसानों के लिए कनेक्टिविटी में काफी सुधार होने और परिवहन संबंधी चुनौतियों को कम करने की उम्मीद है। जिला खनिज निधि (डीएमएफ) योजना के तहत 49.98 लाख रुपए की लागत से निर्मित यह पैदल पुल चार महीनों के भीतर बनकर तैयार हो गया और इससे नदी के दोनों किनारों पर रहने वाले लोगों को, विशेष रूप से मानसून के मौसम के दौरान, सुरक्षित आवागमन मिलने की उम्मीद है। उद्घाटन समारोह में निवासियों को संबोधित करते हुए यम्बोन ने कहा कि यह पुल विशेष रूप से उन किसानों के लिए फायदेमंद होगा जिन्हें भारी बारिश के दौरान बढ़ते जल स्तर और खराब पहुंच के कारण कृषि उपज के परिवहन में अक्सर कठिनाई होती है। उन्होंने कहा कि यह पुल लोगों के लिए दैनिक आवागमन को अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक बनाएगा, साथ ही किसानों को मौसमी कठिनाइयों का सामना किए बिना अपनी उपज ले जाने में मदद करेगा। उद्घाटन के साथ-साथ, विधायक ने क्षेत्र के लिए अतिरिक्त विकास पहलों की घोषणा की, जिसमें पोहशनोंग सड़क के सुधार और उन्नयन के लिए स्वीकृत 15 करोड़ रुपए शामिल हैं। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि अपशिष्ट प्रबंधन सेवाओं को मजबूत करने के लिए एक नए कचरा संग्रहण वाहन की खरीद के लिए 25.40 लाख रुपए आवंटित किए गए हैं। पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, यम्बोन ने निवासियों से उमियुरेम नदी की रक्षा करने का आग्रह किया।

कामरूप में सीआरपीएफ जवान के घर सशस्त्र डकैती, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

कामरूप (हिंस)। कामरूप जिला के आठारा कामारटोला गांव में एक सनसनीखेज हथियारबंद डकैती की घटना सामने आई है। पांच सदस्यीय सशस्त्र डकैत गिरोह ने सीआरपीएफ जवान कनिष्क डेका के घर में घुसकर नकदी, सोने-चांदी के आभूषण और अन्य कीमती सामान लूट लिया। घटना 14 मई की देर रात की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, जवान कनिष्क डेका उस समय ड्यूटी के सिलसिले में जम्मू-कश्मीर में तैनात थे। इसी का फायदा उठाकर डकैतों ने घर का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया। बताया जा रहा है कि हथियारबंद बदमाश लगभग 40 मिनट तक घर के भीतर रहे और एक-एक कमरे की

तलाशी लेकर कीमती सामान समेटते रहे। घर में लगे सीसीटीवी कैमरों में पूरी घटना रिकॉर्ड हो गई है। फुटेज में नकाबपोश डकैत हथियारों के साथ घर में घूमते दिखाई दे रहे हैं। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने में जुटी हुई है। घटना के दौरान जवान की पत्नी ने सूझबूझ का परिचय दिया। संदिग्ध हलचल महसूस होने पर वह अपने बीमार ससुर के पास से चुपचाप बाथरूम में छिप गईं और वहीं से रिश्तेदारों को फोन कर मदद मांगने की कोशिश की। पहले उन्होंने अपने भाई को फोन किया, लेकिन फोन बंद होने के कारण संपर्क नहीं हो सका। बाद में उन्होंने अपनी बहन को घटना की जानकारी दी। परिजनों और स्थानीय लोगों को जब घटना का पता चला तो वे तुरंत घर की ओर पहुंचे। बाहर लोगों की आवाजाही और शोर सुनकर डकैत पिछले दरवाजे से नकदी और गहनों के साथ फरार हो गए। डकैतों के भागने के बाद परिवार के सदस्य बाहर निकले और उन्हें चोरी व नुकसान की पूरी जानकारी मिली। इस घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने इलाके में पुलिस गश्त बढ़ाने और रात के समय सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और फरार डकैतों की तलाश जारी है।

असम भाजपा पदाधिकारियों की बैठक आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। असम भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया की उपस्थिति में बशिष्ठ चारिआली स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय में राज्य स्तरीय पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन के आगामी कार्यक्रमों, सांगठनिक रणनीति तथा विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। पार्टी नेतृत्व ने आगामी गतिविधियों को लेकर पदाधिकारियों के साथ विचार-विमर्श करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने पर जोर दिया। इस दौरान विभिन्न जिलों में पार्टी की गतिविधियों, जनसंपर्क अभियान और संगठनात्मक विस्तार को लेकर भी चर्चा की गई। नेताओं ने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय बनाए रखने का आह्वान किया।

मंत्री अतुल बोरा ने संभाला पदभार, 100 दिन का कार्ययोजना कार्यक्रम शुरू

गुवाहाटी (हिंस)। अतुल बोरा ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्री के रूप में औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया। विभाग में जिम्मेदारी संभालते ही उन्होंने राज्य के विकास को गति देने के उद्देश्य से 100 दिन की कार्ययोजना लागू करने की घोषणा की। पदभार ग्रहण करने के बाद शनिवार को बीती रात मंत्री ने विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर विभिन्न योजनाओं एवं परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में चल रही विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा

समयबद्ध कार्य निष्पादन पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर अतुल बोरा ने कहा कि राज्य के विकास के लिए उपलब्ध निधियों का समुचित और पारदर्शी उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के माध्यम से जनहितकारी योजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा। मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को बेहतर समन्वय और दक्षता के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए 100 दिन के कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया।

गोभा राजा के बड़े भाई की सड़क हादसे में मौत

मोरीगांव (हिंस)। मोरीगांव जिले के जागीरोड इलाके में हुए एक सड़क हादसे में गोभा राजा के बड़े भाई की मौत हो गई। पुलिस से रविवार को मिली जानकारी के अनुसार गोभा राजा दीपसिंह देउरजा के बड़े भाई नयन देउरजा राष्ट्रीय राजमार्ग पर करते समय एक वाहन की चपेट में आ गए। जिसके चलते उनकी मौत हो गयी। मिली जानकारी के अनुसार तेज रफ्तार इनोवा कार (एएस-01एफजेड-2237) की चपेट में आने से गोभा राजा के बड़े भाई की मौत हुई। शव को जागीरोड महात्मा गांधी आदर्श चिकित्सालय में रखा गया है। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल कार को जब्त कर लिया है।

वरिष्ठ पत्रकार ध्रुव महंत पुनः सीएम के प्रधान प्रेस सचिव नियुक्त

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के प्रधान प्रेस सचिव के रूप में वरिष्ठ पत्रकार ध्रुव महंत को पुनः नियुक्त किया गया है। इस संबंध में शनिवार की रात आधिकारिक घोषणा की गई। इसके साथ ही नवजीत पाटगिरी को भी मुख्यमंत्री के संचार, जनसंपर्क एवं प्रोटोकॉल विभाग में विशेष कर्तव्यरत अधिकारी (ओएसडी) के रूप में पुनर्नियुक्त किया गया है। राज्य सरकार के इन महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्णयों को मुख्यमंत्री कार्यालय की मीडिया समन्वय व्यवस्था, जनसंपर्क गतिविधियों तथा संचार तंत्र को और अधिक मजबूत करने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

पूसीरे की आरपीएफ ने की चोरी के संदिग्धों की त्वरित गिरफ्तारी

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने जोन भर में अलग-अलग स्थानों पर सफलतापूर्वक कार्रवाई कर यात्रियों की सुरक्षा और रक्षा के प्रति अपनी मजबूत प्रतिबद्धता को एक बार पुनः प्रमाणित किया है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया है कि बीते 12 मई को गुवाहाटी की एंटी-ड्रगिंग टीम ने ट्रेन संख्या 22450 (नई दिल्ली-गुवाहाटी) पूर्वोत्तर संपर्क क्रांति एक्सप्रेस में सवार एक व्यक्ति को यात्रियों का सामान चुराने के आरोप में पकड़ा। उसके पास से लगभग 30,000 रुपए कीमत के चोरी के दो मोबाइल फोन बरामद किए गए। आरोपी को बरामद सामान के साथ जीआरपी/गुवाहाटी को सौंप दिया गया, जहां भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत एक

मामला दर्ज किया गया है। उसी दिन एक और कार्रवाई में, आरपीएफ/पोस्ट/कटिहार (पूर्व) के जवानों ने कटिहार रेलवे स्टेशन पर एक व्यक्ति को पकड़ा। उसके पास से लगभग 32,000 रुपए का एक चोरी का मोबाइल फोन बरामद किया गया। इसके बाद आरोपी को जीआरपी/कटिहार को सौंप दिया गया। बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत एक मामला दर्ज किया गया। अपनी सख्त कार्रवाई जारी रखते हुए, 13 मई को रंगिया की सीआईबी टीम ने रंगिया रेलवे स्टेशन पर ट्रेन संख्या 15933 (न्यू तिनसुकिया-अमृतसर) एक्सप्रेस में सवार एक व्यक्ति को पकड़ा, जिसके पास से लगभग 25,000 रुपए के चोरी के दो मोबाइल बरामद किए गए। आरोपी को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जीआरपी/रंगिया को सौंप दिया गया। ये सफल कार्रवाइयां यात्रियों और उनके सामान की सुरक्षा और रक्षा सुनिश्चित करने में आरपीएफ जवानों की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई को प्रदर्शित करते हैं।

मानसून के चलते 25 मई से बंद होंगे काजीरंगा अभयारण्य के जीप सफारी

गुवाहाटी (हिंस)। काजीरंगा नेशनल पार्क में संचालित जीप सफारी सेवाएं 25 मई से मानसून सत्र के कारण आधिकारिक रूप से बंद कर दी जाएंगी। वन विभाग ने पर्यटकों की सुरक्षा तथा पार्कों के संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया है। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, 24 मई तक जीप सफारी सामान्य रूप से संचालित होती रहेगी, जबकि 25 मई से पार्कों में पर्यटकों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लागू रहेगा। मानसून के दौरान भारी वर्षा, बाढ़ तथा जंगल के रास्तों की खराब स्थिति के कारण सफारी संचालन सुरक्षित नहीं माना जाता। हर वर्ष मानसून के मौसम में असम के कई राष्ट्रीय उद्यानों और अभयारण्यों में पर्यटन गतिविधियों को अस्थायी रूप से बंद किया जाता है, क्योंकि जलस्तर बढ़ने से जंगल के मार्ग जलमग्न हो जाते हैं और वन्यजीवों की आवाजाही भी प्रभावित होती है। वन विभाग ने बताया कि मानसून समाप्त होने के बाद परिस्थितियां सामान्य होने पर अक्टूबर या नवंबर महीने में सफारी सेवाओं को पुनः शुरू किए जाने की संभावना है।

रंगिया : एसएसबी की 24वीं वाहिनीं का एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम आयोजित

रंगिया (विभास)। रंगिया स्थित सशस्त्र सीमा बल की 24वीं वाहिनीं ने रविवार को सीमा क्षेत्र के 35 होनहार छात्रों के लिए एक दिवसीय शैक्षिक अध्ययन-भ्रमण का आयोजन किया। बल वाहिनीं के कमांडेंट एचके गुप्ता ने कार्यक्रम की शुरुआत हरि झंडी दिखाकर की और छात्रों को रवाना किया। सुबह छात्र वाहिनीं मुख्यालय में उपस्थित हुए, जहां उन्हें सुरक्षा नियमों, अनुशासन और देशभक्ति के महत्व पर संक्षिप्त परिचय दिया गया। कमांडेंट एचके गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों के छात्रों में राष्ट्रीय सुरक्षा, अनुशासन और साहस की भावना का विकास अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने छात्रों को देश की सीमाओं की रक्षा के प्रति जागरूक रहने और अनुशासन का पालन करने के लिए प्रेरित किया। भ्रमण के दौरान छात्रों को गुवाहाटी के शंकरदेव कलाक्षेत्र, युद्ध स्मारक सहित कई महत्वपूर्ण स्थलों का दौरा कराया जाएगा। कार्यक्रम में शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि और सिविक एक्शन प्रोग्राम के समन्वयक भी उपस्थित रहे। आयोजकों ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रमों का उद्देश्य युवा पीढ़ी में देशभक्ति और सीमाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। वहीं बल वाहिनीं के अधिकारीयों ने उम्मीद व्यक्त की कि यह अनुभव छात्रों में सैन्य सेवाओं के प्रति सम्मान और राष्ट्रीय कर्तव्य की भावना मजबूत करेगा।

होजाई : जिलास्तरीय *असम वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन* का प्रथम द्विवार्षिक अधिवेशन संपन्न, नव निर्वाचित विधायक शिलादित्य देव ने किया उद्घाटन

होजाई (निसं)। असम सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त वरिष्ठ नागरिक संगठन- *असम वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन* की होजाई जिला संगठन का प्रथम द्विवार्षिक अधिवेशन आज नया बाजार स्थित साहित्य सभा भवन में एकदिवसीय कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ। सुबह 9 बजे सम्मेलन का ध्वजारोहण कर कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार शर्मा ने गत दो वर्षों में संगठन द्वारा प्राप्त हुए संगठनात्मक तथा अन्य क्षेत्रों में हुए समग्र उन्नयन का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया तथा आगामी कार्ययोजना संबंधी विचार रखें। तत्पश्चात स्मृतिस्मरण कार्यक्रम में मुख्य तर्पणकर्ता के रूप में डॉ. गुणेश्वर सैकिया तथा प्रमुख दानदाता के रूप में दिलीप वर्धन देव ने श्रद्धांजलि अर्पित की। सुबह लगभग 10-30 बजे जिले की सभी शाखाओं से आए लगभग दो सौ प्रतिनिधि वरिष्ठ नागरिकों की उपस्थिति में प्रतिनिधि तथा विषय-चयन बैठक आयोजित हुई। इसमें सचिव अनुप कुमार बरठाकुर ने गत कार्यवर्ष की गतिविधियों सहित संपादकीय प्रतिवेदन पढ़ा और लेखापरीक्षक उत्पल कुमार शर्मा ने लेखा-परियोजना की प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। दोनों

प्रतिवेदनों को सभा ने अनुमोदित कर लिया। इसके पश्चात् अध्यक्ष द्वारा कार्यकारी समिति से तात्कालिक पदत्याग प्रस्तुत किया गया। साधारण सभा ने सर्वसम्मति से नवगठित कार्यकारिणी का चुनाव सम्पन्न किया। चयनित कार्यकारिणी में कृष्ण कुमार शर्मा को अध्यक्ष, डॉ. शमसुल हक को कार्यकारी अध्यक्ष, कृष्ण कुमार दत्त तथा मुकुट देव गोस्वामी को उपाध्यक्ष, रिपेन चन्द्र बराक को सहायक सचिव, प्रदीप बोरा तथा कृष्णराम बरदलै को संगठनात्मक सचिव, कछसुल हक को वित्त सचिव, जामाल अहमद को प्रचार सचिव, डॉ. सैदुल इस्लाम को स्वास्थ्य सचिव तथा अनिमा बरुवा को शिक्षा एवं प्रकाशन सचिव के पदों पर पदेन नियुक्त किया गया। इसी प्रकार पच्चीस सदस्यीय कार्यकारिणी गठित की गई। सभा ने डॉ. गुणेश्वर सैकिया, दिलीप वर्धन, फैजुल हक, कल्पना देवी गोस्वामी तथा तोशेश्वर तमुली फुकन को परामर्शदाता के रूप में मनोनीत किया। दोपहर 2 बजे आयोजित खुले बैठक का उद्घाटन होजाई विधान सभा के नव निर्वाचित विधायक शिलादित्य देव ने किया। उद्घाटन सत्र में विधायक ने कहा कि एक सुसंस्कृत तथा संगठित समाज के निर्माण में वरिष्ठ नागरिकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा उन्हें गरिमा पूर्ण जीवन जीने हेतु वातावरण प्रदान करना समाज की जिम्मेदारी है। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं के निवारण हेतु पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। इससे पूर्व जिला सम्मेलन की ओर से नव निर्वाचित विधायक का भव्य अभिनंदन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित असम वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन के प्रधान संपादक प्रसन्न कुमार बरठाकुर ने प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों की न्यायसंगत मांगों तथा उनसे संबद्ध शिकायतों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि माननीय मुख्यमंत्री के साथ हालिया वार्ता में सम्मेलन को सकारात्मक सहयोग प्राप्त हुआ है।

संपादकीय

नहीं बदले तो मिटना तय

मिटना तय एक जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान सरकार अगले वर्ष यानि 2026-27 के बजट में 100 अरब पाकिस्तानी रुपए की वृद्धि करने पर विचार कर रही है जबकि वह अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) समर्थित सुधार कार्यक्रम के तहत अपना बजट तैयार कर रहा है। इसका मतलब कि पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ बड़ी युद्ध की तैयारी में है। पाकिस्तान अकेले भारत ही नहीं अफगानिस्तान और बलूचिस्तान के खिलाफ भी मोर्चा खोल रखा है किन्तु जिस तरह भारत आपरेशन सिन्दूर-2 करने की बारबार चेतावनी पाकिस्तान को देता है, उससे उनकी फौज की मीडिया में आए दिन फजीहत होती है। दरअसल मिलिट्री बैलेंस पर नजर डालें तो पाकिस्तान भारत के सामने कहीं नहीं टिकता किन्तु जब कभी भी युद्ध होता है तो निश्चित रूप विकास का पहिया या तो पटरी से उतर जाती है या फिर उसकी गति धीमी हो जाता है। आपरेशन सिन्दूर में सैन्य नेतृत्व को जब अपना लक्ष्य हासिल हो गया तो वह आगे युद्ध करने की किसी तरह की योजना आगे नहीं बढ़ाना चाहता था किन्तु जब पाकिस्तान ने 7 मई को जेहादी ठिकानों पर हुए हमलों को अपने सैन्य ठिकानों पर हमला मानकर प्रतिकार किया तब भारत ने उसे करारा जवाब दिया जिसके तहत उसके 9 एयरपोर्ट तबाह हो गए। पाकिस्तान की पहल पर 10 मई को दोनों देशों ने युद्ध विराम करके ? साबित कर दिया कि युद्ध कोई भी नहीं चाहता था। भारत ने तो मात्र उन आतंकी ठिकानों पर हमले किए जो हमारी देश की सुरक्षा के लिए खतरे बने हुए थे और पहलगाम नरसंहार के बाद पूरा देश उन आतंकियों के खिलाफ आक्रोशित था। भारत ने पाकिस्तान के किसी भूभाग पर अधिपत्य जमाने के उद्देश्य से हमला नहीं किया था। भारत हमेशा पाकिस्तान को इस बात की चेतावनी देता रहता है कि वह यदि दोबारा कोई आतंकी हमला करता है तो उसे भयंकर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। प्रधानमंत्री, रक्षामंत्री और सेना प्रमुख ने तो कई बार पाकिस्तान को चेतावनी दी है कि उसकी परमाणु हमले की धौंस से कोई नहीं डरता। यदि भारत पर कोई आतंकी हमला हुआ तो उसे स्टेट ऐक्टर का एक्ट आफ वार मानकर प्रतिकार किए जाएगा। शनिवार को सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी नई दिल्ली स्थित मानेकशा सेंटर में यूनिफार्म अनवील्ड द्वारा आयोजित एक संवाद सत्र सेना प्रमुख ने एक सवाल के जवाब में दो टूक कहा कि ''यदि आपने मुझे पहले सुना है तो मैंने यही कहा है कि पाकिस्तान अगर आतंकवादियों को पनाह देना और भारत के खिलाफ काम करना जारी रखता है तो उसे त करना होगा कि वह भूगोल का हिस्सा रहना चाहता है या इतिहास का।'' इससे एक बात तो बड़ी स्पष्ट है कि भारत पाकिस्तान के प्रति बिल्कुल नरमी बरतने वाला नहीं है। भारत ने भी अपने डिफेंस सिस्टम को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए है जिसके तहत एस-400 हासिल किया तथा पाकिस्तान पर हमले के लिए ब्रह्मोस जैसी मिसाइलों की व्यवस्था कर रहा है। इसी तरह मित्र देशों से तमाम उपकरणों को सीमा एवं रक्षाठिकानों जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में तैनात कर दिया है जिनसे पाकिस्तान की हर गतिविधि पर गहरी एवं पैनी नजर रखी जा रही है। वहराहाल भारत की तरफ से पाकिस्तान को मिल रही इन्हीं चेतावनी के कारण वहां के सैनिक शासकों को लग रहा है कि वह सही वक्त कि रक्षा बजट में बढ़ोत्तरी कर देनी चाहिए। पाकिस्तान की मुद्रास्फीति 10.9 प्रतिशत पहुंच गई है। यानि महंगाई खूंटा तोड़ कर भाग रही है बैलेंस आफ पेमेन्ट के लिए विदेशी मुद्रा के लिए ठन-ठन गोपाल है। दूसरे देश पैसे लेकर अपने रिजर्व बैंक में गारंटी के रूप में रखे हैं। सरकारी प्रतिष्ठान गिरवी हैं किन्तु पाकिस्तान की जेहादी आर्मी भारत के खिलाफ आतंकियों को अनुदान देकर अपनी चौथी यानि जेहादी विंग बनाए रखने की जिद पर अड़ा हुआ है। उसे जनता के दुःख दर्द से कोई वास्ता नहीं वह तो चाहते कि भारत के साथ तनाव बढ़ेगा तो भीख में मिले पैसों से रक्षा बजट बढ़ाय जाएगा। रक्षा बजट बढ़ने से एक तरफ पाक जनता को सेना मूर्ख बना सकेगी अब वह भारत की तरफ से होने वाले हमलों को रोक पाएगा तथा उस रक्ष बजट के पैसों को सफाचट करने की जो प्रवृत्ति सेना ने पाल रखी है उसमें भी वह सफल होगा किन्तु सच तो यह है यदि सेना ने अपने जेहादी चरित्र को नहीं बदला तो वही होगा जो आज जनरल द्विवेदी ने कहा है।

आपरेशन सिन्दूर में सैन्य नेतृत्व को जब अपना लक्ष्य हासिल हो गया तो वह आगे युद्ध करने की किसी तरह की योजना आगे नहीं बढ़ाना चाहता था किन्तु जब पाकिस्तान ने 7 मई को जेहादी ठिकानों पर हुए हमले को अपने सैन्य ठिकानों पर हमला मानकर प्रतिकार किया तब भारत ने उसे करारा जवाब दिया जिसके तहत उसके 9 एयरपोर्ट तबाह हो गए। पाकिस्तान की पहल पर 10 मई को दोनों देशों ने युद्ध विराम करके ? साबित कर दिया कि युद्ध कोई भी नहीं चाहता था। भारत ने तो मात्र उन आतंकी ठिकानों पर हमले किए जो हमारी देश की सुरक्षा के लिए खतरे बने हुए थे और पहलगाम नरसंहार के बाद पूरा देश उन आतंकियों के खिलाफ आक्रोशित था। भारत ने पाकिस्तान के किसी भूभाग पर आधिपत्य जमाने के उद्देश्य से हमला नहीं किया था। भारत हमेशा पाकिस्तान को इस बात की चेतावनी देता रहता है कि वह यदि दोबारा कोई आतंकी हमला करता है तो उसे भयंकर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। प्रधानमंत्री, रक्षामंत्री और सेना प्रमुख ने तो कई बार पाकिस्तान को चेतावनी दी है कि उसकी परमाणु हमले की धौंस से कोई नहीं डरता।

स्कूल की पढ़ाई के अतिरिक्त कोचिंग, ट्यूशन, ऑनलाइन क्लास और असाइनमेंट ने बच्चों के दिन का अधिकांश समय घेर लिया है

अंकों की अंधी दौड़ और खोता बचपन

प्रियंका सौरभ

अंकों की इस दौड़ में, बचपन हुआ उदास।
कंधों पर उम्मीद का, भारी पड़ा लिबास।।"

भारत जैसे विकासशील देश में शिक्षा को हमेशा से सम्मान और प्रगति का माध्यम माना गया है। शिक्षा व्यक्ति को केवल ज्ञान ही नहीं देती, बल्कि उसे जीवन जीने की समझ, सामाजिक चेतना और बेहतर भविष्य की दिशा भी प्रदान करती है। किंतु समय के साथ शिक्षा का स्वरूप बदलता गया और आज स्थिति यह हो गई है कि शिक्षा का अर्थ केवल अधिक अंक लाना और प्रतियोगिता में आगे निकलना भर रह गया है। बच्चों का मूल्यांकन उनके व्यक्तित्व, व्यवहार, रचनात्मकता या संवेदनशीलता से नहीं, बल्कि उनकी मार्कशीट के प्रतिशत से किया जाने लगा है। परिणामस्वरूप बचपन दबाव, तनाव और अपेक्षाओं के बोझ तले कराह रहा है। आज हर माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा कक्षा में प्रथम आए, सर्वोच्च अंक प्राप्त करे और समाज में प्रतिष्ठित पद हासिल करे। यह इच्छा स्वाभाविक है, क्योंकि हर अभिभावक अपने बच्चों का उज्ज्वल भविष्य चाहता है। समस्या तब शुरू होती है जब यह इच्छा अपेक्षा बन जाती है और अपेक्षा धीरे-धीरे दबाव में बदल जाती है। बच्चे की रुचि क्या है, उसकी क्षमता क्या है, उसे किस क्षेत्र में आनंद मिलता है—इन प्रश्नों पर कम ध्यान दिया जाता है। मुख्य चिंता केवल अंक और रैंक की रह जाती है।

वर्तमान शिक्षा व्यवस्था ने बच्चों के जीवन को अत्यधिक प्रतिस्पर्धात्मक बना दिया है। स्कूल की पढ़ाई के अतिरिक्त कोचिंग, ट्यूशन, ऑनलाइन क्लास और असाइनमेंट ने बच्चों के दिन का अधिकांश समय घेर लिया है। पहले बच्चे शाम को मैदानों में खेलते थे, पेड़ों पर चढ़ते थे, दोस्तों के साथ हँसते-भागते थे, लेकिन आज उनका बचपन पुस्तकों और स्क्रीन के बीच कैद होकर रह गया है। खेल का मैदान अब मोबाइल की स्क्रीन में सिमट गया है और खुलकर हँसने की जगह परिणामों की चिंता ने ले ली है। हर वर्ष परीक्षा परिणाम आने के बाद समाज का व्यवहार बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को और अधिक प्रभावित करता है। जिन बच्चों के अंक अधिक आते हैं, उन्हें समाज "होनहार" घोषित कर देता है, जबकि अपेक्षाकृत कम अंक पाने वाले बच्चे स्वयं को कमतर समझने लगते हैं। यह तुलना बच्चों के भीतर आत्महीनता पैदा करती है। कई बच्चे तनाव, अवसाद और भय से घिर जाते हैं। दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि कुछ बच्चे परीक्षा में असफलता के कारण आत्मघाती कदम तक उठा लेते हैं। यह स्थिति केवल शिक्षा व्यवस्था की नहीं, बल्कि पूरे समाज की विफलता का संकेत है।

आज बच्चों पर सबसे अधिक प्रभाव "तुलना" का पड़ रहा है। "देखो, शर्मा जी का बेटा कितना पढ़ता है", "उसके 98 प्रतिशत आए हैं, तुम्हारे क्यों नहीं?"—ऐसे वाक्य बच्चों के मन पर गहरी चोट करते हैं। तुलना कभी प्रेरणा नहीं बनती, बल्कि आत्मविश्वास को कमजोर करती है।

हर बच्चा अपनी क्षमता, सोच और प्रतिभा में अलग होता है। कोई संगीत में उत्कृष्ट हो सकता है, कोई खेल में, कोई चित्रकला में और कोई लेखन में। लेकिन हमारी शिक्षा व्यवस्था और सामाजिक सोच केवल डॉक्टर, इंजीनियर और प्रशासनिक अधिकारी बनने को ही सफलता का पर्याय मानती है। यह भी एक बड़ा प्रश्न है कि क्या केवल अधिक अंक प्राप्त कर लेना जीवन की सफलता की गारंटी है? इतिहास और वर्तमान दोनों इस बात के साक्षी हैं कि अनेक महान व्यक्तियों ने साधारण शैक्षिक उपलब्धियों के बावजूद असाधारण कार्य किए। सफलता केवल पुस्तकीय ज्ञान से नहीं आती, बल्कि साहस, धैर्य, रचनात्मकता, संवेदनशीलता और मेहनत से आती है। यदि शिक्षा मनुष्य को अच्छा इंसान नहीं बना पा रही, तो वह अधूरी है।

आज के बच्चे तकनीकी रूप से बहुत तेज हैं, लेकिन भावनात्मक रूप से अकेले होते जा रहे हैं। माता-पिता दोनों के कामकाजी होने, संयुक्त परिवारों के टूटने और मोबाइल संस्कृति के बढ़ने से बच्चों को संवाद और भावनात्मक सहयोग कम मिल रहा है। वे अपनी परेशानियाँ किसी से खुलकर कह नहीं पाते। ऐसे में परीक्षा और भविष्य का दबाव उन्हें भीतर से तोड़ देता है। शिक्षा का वातावरण आनंददायक होने के बजाय भय का वातावरण बनता जा रहा है। कोचिंग संस्थानों की बढ़ती संस्कृति ने भी इस समस्या को गंभीर बनाया है। बड़े-बड़े विज्ञापनों में टॉपर्स के चेहरे दिखाकर बच्चों और अभिभावकों के मन में यह धारणा बना दी जाती है कि सफलता केवल कठिन प्रतिस्पर्धा और लगातार पढ़ाई से ही मिलेगी। बच्चों को मशीन की तरह तैयार किया जा रहा है। उनकी रचनात्मकता और स्वतंत्र सोच धीरे-धीरे समाप्त होती जा रही है। शिक्षा अब सीखने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि अंकों की फैक्ट्री बनती जा रही है।

सबसे दुखद स्थिति तब होती है जब बच्चे स्वयं को अपने माता-पिता के सपनों का बोझ समझने लगते हैं। वे डरते हैं कि यदि उनके अंक कम आए, तो वे परिवार को निराश कर देंगे। यह डर उन्हें मानसिक रूप से कमजोर बनाता है। कई बार माता-पिता अनजाने में बच्चों को यह महसूस करा देते हैं कि उनका प्यार भी अंकों पर निर्भर है। जबकि बच्चों को सबसे अधिक आवश्यकता बिना शर्त स्वीकार्यता और भावनात्मक सुरक्षा की होती है। हमें यह समझना होगा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं है। शिक्षा का लक्ष्य होना चाहिए—मानवता, संवेदनशीलता, नैतिकता और आत्मविश्वास का विकास। यदि कोई बच्चा दूसरों की मदद करना सीखता है, अपने माता-पिता का सम्मान करता है, समाज के प्रति जिम्मेदार बनता है और मानसिक रूप से स्वस्थ रहता है, तो वही सच्ची शिक्षा है।

बच्चों को अपनी रुचियों के अनुसार आगे बढ़ने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। यदि किसी बच्चे को संगीत पसंद है, तो उसे संगीत में आगे बढ़ने दिया जाए। यदि किसी को खेल, अभिनय, लेखन, कला या किसी अन्य क्षेत्र में रुचि है, तो उसका सम्मान किया जाए। हर प्रतिभा महत्वपूर्ण है। समाज को यह समझना होगा कि दुनिया केवल डॉक्टर और इंजीनियरों से नहीं चलती, बल्कि कलाकारों, शिक्षकों, किसानों, लेखकों, वैज्ञानिकों, संगीतकारों और खिलाड़ियों से भी समृद्ध होती है। अभिभावकों और शिक्षकों की जिम्मेदारी यहाँ सबसे अधिक है। बच्चों को डाँटने और डराने के बजाय उन्हें समझना और प्रेरित करना आवश्यक है। यदि बच्चा असफल होता है, तो उसे यह विश्वास दिलाया जाना चाहिए कि असफलता अंत नहीं, बल्कि सीखने का अवसर है। कई बार जीवन की सबसे बड़ी सफलताएँ असफलताओं से ही जन्म लेती हैं।

विद्यालयों को भी परीक्षा-केंद्रित शिक्षा से बाहर निकलकर व्यक्तित्व विकास, रचनात्मक गतिविधियों और नैतिक शिक्षा पर ध्यान देना चाहिए। बच्चों को केवल रटने के बजाय सोचने और समझने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो बच्चों के भीतर जिज्ञासा और आनंद जगाए, न कि भय और तनाव। सरकार और समाज को भी बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति गंभीर होना होगा। स्कूलों में काउंसलिंग व्यवस्था मजबूत होनी चाहिए। माता-पिता को भी समय-समय पर यह समझाने की आवश्यकता है कि बच्चों पर अनावश्यक दबाव डालना कितना हानिकारक हो सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम शिक्षा और सफलता की परिभाषा बदलें। बच्चे को केवल अंक लाने वाली मशीन नहीं, बल्कि संवेदनशील और रचनात्मक इंसान के रूप में देखें। उसे यह महसूस कराएँ कि उसका मूल्य उसकी मार्कशीट से कहीं अधिक है। यदि हम सच में आने वाली पीढ़ी को खुश, स्वस्थ और आत्मविश्वासी बनाना चाहते हैं, तो हमें अंकों की अंधी दौड़ से बाहर निकलना होगा। बच्चों को खेलने दीजिए, सपने देखने दीजिए, असफल होने दीजिए और फिर उठकर आगे बढ़ने दीजिए। क्योंकि जीवन केवल परीक्षा परिणामों का नाम नहीं, बल्कि अनुभवों, संघर्षों, संवेदनाओं और रिश्तों का सुंदर संगम है।

शिक्षा व्यक्ति को केवल ज्ञान ही नहीं देती, बल्कि उसे जीवन जीने की समझ, सामाजिक चेतना और बेहतर भविष्य की दिशा भी प्रदान करती है। किंतु समय के साथ शिक्षा का स्वरूप बदलता गया और आज स्थिति यह हो गई है कि शिक्षा का अर्थ केवल अधिक अंक लाना और प्रतियोगिता में आगे निकलना भर रह गया है। बच्चों का मूल्यांकन उनके व्यक्तित्व, व्यवहार, रचनात्मकता या संवेदनशीलता से नहीं, बल्कि उनकी मार्कशीट के प्रतिशत से किया जाने लगा है। परिणामस्वरूप बचपन दबाव, तनाव और अपेक्षाओं के बोझ तले कराह रहा है। आज हर माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा कक्षा में प्रथम आए, सर्वोच्च अंक प्राप्त करे और समाज में प्रतिष्ठित पद हासिल करे। यह इच्छा स्वाभाविक है, क्योंकि हर अभिभावक अपने बच्चों का उज्ज्वल भविष्य चाहता है। समस्या तब शुरू होती है जब यह इच्छा अपेक्षा बन जाती है और अपेक्षा धीरे-धीरे दबाव में बदल जाती है।

देश | दुनीया से

परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता व जवाबदेही तय हो

हाल ही में नीट परीक्षा के पेपर लीक की घटना ने शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़ा कर दिया है। वर्षों से नीट, जेईई, यूपीएससी, एसएससी और विभिन्न राज्य स्तरीय भर्ती परीक्षाओं में बार-बार होने वाले पेपर लीक युवाओं के भविष्य के साथ निरंतर खिलवाड़ बन गए हैं। छात्र-छात्राएं रात-दिन की मेहनत, परिवार का आर्थिक बलिदान और कोचिंग संस्थानों पर खर्च के बावजूद एक संगठित गिरोह की वजह से अपनी मेहनत को व्यर्थ होते देखते हैं। पिछले पांच वर्षों में 15 राज्यों में 41 प्रमुख परीक्षाओं के पेपर लीक हो चुके हैं, जिनसे करीब 1.4 करोड़ युवा प्रभावित हुए। सात वर्षों की अवधि में यह संख्या 70 से अधिक पहुंच गई है और लगभग 1.7 करोड़ अभ्यर्थियों का भविष्य प्रभावित हुआ है। यह समस्या केवल व्यक्तिगत नुकसान नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र की प्रतिभा और मेरिट को कमजोर करने वाली है। जब चिकित्सा, इंजीनियरिंग और प्रशासनिक सेवाओं जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अयोग्य उम्मीदवारों का चयन होता है, तो समाज और देश दोनों को दीर्घकालिक क्षति पहुंचती है। युवा पीढ़ी में निराशा बढ़ती है, कई बार आत्महत्या जैसे कदम भी उठाए जाते हैं। कोचिंग माफिया, भ्रष्ट अधिकारी, प्रिंटिंग प्रेस के कर्मचारी और डिजिटल नेटवर्क मिलकर एक शक्तिशाली गिरोह का रूप ले चुके हैं। गरीब छात्र बिना संसाधनों के तैयारी करते हैं, जबकि साधन रखने वाले लीक पेपर खरीदकर सफलता हासिल कर लेते हैं। इससे सामाजिक असमानता बढ़ती है और मेरिट की जगह सिफारिश और पैसा हावी हो जाता है। परिणामस्वरूप सही प्रतिभा को अवसर नहीं मिल पाता। इस समस्या को समाप्त करने के लिए सशक्त और देश में एकसमान कानून की तत्काल जरूरत है। वर्तमान में लागू पब्लिक एग्जामिनेशंस एक्ट में तीन से दस वर्ष की जेल और जुर्माने का प्रावधान है, लेकिन इसका क्रियान्वयन कमजोर रहा है। नए कानून में परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े हर व्यक्ति—प्रश्न सेटर, प्रिंटर, परिवहनकर्ता और केंद्र अधीक्षक—की कड़ी सुरक्षा जांच, डिजिटल ट्रैकिंग और जवाबदेही तय होनी चाहिए। पेपर तैयार करने से लेकर वितरण

तक ब्लॉकचेन या एआई आधारित एन्क्रिप्शन प्रणाली अपनाई जाए। लीक कराने, खरीदने या मध्यस्थता करने वालों के लिए न्यूनतम दस वर्ष की जेल, संपत्ति जब्ती और आजीवन परीक्षा प्रतिबंध जैसी कठोर सजाएं हों। सीबीआई या विशेष एजेंसी को स्वतः संज्ञान लेने का अधिकार मिले और फास्ट-ट्रैक अदालतों में मुकदमों का निपटारा सुनिश्चित किया जाए। साथ ही व्हाट्सएप, टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म्स पर सख्त निगरानी और त्वरित कार्रवाई का प्रावधान होना चाहिए। विकसित देशों में पेपर लीक जैसी घटनाएं अत्यंत दुर्लभ हैं क्योंकि उनकी परीक्षा प्रणाली पारदर्शी, तकनीकी रूप से मजबूत और जवाबदेह है। अमेरिका में एसएटी, एसीटी और एमसीएटी जैसी परीक्षाएं स्वतंत्र संस्थाओं द्वारा आयोजित की जाती हैं। ये ज्यादातर कंप्यूटर आधारित होती हैं, जिसमें प्रश्न रैंडमाइज्ड होते हैं। चीटिंग को गंभीर नैतिक उल्लंघन माना जाता है, जिसके परिणामस्वरूप विश्वविद्यालय से निष्कासन या डिग्री रद्द हो सकती है। बड़े पैमाने के फ्रॉड में आपराधिक मुकदमा चलता है। यूरोपीय देशों जैसे फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन में भी स्थिति बेहतर है। फ्रांस में बैकलॉरिएट परीक्षा में चीटिंग पर तीन वर्ष तक की जेल हो सकती है। ब्रिटेन की कैम्ब्रिज और ऑक्सफोर्ड जैसी परीक्षाओं में लीक की घटनाएं लगभग नहीं होतीं। जापान, सिंगापुर और दक्षिण कोरिया में परीक्षा संस्कृति इतनी मजबूत है कि लीक की संभावना ही नहीं रहती। चीन में गाओकाओ परीक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा का विषय मानकर चीटिंग पर सात वर्ष तक जेल और अन्य परीक्षाओं पर प्रतिबंध लगाया जाता है। इन देशों में परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी, बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन, मेटल डिटेक्टर और रीयल-टाइम मॉनिटरिंग मानक हैं। मुख्य अंतर सिस्टम की मजबूती, भ्रष्टाचार नियंत्रण, तकनीकी उपयोग और सामाजिक मूल्यों में है, जहां मेरिट और कौशल को सर्वोच्च महत्व दिया जाता है। भारत में सुधार के लिए बहुआयामी रणनीति अपनानी होगी। पूरी परीक्षा प्रक्रिया को डिजिटल बनाया जाए, जिसमें प्रश्न बैंक से रैंडम प्रश्न चुने जाएं और हर छात्र को अलग सेट मिले। एनटीए जैसी संस्थाओं को स्वायत्त लेकिन सख्त जवाबदेही के दायरे में लाया जाए तथा स्वतंत्र बोर्ड द्वारा नियमित ऑडिट किया जाए। बड़े कोचिंग संस्थानों पर वित्तीय निगरानी और छापेमारी बढ़ाई जाए। स्कूल स्तर से नैतिक शिक्षा और जागरूकता अभियान चलाएं। भारत एक युवा राष्ट्र है। यदि इन युवाओं का परीक्षा प्रणाली पर विश्वास टूट गया तो देश की विकास क्षमता प्रभावित होगी। निष्पक्ष परीक्षाएं ही प्रतिभा को सही दिशा दे सकती हैं और कौशल-आधारित समाज का निर्माण कर सकती हैं। सरकार को राजनीतिक लाभ से ऊपर उठकर इस मुद्दे को प्राथमिकता देनी चाहिए। विपक्ष, मीडिया, शिक्षाविद् और समाज सभी को मिलकर इस लड़ाई में योगदान देना होगा। यदि हम अभी सशक्त कानून नहीं बनाते, तकनीकी सुरक्षा नहीं अपनाते और सख्त कार्रवाई नहीं करते, तो भारत के बच्चों के भविष्य के साथ यह खिलवाड़ जारी रहेगा। एक मजबूत भारत के निर्माण के लिए निष्पक्ष और विश्वसनीय परीक्षा प्रणाली अनिवार्य है। तभी आने वाली पीढ़ियां सपनों को मेहनत से हासिल करने का विश्वास रख सकेंगी और राष्ट्र प्रगति की राह पर तेजी से आगे बढ़ सकेगा।

आप का | नजरीया

दवा नहीं दिल में खोट

पिछले दिनों सामने आई वह खबर विचलित कर गई कि दिल और रक्तचाप नियंत्रण की दवाइयों में गुणवत्ता की गिरावट पायी गई है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन यानी सीडीएससीओ की ओर से मार्च माह के लिए जारी ड्रग अलर्ट में देश में बनी कई दवाइयों की क्वालिटी को लेकर सवाल उठे हैं। रिपोर्ट डराती है कि कुल 141 दवाओं के नमूने मानकों पर खरे नहीं उतरे हैं। इनमें शुगर, हार्ट, उच्च रक्तचाप, मिर्गी जैसे गंभीर रोगों का उपचार करने वाली दवाइयां भी शामिल हैं। इनमें इंजेक्शन व कफ सिरप भी शामिल हैं। कमोबेश यही स्थिति विटामिन व आयरन की गोलियों की भी रही। जिन राज्यों में उत्पादित घटिया दवाओं का खुलासा हुआ, उनमें हिमाचल प्रदेश पहले पायदान पर रहा, फिर उत्तराखंड, गुजरात, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, केरल, पुडुचेरी, तेलंगाना, सिक्किम, झारखंड, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, ओडिशा आदि राज्य शामिल हैं। यानी एक-दो राज्य नहीं, तमाम राज्यों के दवा उत्पादक इस अपवित्र कर्म में शामिल हैं। यूं कहें कि दाल में काला नहीं है बल्कि पूरी दाल काली है। विडंबना देखिए कि कफ सिरप के 17 नमूने फेल हुए हैं। अब यह साफ हो गया कि अफ्रीका व सेंट्रल एशिया के कुछ देशों तथा भारत के कुछ राज्यों में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के जो आरोप भारतीय दवा कंपनियों पर लगे थे, वे गलत नहीं थे, जिससे पूरी दुनिया में भारतीय दवा उद्योग की छवि खराब हुई। इतना ही नहीं, टूथपेस्ट, मेहंदी व साबुन के नमूने तक फेल हुए हैं। कह सकते हैं कि दवा के नाम पर दर्द देने का कारोबार देश के विभिन्न भागों में खूब फल-फूल रहा है, जो नियामक एजेंसियों की कारगुजारियों पर सवाल उठाता है। कह सकते हैं कि यह अब सिर्फ स्वास्थ्य का ही मुद्दा नहीं रहा, यह जिंदगियों से खिलवाड़ के साथ देश की अर्थव्यवस्था को भी चोट पहुंचाता है। निस्संदेह, घटिया दवाओं से किसी का बीमार होना एक व्यक्ति या परिवार की ही त्रासदी नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि कोई व्यक्ति सेहत सुधारने के लिए महंगी दवा का सेवन करे और उपचार के बाद और बीमार हो जाए। ये मरीज के विश्वास के साथ भी छल जैसा है। यह देश में सक्रिय खतरनाक तंत्र की ओर भी इशारा है जो पूरे देश में नकली व घटिया दवाओं के उत्पादन व आपूर्ति से जुड़ा है। वे चिकित्सक भी अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते जो ऐसी संदिग्ध दवाइयां मरीजों के उपचार के लिए लिखते हैं, जिनकी गुणवत्ता को लेकर शंका रहती है। कोरोना काल में हमने देखा था कि चंद रुपयों के लालच में घातक बीमारियों से ग्रस्त लोगों को नकली रेमडेसिविर के इंजेक्शन बेचे गए। कितना शर्मनाक है कि जानलेवा कैंसर की दवाइयों में घटिया व सस्ती एंटी-फंगल दवा मिलाकर बेची जा रही थी। गुरुग्राम में पिछले दिनों वजन घटाने वाले नकली इंजेक्शनों की बड़ी खेप बरामदगी हुई। देश में घातक दवाओं को बेचने वाला एक तंत्र सुनियोजित तरीके से काम कर रहा है। कोई मरे या जीए, उनकी बला से। उन्हें तो अपने मुनाफे से मतलब है। दरअसल, यह संकट एक राज्य का नहीं, पूरे देश के सामने मौजूद है। नियामक एजेंसियों की लापरवाही, कड़े कानूनों का अभाव व दोषियों को समय पर कड़ी सजा न मिलना इस अमानवीय धंधे के फलने-फूलने की वजह बन रहा है। निस्संदेह मानवता के खिलाफ होने वाले इस आपराधिक कृत्य में चिकित्सा तंत्र से जुड़े लोगों की भूमिका भी होगी। घटिया दवाओं का मिलना इस बात की ओर संकेत करता है कि व्यवस्था में शामिल काली भेड़ें इस अपवित्र कारोबार को प्रश्रय दे रही हैं।

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन यानी सीडीएससीओ की ओर से मार्च माह के लिए जारी ड्रग अलर्ट में देश में बनी कई दवाइयों की क्वालिटी को लेकर सवाल उठे हैं। रिपोर्ट डराती है कि कुल 141 दवाओं के नमूने मानकों पर खरे नहीं उतरे हैं। इनमें शुगर, हार्ट, उच्च रक्तचाप, मिर्गी जैसे गंभीर रोगों का उपचार करने वाली दवाइयां भी शामिल हैं। इनमें इंजेक्शन व कफ सिरप भी शामिल हैं। कमोबेश यही स्थिति विटामिन व आयरन की गोलियों की भी रही। जिन राज्यों में उत्पादित घटिया दवाओं का खुलासा हुआ, उनमें हिमाचल प्रदेश पहले पायदान पर रहा, फिर उत्तराखंड, गुजरात, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, केरल, पुडुचेरी, तेलंगाना, सिक्किम, झारखंड, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, ओडिशा आदि राज्य शामिल हैं। यानी एक-दो राज्य नहीं, तमाम राज्यों के दवा उत्पादक इस अपवित्र कर्म में शामिल हैं। यूं कहें कि दाल में काला नहीं है बल्कि पूरी दाल काली है। विडंबना देखिए कि कफ सिरप के 17 नमूने फेल हुए हैं। अब यह साफ हो गया कि अफ्रीका व सेंट्रल एशिया के कुछ देशों तथा भारत के कुछ राज्यों में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के जो आरोप भारतीय दवा कंपनियों पर लगे थे, वे गलत नहीं थे, जिससे पूरी दुनिया में भारतीय दवा उद्योग की छवि खराब हुई। इतना ही नहीं, टूथपेस्ट, मेहंदी व साबुन के नमूने तक फेल हुए हैं। कह सकते हैं कि दवा के नाम पर दर्द देने का कारोबार देश के विभिन्न भागों में खूब फल-फूल रहा है, जो नियामक एजेंसियों की कारगुजारियों पर सवाल उठाता है।

अमृत | कलश

विश्वास

शास्त्र से पढ़ लेते हैं आत्मा की बातें सुन लेते हैं परंपराओं से परमात्मा के विचार। और उन्हें सीख लेते हैं और इस भांति उनकी बातें करने लगते हैं जैसे हम जानते हों। जैसे हम जानते हों ऐसे उधार ज्ञान को हम एहसास करने लगते हैं कि हमारा अपना है। यह अंतिम धोखा है जो कोई आदमी अपने को देता है। पंडित इसी भांति अपने को धोखा दे लेता है। जो उसने नहीं जाना है जो उसने केवल सुना है और सीखा है जो उसने पढ़ा है और स्मरण कर लिया है उसे भी वह ज्ञान मान लेता है। हम सारे लोग यहां बैठे हैं। हममें से कोई ईश्वर को मानता होगा कोई आत्मा को मानता होगा कोई मोक्ष को मानता होगा; और हममें से कोई भी नहीं जानता इन बातों की सच्चाई लेकिन निरंतर इन बातों को दोहराते रहने से ऐसा भ्रम पैदा हो जाता है जैसे कि हम जानते हैं। और जब हम दूसरों को ये बातें समझाने लगते हैं और उनको ऐसा एहसास होता है उनकी आंखों में हमें ऐसा दिखाई पड़ता है कि उनकी बातें समझ में आ रही हैं। तो उनकी आंखों में ये झलक देख कर हमको खुद यह विश्वास आ जाता है कि हम जो बातें कह रहे हैं वे जरूर सच होंगी और हमने जानी होंगी। आज ही दोपहर में एक घटना कह रहा था। अमेरिका में एक आदमी ने सबसे पहले बैंक डाला। बाद में कोई चालीस वर्षों बाद जब वह बूढ़ा हो गया और उसकी कोई जयंती मनाई जा रही थी तो उसके एक मित्र ने उससे पूछा कि तुमने सबसे पहले बैंक किस तरह शुरू किया? उसने कहाः मैंने एक तख्ती बनवाई जिस पर मैंने लिख दिया 'बैंक' और उसे घर के सामने टांग दिया और मैं एक पेटी और किताबें लेकर बैठ गया।

दृष्टि | कोण

सौर शक्ति प्रदान करेगी हमें आर्थिक संप्रभुता

जब पश्चिम एशिया के आसमान में मिसाइलें उड़ती हैं, तो उसका असर हर घर के बिजली और पेट्रोल बिल पर पड़ता है। हालिया संकट ने भारत की इस कमजोरी को उजागर किया है। भारत कच्चे तेल का दुनिया भर में तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है; यह अपनी ज़रूरत का लगभग 89 प्रतिशत हिस्सा आयात करता है। यानी मोटे तौर पर हर साल 1.75 अरब बैरल, या हर दिन लगभग 4.8 मिलियन बैरल। इसका 60 प्रतिशत से ज़्यादा हिस्सा भू-राजनीतिक रूप से संवेदनशील 'स्ट्रेट ऑफ़ होर्मुज़' से होकर आता है। 2024-25 में, भारत का कच्चे तेल का आयात खर्च 137 अरब डॉलर रहा। यदि कीमतें मार्च माह की औसत दर 113.57 डॉलर पर बनी रहती हैं तो यह आयात मद बढ़कर लगभग 200 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। कच्चे तेल के एक बैरल की कीमत में दस डॉलर की बढ़ोतरी से हमारे आयात बिल में 14 से 16 अरब डॉलर की वृद्धि होती है। यह वह पैसा है जो कीमती विदेशी मुद्रा भंडार से खर्च किया जाता है। यह संशोधित किया गया तेल सामान ढोने वाले ट्रकों, खेतों में काम करने वाले ट्रैक्टरों में और उन मछली पकड़ने वाली नावों में भी इस्तेमाल होता है। यह उन डीज़ल जनरेटरों में इस्तेमाल होता है जो पूरे ग्रामीण भारत में दूरसंचार टॉवरों को चालू रखे हुए हैं। इस कमज़ोरी को कम करने का एक तरीका है सौर ऊर्जा। भारत की भौगोलिक स्थिति एक वरदान है, फलतः यहां साल के 300 से ज़्यादा दिन तेज़ धूप खिली रहती है। हालांकि, गर्मियों में प्रचंड ताप भरे कुछ दिन अभिशाप भी बन जाते हैं। हमने अभी-अभी अप्रैल माह का एक बेहद गर्म हफ़्ता गुज़ारा है। इस दौरान, धरती के बीस सबसे गर्म स्थानों में से उन्नीस भारत में थे। लेकिन यह ऊर्जा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक अवसर भी प्रदान करता है। भारत 'इंटरनेशनल सोलर अलायंस' का नेतृत्व करता है, जो 120 से ज़्यादा देशों का एक समूह है। वर्ष 2025 में, भारत ने 38 गीगावाट नई सौर क्षमता जोड़ी है, और इस मामले में 35 गीगा वाट वाले अमेरिका को पीछे छोड़ दिया। अब भारत की कुल स्थापित सौर क्षमता 150 गीगावाट से ज़्यादा हो

गई है, और सालाना सौर ऊर्जा उत्पादन 2013-14 के 3.4 टेरावाट-घंटे से बढ़कर 2024-25 में 144 टेरावाट-घंटे तक पहुंच गया है। अप्रैल की भीषण गर्मी ने जब पारा 40 डिग्री के पार पहुंचा दिया तो बिजली ग्रिड को अब तक की सबसे ज़्यादा मांग का सामना करना पड़ा यानी 256 गीगावाट। उस अहम दिन, अकेले सौर ऊर्जा से ही 81 गीगावाट बिजली बन रही थी। यह देश में कुल बिजली उत्पादन का एक-तिहाई हिस्सा था। ग्रिड फेल नहीं हुई। सौर ऊर्जा हमारे विदेशी मुद्रा भंडार को सुरक्षित रखने में भी मददगार है। तेल आयात पर हमारी निर्भरता में अगर सिर्फ़ 10 प्रतिशत की भी कमी आ जाए, तो तेल की कीमतों के आधार पर हर साल 13 से 20 अरब डॉलर तक की बचत हो सकती है। अगर सौर ऊर्जा से चलने वाली बिजली, डीज़ल जेनरेटरों की जगह ले लें; डीज़ल पंपों की जगह इलेक्ट्रिक पंपों का उपयोग होने लगे; और इलेक्ट्रिक वाहन, पेट्रोल और डीज़ल की मांग को कम कर दें तो इस तरह से हुई 10 करोड़ बैरल तेल की बचत से, विदेशी मुद्रा के रूप में हर साल 7.5 से 11 अरब डॉलर तक की बचत हो सकती है। दिलचस्प संभावना यह भी है कि भारत एक ऊर्जा निर्यातक देश बन सकता है। भारतीय तेल शोधन (रिफाइनिंग) क्षमता 258 मिलियन मीट्रिक टन है, जो पहले से ही इसकी घरेलू खपत (239 मिलियन मीट्रिक टन) से कहीं ज़्यादा है। साल 2025 में, भारत ने 64.7 मिलियन मीट्रिक टन शोधित पेट्रोलियम उत्पाद जैसे कि पेट्रोल, डीज़ल और एविएशन फ़्यूल का निर्यात किया, जिनकी कुल कीमत 52 अरब डॉलर से भी ज़्यादा थी; यह अपने आप में एक रिकॉर्ड है।

भाजपा का बूथ अध्यक्ष भी बन सकता है पार्टी अध्यक्ष, सीएम और पीएम : योगी आदित्यनाथ

गोरखपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अकेले भाजपा ही ऐसी पार्टी है जिसमें एक बूथ का अध्यक्ष भी एक समय पार्टी का प्रदेश और देश का अध्यक्ष भी बन सकता है। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री भी बन सकता है, यह केवल भारतीय जनता पार्टी में संभव है। कारण, यहां पर परिवार नहीं बल्कि पार्टी और कार्यकर्ता मायने रखता है। सीएम योगी रविवार को गोरखपुर के सहजनवा विधानसभा क्षेत्र स्थित तेनुआ टोल प्लाजा के समीप एक रिजॉर्ट में भाजपा के जिला प्रशिक्षण वर्ग के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 के अंतर्गत पार्टी की जिला इकाई की तरफ से आयोजित इस प्रशिक्षण वर्ग में शामिल प्रतिभागियों को *राष्ट्र प्रथम* के भाव से अनवरत आगे बढ़ते रहने को प्रेरित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज कांग्रेस, सपा, राजद, टीएमसी, डीएमके या ऐसे ही भ्रष्टाचार में डूबे अन्य दलों के आचरण को सम्मान नहीं देता है। भाजपा कार्यकर्ता को समाज में सम्मान इसलिए मिलता है कि इस पार्टी के कार्यकर्ता में राष्ट्रवाद और भारतीयता का आचरण मिलता। भाजपा का कार्यकर्ता पार्टी के संस्थापकों के मूल्यों और आदर्शों पर चलते हुए देश की

एकता और अखंडता के लिए शुचिता और पारदर्शिता से आचरण और तदनुरूप कार्य करता है। *भाजपा का इतिहास और विकास* विषय पर केंद्रित जिला प्रशिक्षण वर्ग के उद्घाटन सत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि स्थापना के 50 वर्ष से भी कम समय में भाजपा ने दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में केंद्र और देश के 22 राज्यों में राष्ट्रवाद की विचारधारा को लागू करने के अभियान को आगे बढ़ाया है। भाजपा देश ही नहीं दुनिया का एकमात्र राजनीतिक दल है जिसने हमेशा और मजबूती से यह घोषणा की है कि राष्ट्र प्रथम, दल द्वितीय और व्यक्ति का हित अंतिम होना चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि राष्ट्र प्रथम के भाव से पार्टी के संस्थापकों ने जो मूल्य, आदर्श और संस्कार दिए हैं, उन्हीं का अनुसरण करते हुए कार्यकर्ता जब राष्ट्रवाद की बात करते हैं तो देश ही नहीं दुनिया के भारतवंशियों के सामने पार्टी के रूप में सिर्फ भाजपा का ही चेहरा और कमल का फूल चुनाव निशान सामने होता है। सीएम योगी ने कहा कि 26 नवंबर 1949 को भारत का संविधान निर्मित हुआ और 26 जनवरी 1950 को भारत ने अपना संविधान अंगीकार किया। देश में संसदीय प्रणाली लागू हुई। पर, अभी पहला आम चुनाव भी नहीं हुआ कि कांग्रेस ने तुष्टिकरण के जिन कारणों से देश का विभाजन हुआ था, उसे ही फिर से भारत की राजनीति का हिस्सा बनाना प्रारंभ कर दिया। अभी संविधान ठीक ढंग से लागू होना प्रारंभ ही नहीं हुआ कि कांग्रेस ने तुष्टिकरण का खेल प्रारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के न चाहने के बावजूद कांग्रेस सरकार ने देश से विश्वासघात करते हुए कश्मीर में धारा 370 और परमिट सिस्टम लागू कर दिया। इसके खिलाफ सबसे पहले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने आवाज उठाई। उस समय उन्होंने कहा था कि एक देश मे दो विधान, दो प्रधान, दो निशान नहीं चलेंगे। जब सरकार नहीं मानी तो वे इस अनैतिक, भारत विरोधी, संविधान विरोधी कृत्य का विरोध करने कश्मीर गए। कश्मीर में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और विश्वासघात कर जेल में उनकी हत्या करवा दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि 6 अप्रैल 1980 को भारतीय जनता पार्टी का गठन अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में होता है। गठन के उपरांत 1985 के संसदीय चुनाव में भाजपा के मात्र दो सांसद जीते थे। आज देश ही नहीं दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में भाजपा का उदय दुनिया के अंदर कहीं और नहीं देखने को मिला है।

जनगणना में लापरवाह 24 कर्मचारियों पर होगी एफआईआर

एफआईआर के बाद भी काम नहीं करने पर कर्मचारी होंगे सस्पेंड

गुरुग्राम (हिंस)। जनगणना कार्य में लापरवाही करने वाले 24 कर्मचारियों पर एफआईआर दर्ज होगी। निगमायुक्त प्रदीप दहिया रविवार को एफआईआर दर्ज करने की शिकायत भेजी है। एफआईआर के बाद भी काम नहीं करने पर कर्मचारियों को सस्पेंड भी किया जाएगा। नगर निगम आयुक्त प्रदीप दहिया ने जनगणना कार्य में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों पर सख्त एक्शन के निर्देश दिए हैं। रविवार को हुई समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि एफआईआर दर्ज होने के बाद भी काम शुरू न करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ कोर्ट में कानूनी कार्रवाई होगी और उन्हें निलंबित भी किया जाएगा। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि नगर निगम ने 24 कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के लिए शिकायत भेजी थी। इनमें से कुछ कर्मचारियों ने अभी तक आवंटित क्षेत्र में जनगणना कार्य शुरू नहीं किया है। इस पर निगमायुक्त ने कड़ा रुख अपनाते हुए कार्रवाई तेज करने को कहा। निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने स्पष्ट कहा कि सोमवार तक सभी ब्लॉकों में जनगणना कार्य हर हाल में शुरू हो जाना चाहिए। सभी संयुक्त आयुक्तों को अपने क्षेत्रों का नियमित दौरा कर मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। जनगणना को समय पर पूरा करने के लिए निगमायुक्त ने आरडब्ल्यूए से भी सहयोग मांगा है। संयुक्त आयुक्तों को अपने क्षेत्रों में आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर सहयोग सुनिश्चित करने को कहा गया है। निगमायुक्त ने कहा कि जनगणना कार्य राष्ट्रीय महत्व का कार्य है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता स्वीकार नहीं की जाएगी। जो कर्मचारी कार्य नहीं करेंगे, उनके खिलाफ सख्त कानूनी और विभागीय कार्रवाई की जाएगी। बैठक में अतिरिक्त निगमायुक्त अंकिता चौधरी, रविन्द्र यादव, डॉ. जयवीर यादव व पूजा चांवरिया, जोनल टैक्सेशन अधिकारी पंकज कुमार, राजेश यादव व बीएस छोकर सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

राजस्थान की सीमा पर बसे हरियाणा के गांव जमाल में गंभीर पेयजल संकट

सिरसा (हिंस)। राजस्थान की सीमा पर बसे हरियाणा के गांव जमाल में पेयजल की कमी से त्राहि त्राहि मची हुई है। करीब 15 हजार की आबादी वाले इस गांव के जलघर की डिग्गियां खाली पड़ी हैं और ग्रामीण खरीद कर पानी पी रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि प्रति टैंकर के हिसाब से एक हजार रुपए से लेकर 1300 रुपए वसूले जा रहे हैं। टैंकरों का पानी दूषित है, जिससे बीमारियां फैलने का अंदेशा बना हुआ है। ग्रामीणों ने रविवार को बताया कि गांव जमाल के नजदीक नहरों में पानी नहीं है और टैंकर चालक 15 किलोमीटर दूर से पानी लेकर आ रहे हैं, जिससे वह किराया भी अधिक वसूल रहे हैं। राजस्थान की सीमा पर बसे हरियाणा के 15 हजार की आबादी और 20 वार्डों वाले गांव जमाल में पिछले 15 -20 दिनों से पेयजल किल्लत को लेकर ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण विक्रम शर्मा, देवीलाल, संदीप कुमार, अशोक कुमार आदि ने बताया कि गांव के जलघर में बनी चार डिग्गियां खाली पड़ी है, जिससे पानी सप्लाई नहीं हो पा रहा है। पिछले 15 दिनों से ग्रामीणों को पानी खरीद कर पीना पड़ रहा है। गांव में टैंकर चालक बड़ी राशि वसूल करते हैं और वह भी आसपास से गुजरने वाली नहरों से गंदा और दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। पिछले कई दिनों से नहरों में पानी नहीं पहुंचने के कारण जहां एक और फसलों की बिजाई नहीं हो रही है वहीं जलघर में पीने के पानी की समस्या विकराल बनी हुई है। गौरतलब है कि अगस्त 2023 में पेयजल संकट को लेकर गांव के दो ग्रामीण पानी की टंकी पर चढ़ गए थे। एक सप्ताह के बाद अधिकारियों द्वारा आश्वासन देने के बाद ग्रामीण टंकी से नीचे उतरे थे।

बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के छात्र फरदीन का *जागृति यात्रा 2026* में राष्ट्रीय स्तर पर चयन

बीकानेर (हिंस)। बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के साइबर सिक्योरिटी विभाग के छात्र फरदीन ने राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए प्रतिष्ठित जागृति यात्रा 2026 में स्थान बनाया है। देशभर से आए हजारों आवेदनों के बीच चयनित होकर फरदीन ने विश्वविद्यालय, राजस्थान और युवा उद्यमिता जगत का नाम रोशन किया है। बीटीयू के जनसंपर्क अधिकारी विक्रम राठौड़ ने बताया कि फरदीन वर्तमान में विश्वविद्यालय में कंप्यूटर साइंस एवं साइबर सिक्योरिटी शाखा के छात्र हैं। उन्होंने अपनी टीम और स्टार्टअप *ग्रीन टेक टाइटंस* के माध्यम से नवाचार, सामाजिक प्रभाव और तकनीकी समाधान पर कार्य किया है। गौरतलब है कि जागृति यात्रा देश की प्रसिद्ध राष्ट्रीय उद्यमिता ट्रेन यात्रा है, जिसमें चुनिंदा युवाओं को

सामाजिक नेतृत्व, स्टार्टअप, नवाचार और राष्ट्र निर्माण की दिशा में प्रेरित किया जाता है। यात्रा के दौरान प्रतिभागियों को देशभर के सफल उद्यमियों, सामाजिक संस्थाओं और प्रेरणादायक व्यक्तित्वों से जुड़ने का अवसर मिलता है। फरदीन की उपलब्धि पर विश्वविद्यालय परिवार और सामाजिक संगठनों ने प्रसन्नता व्यक्त की है। कुलगुरु अखिल रंजन गर्ग ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि छात्र की प्रतिभा और परिश्रम के साथ विश्वविद्यालय के नवाचारपूर्ण शैक्षणिक वातावरण की भी पहचान है। उन्होंने कहा कि ऐसे राष्ट्रीय मंच युवाओं के नेतृत्व, सामाजिक जागरूकता और उद्यमिता क्षमता को नई दिशा प्रदान करते हैं। प्राचार्य परबंत सिंह संधू ने विश्वास व्यक्त किया कि फरदीन यात्रा से प्राप्त अनुभवों और ज्ञान का उपयोग समाज एवं राष्ट्र निर्माण में करेंगे। वहीं मेंटर गायत्री शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों का नवाचार और सामाजिक विकास के क्षेत्र में आगे बढ़ना विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है। फरदीन ने कहा कि उनका उद्देश्य तकनीक और नवाचार के माध्यम से समाज एवं पर्यावरण से जुड़ी समस्याओं के समाधान विकसित करना है।

पर ड्राप मोर क्रॉप योजना के तहत सूक्ष्म सिंचाई को बढ़ावा, किसानों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

बीकानेर (हिंस)। बीकानेर जिले में जल उपलब्धता की कमी और सिंचाई दक्षता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राजस्थान सूक्ष्म सिंचाई मिशन की *पर ड्राप मोर क्रॉप* योजना के तहत सूक्ष्म सिंचाई कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। राज्य सरकार ने कृषि क्षेत्र में सिंचाई जल के दक्षतम उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए कार्यक्रम के विस्तार और प्रभावी क्रियान्वयन हेतु नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उद्यानिकी आयुक्त श्वेता चौहान द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के तहत सब्जी खेती और बागीचा स्थापना में उपयोग होने वाली ड्रिप सिंचाई, मिनी फव्वारा तथा फव्वारा संयंत्रों के लिए किसानों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। उद्यान विभाग के सहायक निदेशक मुकेश गहलोत ने बताया कि जिले की भौगोलिक, आर्थिक, सामाजिक और कृषि जलवायु परिस्थितियां ड्रिप एवं फव्वारा सिंचाई तकनीक के लिए अनुकूल हैं। उन्होंने बताया कि ड्रिप सिंचाई प्रणाली से 70 से 80 प्रतिशत तक जल की बचत संभव है, जबकि फव्वारा संयंत्र से 50 से 55 प्रतिशत तक जल बचाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि सूक्ष्म सिंचाई संयंत्रों की स्थापना पर लघु

एवं सीमांत कृषक, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिला कृषकों को इकाई लागत का 75 प्रतिशत तक तथा सामान्य श्रेणी के किसानों को 70 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाएगा। योजना के तहत न्यूनतम 0.2 हेक्टेयर और अधिकतम 5 हेक्टेयर क्षेत्र के लिए प्रति लाभार्थी अनुदान का प्रावधान किया गया है। उपनिदेशक उद्यान प्रेमाराम ने बताया कि इच्छुक किसान जन आधार के माध्यम से राज किसान साथी पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के साथ नवीनतम जमाबंदी, राजस्व रिकॉर्ड की प्रति, बिजली बिल अथवा जल करार प्रपत्र, मृदा एवं जल परीक्षण रिपोर्ट तथा पंजीकृत डीलर से प्राप्त प्रोफॉर्मा इन्वॉयस अपलोड करना आवश्यक होगा। उन्होंने बताया कि किसान योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए राज किसान सुविधा ऐप डाउनलोड कर सकते हैं अथवा संबंधित कृषि पर्यवेक्षक एवं सहायक कृषि अधिकारी (उद्यान) से संपर्क कर सकते हैं।

किसान समृद्ध होगा तभी भारत विकसित राष्ट्र बनेगा : कैलाश चौधरी

बीकानेर (हिंस)। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा किसान मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष कैलाश चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्पष्ट विजन है कि किसान समृद्ध और विकसित होगा तभी भारत विकसित राष्ट्र बनेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को आधुनिक बनाने और गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। भाजपा संभाग कार्यालय बीकानेर में आयोजित भाजपा किसान मोर्चा की महत्वपूर्ण बैठक को संबोधित करते हुए रविवार को चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना, प्राकृतिक खेती, सिंचाई योजनाओं और कृषि यंत्रीकरण जैसी अनेक योजनाओं से किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं को अब कृषि को केवल पारंपरिक व्यवसाय नहीं, बल्कि आधुनिक तकनीक और नवाचार से जुड़े रोजगार एवं उद्यम के रूप में देखना होगा। कृषि क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं और भाजपा सरकार किसानों को तकनीक, बाजार और संसाधनों से जोड़ने का कार्य कर रही है। चौधरी ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने कभी किसान हितों को प्राथमिकता नहीं दी, जबकि भाजपा सरकार किसानों के सम्मान और आर्थिक मजबूती के लिए निरंतर कार्य कर रही है। किसान मोर्चा शहर अध्यक्ष चंद्रमोहन जोशी और देहात अध्यक्ष भंवरलाल जांगिड़ की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में भाजपा बीकानेर देहात जिलाध्यक्ष श्याम पंचारिया ने कहा कि भाजपा किसान मोर्चा गांव-गांव जाकर केंद्र एवं राज्य सरकार की किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी किसानों तक पहुंचा रहा है।

गुरदासपुर में ग्रेनेड फेंकने के मामले में तीन गिरफ्तार, एक और ग्रेनेड बरामद

गिरफ्तार आरोपियों को अपने विदेशी हैंडलर से मिले थे दो हैंड ग्रेनेड

चंडीगढ़ (हिंस)। गुरदासपुर पुलिस ने काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए गुरदासपुर में एक दुकान के पास ग्रेनेड फेंकने के मामले में तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से एक और हैंड ग्रेनेड बरामद किया गया है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने रविवार को बताया कि जालंधर के गणेश नगर, रामा मंडी निवासी अमरजीत सिंह उर्फ बिल्ला, अमृतसर के गांव बोपाराय निवासी सतनाम सिंह और अमृतसर के तारापुर निवासी करणजीत सिंह उर्फ करण को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि 27 अप्रैल को गुरदासपुर के गीता भवन रोड पर स्थित एक दुकान के पास एक निष्क्रिय हैंड ग्रेनेड मिला था। बम स्क्वॉयड ने ग्रेनेड को निष्क्रिय कर दिया था, जिसके पुलिस ने उसे अपने कब्जे में ले लिया था। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि जांच के दौरान अमरजीत सिंह उर्फ बिल्ला के घर से एक और हैंड ग्रेनेड भी बरामद किया गया है। प्रारंभिक जांच से यह सामने आया है कि आरोपी एक विदेशी हैंडलर के निर्देशों पर काम कर रहे थे और उन्हें उसी हैंडलर के माध्यम से दो हैंड ग्रेनेड प्राप्त हुए थे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) गुरदासपुर आदित्य ने बताया कि घटना के तुरंत बाद विभिन्न पुलिस टीमों का गठन कर जांच शुरू की गई थी ।उन्होंने कहा कि सीसीटीवी फुटेज, खुफिया जानकारी और तकनीकी विश्लेषण की मदद से यह पता चला कि पल्सर मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्ध व्यक्तियों ने अशोका चिप्स के पास ग्रेनेड फेंका था। इसके आधार पर तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया। एसएसपी ने बताया कि इस मामले में विदेशी हैंडलरों और स्थानीय सहायता नेटवर्क की भूमिका सहित पूरे मॉड्यूल के आगे-पीछे के संबंधों की जांच जारी है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां तथा बरामदगियां होने की संभावना है।

समाज हित में किया गया प्रत्येक कार्य होता पुण्य का कार्य : मंत्री मनोहर लाल

पानीपत (हिंस)। केंद्रीय ऊर्जा, शहरी एवं आवास मंत्री मनोहर लाल ने रविवार को आर्य पीजी कॉलेज सभागार में सामाजिक संस्थाओं द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस कार्यक्रम में क्षेत्र की बेटियों के शैक्षणिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। केंद्रीय मंत्री ने 104 छात्राओं को पानीपत क्षेत्र में तथा 143 छात्राओं को समालखा क्षेत्र में साइकिल वितरित की। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से 1000 साइकिलों का वितरण करने की योजना बनाई गई है। इस कार्यक्रम में सिग्मा संस्था के अतुलनीय योगदान की प्रशंसा की। कैबिनेट मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि यह केवल साइकिल वितरण कार्यक्रम नहीं बल्कि बेटियों को आत्मनिर्भर और शिक्षित बनाने का अभियान है। जब समाज की संस्थाएं आगे आकर जरूरतमंद बच्चों और बेटियों के लिए कार्य करती हैं, तब समाज में संस्कार और संवेदनाएं मजबूत होती हैं। समाज हित में किया गया प्रत्येक कार्य पुण्य का कार्य होता है। उन्होंने स्कूली छात्राओं और अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि पढ़ेंगी बेटियां, तभी आगे बढ़ेंगी बेटियां। बेटियों की शिक्षा केवल परिवार नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र के भविष्य को मजबूत करती है। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद संजय भाटिया ने सामाजिक संस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि जब समाज और संस्थाएं मिलकर कार्य करती हैं, तब विकास की नई इबारत लिखी जाती है। उन्होंने कहा कि बेटियों को शिक्षा और सुविधाएं उपलब्ध कराना सबसे बड़ा सामाजिक निवेश है।

देश के सभी उद्यमी, व्यापारी संगठनों को एक साथ लाया जाएगा : स्वदेशी व्यापारी मंच

लखनऊ(हिंस)। स्वदेशी व्यापारी मंच की दूसरे दिन रविवार को आयोजित बैठक में निर्णय लिया गया कि देश के सभी उद्यमी, व्यापारी संगठनों को एक मंच पर लाया जाएगा। उनकी आवश्यकताओं और सुझावों का समाधान राज्य और केंद्र सरकार से इस मंच के माध्यम से कराया जाएगा। संगठन के ध्येय, वाक्य, राष्ट्रहित, व्यापार हित और व्यापारी हित को केंद्र में रखकर इस मंच की गतिविधि को आगे बढ़ाया जाएगा। भारतवासी आत्मनिर्भर बने चाइना और अमेरिका के ऊपर आधारित होने के बजाए स्वदेशी उद्योग और स्वदेशी व्यापार को बढ़ावा दें, इसके लिए व्यापारी को निर्यातक बनाया जाएगा। इसके लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाएंगे। राजधानी लखनऊ में दो सत्र में चली आज की बैठक को संबोधित करते हुए स्वदेशी व्यापारी मंच के सह संयोजक संदीप बंसल ने कहा कि अब व्यापारियों की समस्या के बजाए उसके समाधान पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा

कि यदि समस्त व्यापारी एकजुट होकर एक छत के नीचे अपनी बात को रखेंगे तो बात ज्यादा प्रभावी और असरदार होगी और उसकी सुनवाई भी उतनी ही तेजी से होगी, इसलिए सभी संगठन के प्रतिनिधियों को स्वदेशी व्यापारी मंच में आने का सम्मानजनक तरीके से खुला निमंत्रण है। महानगर अध्यक्ष सुरेश छाबलानी ने बताया कि आज की बैठक में प्रमुख रूप से संबोधन करने वालों में अखिल भारतीय पदाधिकारी कश्मीरी लाल, बालकृष्ण भरतिया, संदीप बंसल, अजय पटकी, राजकुमार मित्तल, राजीव कुमार सहित सभी पदाधिकारियों ने ऊर्जा बचाने का संकल्प लिया और करवाया। उपस्थित लगभग 18 राज्यों के प्रतिनिधियों ने अपने घर से प्रारंभ कर घर पर सोलर संयंत्र लगवाएंगे,ऊर्जा बचाएंगे, ऐसा संकल्प करवाया। बैठक में महाराष्ट्र से शंकर ठक्कर, हैदराबाद से मनोहर लाल अग्रवाल, दिल्ली से पूनम चौधरी, सुल्तानपुर से अमर बहादुर, हिमांशु मालवीय, मथुरा से संजय गर्ग, सीतापुर से भगवती गुप्ता, गुजरात से लक्ष्मण चौधरी, दिल्ली से देवेंद्र अग्रवाल, रायपुर छत्तीसगढ़ से अजय भसीन, अवध क्षेत्र के प्रभारी अमित सिंह, लखनऊ महानगर के अध्यक्ष सुरेश छबलानी, युवा महामंत्री शुभम मौर्या, सोशल मीडिया प्रभारी संजयनिधि अग्रवाल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

गौतम अडाणी ने सारण में 150 करोड़ रुपए की नेत्र स्वास्थ्य परियोजना की रखी आधारशिला, कहा-सेवा ही साधना है

पटना (हिंस)। अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी ने रविवार को बिहार में ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 150 करोड़ रुपए की बड़ी नेत्र स्वास्थ्य सेवा परियोजना की नींव रखी। *सेवा ही साधना है* के मूलमंत्र से प्रेरित इस पहल का उद्देश्य गांवों और दूरदराज इलाकों में सस्ती एवं बेहतर आंखों की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। बिहार के सारण जिले के मस्तीचक में आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान गौतम अडाणी ने देशभर में नेत्र स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार से जुड़े एक बड़े मिशन की भी घोषणा की। इस परियोजना के तहत हर वर्ष लगभग 3.3 लाख आंखों की सर्जरी की जा सकेगी, जबकि करीब 1,000 स्वास्थ्य पेशेवर को नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में प्रशिक्षण दिया जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह पहल दुनिया के सबसे बड़े ग्रामीण नेत्र चिकित्सा नेटवर्कों में शामिल हो सकती है। इस अवसर पर गौतम अडाणी ने कहा कि बिहार की पवित्र धरती मस्तीचक आकर उन्हें गर्व, आत्मीयता और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव हुआ। उन्होंने गायत्री परिवार, अखंड ज्योति परिवार और मृत्युंजय तिवारी के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि किसी व्यक्ति की आंखों की रोशनी

लौटाना केवल चिकित्सा नहीं, बल्कि उसके जीवन में उम्मीद, आत्मविश्वास और सम्मान वापस लौटाने जैसा पुण्य कार्य है। गौतम अडाणी ने कहा कि *सेवा ही साधना है* उनके लिए सिर्फ नारा नहीं, बल्कि करुणा को कर्म में बदलने की प्रेरणा है। बिहार सदैव देश को नई चेतना देने वाली भूमि रही है और यह पहल उसी सेवा भावना को आगे बढ़ाने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि अडाणी फाउंडेशन द्वारा अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल को 150 करोड़ रुपए की सहायता दी जाएगी। इस राशि से मस्तीचक में *अडाणी सेंटर फॉर आई* और *अडाणी ट्रेनिंग इन ऑप्थैल्मिक मेडिसिन* की स्थापना की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान 10 एंबुलेंस को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, ताकि बिहार और आसपास के दूरदराज गांवों तक नेत्र चिकित्सा सेवाएं पहुंचाई जा सकें। गौतम अडाणी ने इस परियोजना के दीर्घकालिक संचालन के लिए अतिरिक्त सहयोग देने की भी घोषणा की। मस्तीचक में हुए भूमि पूजन कार्यक्रम में गौतम अडाणी के साथ अडाणी फाउंडेशन की चेयरपर्सन डॉ. प्रीति अडाणी और अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी मृत्युंजय तिवारी उपस्थित रहे। मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि मैं गौतम अदाणी के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल पर विश्वास जताते हुए इस परिवर्तनकारी यात्रा में हमें सहभागी बनाया। यह साझेदारी केवल भवनों और संरचनाओं के निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत के अंतिम पंक्ति में खड़े वंचित एवं उपेक्षित लोगों के जीवन में दृष्टि, सम्मान, अवसर और आशा का संचार करने का एक साझा संकल्प है। हमें विश्वास है कि यह सहयोग आने वाले वर्षों में करोड़ों जीवनों पर दूरगामी प्रभाव उत्पन्न करेगा। इसके साथ ही अडाणी फाउंडेशन और अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल ने पीरपैंती में 200 बिस्तरों वाले अस्पताल की स्थापना की घोषणा भी की। यह अस्पताल बिहार के बड़े हिस्से तक सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में मदद करेगा। उल्लेखनीय है कि पीरपैंती में अडाणी समूह 2400 मेगावॉट का अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट भी स्थापित कर रहा है।

गूगल ला रहा अब एआई आधारित सुरक्षा तकनीक

नई दिल्ली

अपने बड़े इवेंट एंड्राएड शो 2026 में दिग्गज टेक कंपनी गूगल ने एंड्रायड यूजर्स के लिए कई नए सुरक्षा फीचर्स पेश किए हैं। गूगल कंपनी का कहना है कि आने वाले एंड्राएड 17 अपडेट के जरिए स्मार्टफोन पहले से कहीं ज्यादा सुरक्षित बनाए जाएंगे। पिछले कुछ वर्षों में आनलाइन फ्राड और डिजिटल स्कैम तेजी से बढ़े हैं।

फर्जी बैंक काल, ओटीपी फ्राड, स्क्रीन शेयरिंग स्कैम और नकली ऐप्स के जरिए साइबर अपराधी लोगों को निशाना बना रहे हैं। कई मामलों में ठग बैंक अधिकारी बनकर लोगों से यूपीआई पिन, ओटीपी और बैंकिंग जानकारी हासिल कर लेते हैं। इसी खतरे को कम करने के लिए गूगल अब एआई आधारित सुरक्षा तकनीक ला रहा है जो संदिग्ध काल्स और खतरनाक ऐप्स की पहचान कर सकेगी। कंपनी ने वेरीफाइड फाइनेंशियल काल्स नाम का नया फीचर पेश किया है। इसके तहत यदि किसी बैंक के नाम से काल आती है, तो फोन बैकग्राउंड में संबंधित बैंकिंग ऐप के जरिए जांच करेगा कि काल वास्तव में बैंक की ओर से की गई है या नहीं।

यदि सिस्टम को काल संदिग्ध लगेगी, तो एंड्रायड यूजर को चेतावनी दी जाएगी और जरूरत पड़ने पर काल अपने आप ब्लाक भी की जा सकती है। इसका मकसद कालर आईडी स्पूफिंग और फर्जी बैंक काल्स पर रोक लगाना है।

एंड्राएड 17 में एक और खास सुविधा यह होगी कि बैंक कुछ नंबरों को इनबाउंड-ओनली के रूप में मार्क कर सकेंगे। ऐसे नंबरों से केवल काल रिसीव की जा सकेगी, लेकिन आउटगोइंग काल संभव नहीं होगी। यदि कोई स्कैमर ऐसे नंबर से काल करने की कोशिश करेगा, तो सिस्टम उसे तुरंत संदिग्ध मानकर फ्लैग कर देगा। कंपनी ने लाइव थ्रेट डिटेक्शन सिस्टम को भी ज्यादा मजबूत बनाया है। यह फीचर फोन में इंस्टाल ऐप्स की गतिविधियों पर नजर रखेगा।

यदि कोई ऐप बिना अनुमति के सेटिंग बदलने, बैकग्राउंड में सक्रिय होने या खुद को छिपाने की कोशिश करेगा, तो यूजर को तुरंत अलर्ट मिलेगा। इससे फर्जी एपीके ऐप्स और मैलवेयर से सुरक्षा बेहतर होने की उम्मीद है। इसके अलावा एआई अब चैट और एसएमएस स्कैम पर भी नजर रखेगा। सिस्टम ऐसे मैसेज पहचानने की कोशिश करेगा जिनमें फर्जी लिंक, ओटीपी फ्राड या धोखाधड़ी से जुड़ी गतिविधियां हो सकती हैं। संदिग्ध मैसेज मिलने पर यूजर को चेतावनी दी जाएगी। फोन चोरी की घटनाओं को देखते हुए गूगल ने नए एंटी-थेफ्ट फीचर्स भी जोड़े हैं। मार्क ऐज लास्ट फीचर के जरिए यूजर चोरी हुए फोन को बायोमेट्रिक लाक से सुरक्षित कर सकेगा।

न्यूज ब्रीफ

भारत में रेनो डस्टर लगातार बना रही मजबूत पकड़

नई दिल्ली। भारतीय आटोमोबाइल बाजार में रेनो की नई जनरेशन डस्टर अपनी पकड़ लगातार मजबूत कर रही है। अप्रैल 2026 में, इस लोकप्रिय एसयूवी ने कंपनी की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार का खिताब अपने नाम कर लिया है और इसने लंबे समय से शीर्ष पर काबिज रही ट्राइबर को पीछे छोड़ दिया है। आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल में डस्टर की कुल 2359 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की गई, जो मार्च में बेची गई 1402 यूनिट्स की तुलना में 68 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि को दर्शाता है। यह वृद्धि रेनो डस्टर के प्रति ग्राहकों के बढ़ते रुझान और विश्वास को उजागर करती है। वहीं, दूसरी ओर, रेनो ट्राइबर की बिक्री में इसी अवधि में गिरावट देखने को मिली है, जो डस्टर के बढ़ते प्रभुत्व को और स्पष्ट करता है। नई डस्टर तीन आकर्षक इंजन विकल्पों के साथ उपलब्ध है, जिनमें टर्बो पेट्रोल और एक मजबूत हाइब्रिड वर्जन शामिल हैं। विशेष रूप से, हाइब्रिड माडल अपनी बेहतर ईंधन दक्षता और कम परिचालन खर्च के कारण उपभोक्ताओं के बीच खास चर्चा का विषय बना हुआ है। कार में 10.1 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, पूरी तरह से डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, एक विशाल पैनोरमिक सनरूफ, वायरलेस चार्जिंग और ड्यूल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल जैसे आधुनिक फीचर्स दिए गए हैं, जो इसे एक प्रीमियम अनुभव प्रदान करते हैं। सुरक्षा के मोर्चे पर भी डस्टर बेहद मजबूत है, इसमें 35 एडवांस सेफ्टी फीचर्स और आधुनिक ड्राइवर-असिस्टेंस सिस्टम (एडीएएस) तकनीक शामिल की गई है।

किआ सिरोस ईवी को अगस्त में लान्च करने की तैयारी

नई दिल्ली। अपनी नई और किफायती इलेक्ट्रिक एसयूवी, किआ सिरोस ईवी को किआ मोटर्स पेश करने की तैयारी में है। किआ सिरोस ईवी को इसी साल अगस्त महीने में लान्च किया जा सकता है। यह नई एसयूवी सीधे तौर पर बाजार में मौजूद टाटा नेक्सन ईवी और महिंद्रा एक्सयूवी 3एक्सओ ईवी जैसे स्थापित खिलाड़ियों को कड़ी चुनौती देगी। जानकारी के मुताबिक, सिरोस ईवी का डिजाइन काफी हद तक इसके पेट्रोल माडल जैसा ही रखा जाएगा, जिसमें एक बाक्सी स्टाइल, ऊंचा स्टांस और नए डिजाइन के अलाय व्हील देखने को मिल सकते हैं। हाल ही में टेस्टिंग के दौरान सामने आई तस्वीरों से संकेत मिले हैं कि इसमें चार्जिंग पोर्ट फ्रंट फेंडर पर स्थित होगा, जो इसे एक विशिष्ट पहचान देगा। इंटीरियर की बात करें तो, इसमें एक बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, ईवी-विशिष्ट डिस्प्ले जो बैटरी और रेंज की जानकारी देगा, और व्हीकल-टू-लोड (वी2एल) जैसी आधुनिक सुविधाएं मिलने की पूरी संभावना है। वी2एल तकनीक उपयोगकर्ताओं को अपनी गाड़ी की बैटरी से बाहरी उपकरणों को बिजली देने की सुविधा देती है। बताया जा रहा है कि यह इलेक्ट्रिक एसयूवी किआ के केआई1 प्लेटफार्म पर आधारित होगी, जो इसकी मजबूती और दक्षता सुनिश्चित करेगा। ग्राहकों को इसमें दो बैटरी पैक के विकल्प मिल सकते हैं: 42केडब्ल्यूएच और 49केडब्ल्यूएच। इसकी संभावित एक्स-शोरूम कीमत 15 लाख से 20 लाख रुपए के बीच हो सकती है, जो इसे भारतीय उपभोक्ताओं के लिए एक आकर्षक विकल्प बनाएगी।

फिर सबसे ज्यादा बिकने वाली एसयूवी बनीं टाटा पंच

नई दिल्ली। अप्रैल 2024 में टाटा पंच ने एक बार फिर कंपनी की सबसे ज्यादा बिकने वाली एसयूवी का खिताब अपने नाम कर लिया है। इस काम्पैक्ट एसयूवी ने अपनी प्रतिद्वंद्वी और कंपनी की एक और लोकप्रिय एसयूवी, टाटा नेक्सन को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया है। टाटा मोटर्स की हालिया बिक्री रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल महीने में टाटा पंच की कुल 19,107 यूनिट्स की बिक्री हुई, जबकि टाटा नेक्सन की 18,126 यूनिट्स बिकीं। यह प्रदर्शन टाटा मोटर्स की कुल बिक्री में सालाना आधार पर प्रभावशाली 31 प्रतिशत की वृद्धि में भी सहायक रहा है। टाटा पंच की इस लगातार सफलता के पीछे उसकी मजबूत सुरक्षा, आकर्षक डिजाइन और आधुनिक फीचर्स का अहम योगदान है, जिसने ग्राहकों को खूब लुभाया है। इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत करीब 5.65 लाख रुपए रखी गई है, जो इसे भारतीय ग्राहकों के लिए एक किफायती और वैल्यू-फार-मनी विकल्प बनाती है। नई पंच में 360 डिग्री कैमरा जैसी सुविधाएँ शामिल की गई हैं, जो पार्किंग और तंग जगहों पर गाड़ी चलाने को आसान बनाती हैं। इसके अलावा, इसमें एक बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस चार्जिंग और यात्रियों की सुरक्षा के लिए 6 एयरबैग जैसे उन्नत फीचर्स भी दिए गए हैं। सुरक्षा के मामले में भी पंच को बेहद मजबूत माना जाता है। इसे ग्लोबल एनकैप क्रैश टेस्ट में शानदार 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग मिल चुकी है, जो भारतीय सड़कों पर इसकी विश्वसनीयता को दर्शाती है।

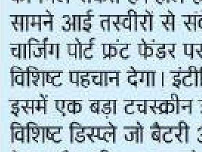

पेट्रोल-डीजल फिर 10 रुपए तक महंगा होने की आशंका

कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि का परिणाम

नई दिल्ली

देश में पेट्रोल और डीजल के दामों में एक बार फिर बड़ा उछाल देखने को मिल सकता है। रिपोर्ट्स के अनुसार तेल विपणन कंपनियों को हो रहे भारी नुकसान के चलते आने वाले दिनों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें 10-10 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ सकती हैं। हाल ही में सरकार द्वारा की गई 3-3 रुपये की बढ़ोतरी भी घाटे की भरपाई के लिए पर्याप्त नहीं साबित हुई है, जिससे आम जनता पर महंगाई का एक और बड़ा बोझ पड़ने की आशंका है। यह स्थिति कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि का सीधा परिणाम है।

इसी साल फरवरी के महीने में इंटरनेशनल मार्केट में क्रूड आयल का रेट 70 डालर प्रति बैरल था, जो यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से ही लगातार 100 डालर प्रति बैरल के पार बना हुआ है। इस ऊंची कीमत के कारण तेल कंपनियों को पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। रिपोर्ट्स बताती हैं कि कीमतों में हालिया वृद्धि से पहले, इन कंपनियों को रोजाना लगभग 1000 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा था। अगर यही स्थिति बनी रही, तो चालू तिमाही में आयल मार्केटिंग कंपनियों को 57000 करोड़ रुपये तक का भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। घाटे की भरपाई के लिए सरकार ने हाल ही में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 3-3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। हालांकि, तेल कंपनियों का घाटा इतना बड़ा है कि यह कदम भी नाकाफी साबित हुआ है। यही वजह है कि अब बड़े इजाफे की आशंका गहरा गई है। यह भी गौरतलब है कि सरकारी कंपनियों से बहुत पहले ही शेल इंडिया और नायरा एनर्जी जैसी निजी कंपनियों ने अपने ग्राहकों के लिए पिछले महीने ही पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ा दिए थे। ऐसे में आने वाले दिनों में ईंधन की कीमतों में बड़ी बढ़ोतरी आम जनता की जेब पर और भारी बोझ डालेगी, जिससे दैनिक उपभोग की वस्तुओं और परिवहन लागत में भी इजाफा हो सकता है।

ओपनएआई ने चैटजीपीटी मोबाइल ऐप में कोडेक्स फीचर लांच किया

मुंबई। ओपनएआई ने आईओएस और एंड्रायड उपयोगकर्ताओं के लिए अपने चैटजीपीटी मोबाइल एप में कोडेक्स नामक एक नया एआई कोडिंग सहायक इंटीग्रेट किया है। यह सुविधा डेवलपर्स को अब अपने स्मार्टफोन से ही कोडिंग से जुड़े कार्यों की दूर से निगरानी करने, उनका प्रबंधन करने और उन्हें मंजूरी देने में सक्षम बनाती है। यह फीचर फिलहाल प्रीव्यू मोड में है और चैटजीपीटी के फ्री और गो सहित सभी प्लान पर उपलब्ध है। इस एकीकरण से, उपयोगकर्ता अपने फोन को उन मशीनों से कनेक्ट कर सकते हैं, जो कोडेक्स चला रही हैं, जैसे लैपटाप, मैक मिनी और रिमोट सिस्टम, जिससे वे सीधे चैटजीपीटी ऐप पर प्रोजेक्ट से जुड़े लाइव अपडेट देख पाएंगे। ओपनएआई के अनुसार, इस मोबाइल अनुभव के तहत उपयोगकर्ता बिना डेस्कटाप सिस्टम पर लौटे आउटपुट की समीक्षा कर सकते हैं, कमांड को मंजूरी दे सकते हैं, एआई माडल बदल सकते हैं और नए कोडिंग टास्क शुरू कर सकते हैं। कंपनी ने बताया कि स्क्रीनशाट, टर्मिनल आउटपुट, टेस्ट परिणाम और मंजूरी जैसी वास्तविक समय की अपडेट मोबाइल ऐप में सिंक होती रहेगी, जबकि फाइलें, लागिन जानकारी और अनुमति संबंधी डेटा कनेक्टेड मशीन पर ही सुरक्षित रहेगा। वर्तमान में, प्रति सप्ताह 40 लाख से अधिक लोग कोडेक्स का उपयोग कर रहे हैं। ओपनएआई ने बताया कि रिमोट एसएसएच सपोर्ट और हुक्स अब सभी प्लान्स में सामान्य रूप से उपलब्ध हैं, जबकि एंटरप्राइज और बिजनेस यूजर्स के लिए प्रोग्रामेटिक एक्सेस टोकन भी पेश किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, स्वास्थ्य और एंटरप्राइज सेक्टर के लिए, पात्र चैटजीपीटी एंटरप्राइज वर्कस्पेस में स्थानीय सिस्टम पर कोडेक्स के उपयोग के लिए एचआईपीएए-अनुपालन सपोर्ट भी प्रदान किया जाएगा। कंपनी ने यह भी घोषणा की कि जल्द ही विंडोज सिस्टम पर चल रहे कोडेक्स को भी चैटजीपीटी मोबाइल ऐप से जोड़ने की सुविधा शुरू की जाएगी।

कई लोकप्रिय एसयूवी को हाइब्रिड तकनीक के साथ पेश करेगी महिंद्रा

नई दिल्ली

हाइब्रिड वाहनों की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए महिंद्रा एंड महिंद्रा ने एक महत्वाकांक्षी योजना तैयार की है। आने वाले समय में महिंद्रा कंपनी अपनी कई लोकप्रिय एसयूवी को हाइब्रिड तकनीक के साथ पेश करेगी। इस एसयूवी से ग्राहकों को बेहतर ईंधन दक्षता और लंबी ड्राइविंग रेंज का अनुभव मिलेगा। यह कदम उन्हें इलेक्ट्रिक वाहनों जैसी परफार्मेंस देगा, लेकिन चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी चिंताओं को कम करेगा।

रिपोर्ट्स के अनुसार, महिंद्रा सबसे पहले अपनी बहुप्रतीक्षित एक्सयूवी 7एक्सओ के स्ट्राना हाइब्रिड वर्जन पर काम कर रही है। इस माडल में एक पेट्रोल इंजन के साथ एक इलेक्ट्रिक मोटर और एक बैटरी पैक होगा, जिससे वाहन छोटी दूरी के लिए केवल बिजली पर चल सकेगा। यह शहरी ड्राइविंग के लिए अत्यंत कुशल साबित होगा।इसके अतिरिक्त, कंपनी महिंद्रा एक्सईवी 9ई और महिंद्रा बीई 6 जैसे भविष्य के माडलों को भी सीरीज हाइब्रिड तकनीक के साथ लाने की योजना बना रही है। सीरीज हाइब्रिड सिस्टम में इलेक्ट्रिक मोटर ही पहियों को चलाएगी, जबकि एक छोटा पेट्रोल इंजन केवल बैटरी को चार्ज करने का कार्य करेगा, जिससे यह एक तरह से रेंज-एक्सटेंडेड इलेक्ट्रिक वाहन का अनुभव देगा।

महिंद्रा अपने नए और आकर्षक विजन एस कान्सेप्ट को भी बाजार में स्ट्रान्ग हाइब्रिड विकल्प के साथ पेश कर सकती है। इस कान्सेप्ट को विशेष रूप से आफ-रोडिंग क्षमताओं और लंबी यात्राओं के लिए डिजाइन किया गया है, जो साहसिक यात्रियों को लक्षित करेगा। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि महिंद्रा का यह रणनीतिक कदम भारतीय बाजार में हाइब्रिड एसयूवी सेगमेंट को नई मजबूती प्रदान करेगा।

अंतर्राष्ट्रीय तनाव से रसोई तक पहुंचा महंगाई का असर, दूध हुआ महंगा

नई दिल्ली। भारत के हर घर की सुबह की शुरुआत करने वाले दूध की कीमतें एक बार फिर बढ़ गई हैं। अमूल और मदर डेयरी जैसी प्रमुख कंपनियों ने हाल ही में प्रति लीटर दो रुपये तक का इजाफा किया है, जिससे करोड़ों परिवारों का मासिक बजट प्रभावित हुआ है। आमतौर पर दूध की बढ़ती कीमतों के पीछे पशुओं के चारे या किसानों की लागत को वजह माना जाता है, लेकिन इस बार इसके पीछे अंतरराष्ट्रीय राजनीति और कच्चे तेल का बाजार बड़ा कारण बन रहा है। विशेषज्ञ इसे पश्चिम एशिया के बढ़ते तनाव का सीधा परिणाम मान रहे हैं, जो अब भारत की रसोई तक पहुंच चुका है। अर्थशास्त्रियों के अनुसार अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव भारत में महंगाई का एक नया कारण बन रहा है। इसकी सबसे बड़ी वजह स्ट्रेट आफ होर्मुज है, जिसे दुनिया का सबसे अहम तेल आपूर्ति मार्ग माना जाता है। वैश्विक स्तर पर करीब 20 प्रतिशत कच्चे तेल की सप्लाई इसी समुद्री रास्ते से गुजरती है। जैसे ही इस क्षेत्र में तनाव बढ़ता है, अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें तेजी से ऊपर जाने लगती हैं। भारत अपनी जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है, इसलिए वैश्विक तेल बाजार में उतार-चढ़ाव का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। भले ही पहली नजर में दूध और कच्चे तेल का संबंध न दिखे, लेकिन दूध की पूरी सप्लाई चेन इस पर निर्भर है।

एलपीजी सिलेंडर के दाम स्थिर, मार्च से नहीं बढ़े घरेलू भाव

दिल्ली में घरेलू सिलेंडर 913 रुपये पर बरकरार वाणिज्यिक सिलेंडर के दाम भी स्थिर

नई दिल्ली

तेल कंपनियों ने रविवार को घरेलू और वाणिज्यिक दोनों प्रकार के सिलेंडर के दामों में कोई बदलाव नहीं किया है। हालांकि घरेलू सिलेंडर के दाम मार्च 2024 से ही स्थिर बने हुए हैं, जब आखिरी बार 60 रुपये की बढ़ोतरी हुई थी। देश की राजधानी दिल्ली में घरेलू एलपीजी सिलेंडर अभी भी 913 रुपये में मिल रहा है। देशभर में उपभोक्ताओं को रविवार को एलपीजी सिलेंडर के मोर्चे पर कोई नया झटका नहीं लगा है। तेल कंपनियों द्वारा जारी की गई नई कीमतों में घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम अपरिवर्तित रहे। दिल्ली में जहां यह 913 रुपये में बिक रहा है, वहीं मुंबई में 912.50 रुपये, कोलकाता में 939 रुपये और चेन्नई में 928.50 रुपये का रेट बना हुआ है। मार्च 2024 के बाद से घरेलू सिलेंडर की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है, जब आखिरी बार 60 रुपये का इजाफा देखा गया था। वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर के दामों में भी कोई वृद्धि नहीं की गई है, जो फिलहाल दिल्ली में 3071.50 रुपये, मुंबई में 3024 रुपये और चेन्नई में 3237 रुपये में उपलब्ध है।

हालांकि, यहां गौर करने वाली बात यह है कि वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमतों में मार्च के महीने से अब तक 47 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। आखिरी बार मार्च में ही इसके दाम 993 रुपये बढ़ाए गए थे, जिसने व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर अतिरिक्त बोझ डाला है। एलपीजी की कीमतें भले ही स्थिर हों, लेकिन ऊर्जा बाजार में अन्य ईंधन की कीमतों में इजाफा देखा गया है। शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 3-3 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी, जो चार साल बाद हुआ पहला बड़ा बदलाव था। कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उछाल इसका प्रमुख कारण बताया जा रहा है, खासकर स्ट्रेट आफ होर्मुज में व्यवधान के कारण कच्चे तेल का रेट 70 डालर प्रति बैरल से बढ़कर 100 डालर प्रति बैरल तक पहुंच गया है। तेल कंपनियों को मौजूदा हालात में भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है, रिपोर्ट के अनुसार इस तिमाही में उन्हें 57,000 करोड़ रुपये से 58,000 करोड़ रुपये तक का नुकसान हो सकता है, जो भविष्य में ईंधन की कीमतों पर दबाव बनाए रख सकता है।

बदलती तस्वीर: टाटा मोटर्स ने कहा, ईवी जल्द होगी सबसे किफायती विकल्प

बैटरी लागत में गिरावट और कड़े उत्सर्जन मानदंड ईवी को बना रहे किफायती

नई दिल्ली

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड (टीएमपीवीएल) ने घोषणा की है कि इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की किफायत में तेजी से सुधार हो रहा है और यह अंततः पेट्रोल-डीजल (आईसीई) वाले वाहनों की तरह ही लाभदायक हो सकते हैं। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने वित्त वर्ष 2026 की अर्निंग्स काल के दौरान बताया कि यह रुझान मुख्य रूप से बैटरी और ईवी-सिस्टम की लागत में लगातार गिरावट के कारण है, जबकि आईसीई वाहनों पर नियामक लागत बढ़ रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बावजूद, कंपनी इलेक्ट्रिक वाहनों में पहले से ही मजबूत लाभ दर्ज कर रही है, जो आईसीई वाहनों के मुकाबले कोई खास कम नहीं है। उन्होंने विस्तार से बताया कि भविष्य के सख्त उत्सर्जन मानक आईसीई वाहनों के लागत ढांचे को और बढ़ाएंगे। इन कड़े नियमों का पालन करने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी और जटिल प्रणालियों की आवश्यकता होगी, जिससे पारंपरिक वाहनों का उत्पादन और महंगा हो जाएगा।

इसके विपरीत, ईवी की लागत समय के साथ तेजी से घट रही है। इसमें तकनीकी प्रगति और उत्पादन के पैमाने में वृद्धि के साथ बैटरी की लागत में निरंतर कमी, साथ ही स्थानीयकरण और कारोबार में इजाफा होने से मदद मिल रही है। उन्होंने कहा, लीथियम जैसी प्रमुख सामग्रियों की वैश्विक कीमतों में 2022 के उच्चतम स्तर से आई गिरावट ने भी पिछले दो वर्षों में ईवी बैटरी की लागत-दक्षता को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिससे ईवी की किफायत मध्य से लंबी अवधि में आईसीई के बराबर या उससे बेहतर बनी रहेगी।

कंपनी के प्रदर्शन के संदर्भ में वित्त वर्ष 2026 में टाटा मोटर्स की ईवी थोक बिक्री 92,000 वाहनों के आंकड़े को पार कर गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 43 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्शाती है। इस शानदार प्रदर्शन के साथ टाटा मोटर्स लगातार सातवें साल भारतीय ईवी बाजार में अपना दबदबा बनाए रखने में सफल रही, जिसकी बाजार भागीदारी लगभग 40 प्रतिशत रही। यह भी उल्लेखनीय है कि अब ईवी और सीएनजी वाहन मिलकर कंपनी की कुल यात्री वाहन बिक्री में 43 प्रतिशत का महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, जो भविष्य के लिए कंपनी की रणनीति और बाजार की बदलती प्राथमिकताओं को दर्शाता है।

अफगानिस्तान सीरीज के लिए ईशान किशन की हो सकती हैं वापसी, संजू सैमसन की जगह खतरे में

नई दिल्ली

आईपीएल 2026 के समापन के तुरंत बाद भारतीय क्रिकेट टीम अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट और तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी। भारत और अफगानिस्तान के बीच एकमात्र टेस्ट मैच 6 जून से न्यू चंडीगढ़ में शुरू होगा। इसके बाद 14 जून से वनडे सीरीज की शुरुआत होगी। पहला मुकाबला धर्मशाला में खेला जाएगा, दूसरा मैच 17 जून को लखनऊ में और तीसरा मुकाबला 20 जून को चेन्नई में आयोजित किया जाएगा। इस दौरे के लिए टीम चयन को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं और विकेटकीपर बल्लेबाजों की दौड़ सबसे ज्यादा चर्चा में बनी हुई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम मैदान पर उतरेगी, जबकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा सकता है। चयनकर्ताओं की पहली पसंद विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में केएल राहुल बताए जा रहे हैं। वहीं, बैकअप विकेटकीपर की भूमिका को लेकर बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। अब तक इस भूमिका में ऋषभ पंत को देखा जा रहा था, लेकिन खराब फार्म के कारण उनकी जगह ईशान किशन को मौका मिलने की संभावना जताई जा रही है।

ऐसे में टी20 विश्व कप 2026 में शानदार प्रदर्शन करने वाले और प्लेयर आफ द टूर्नामेंट बने संजू सैमसन के लिए टीम में जगह बनाना मुश्किल माना जा रहा है। आईपीएल 2026 में भी संजू सैमसन ने कई अहम पारियां खेली हैं और वनडे क्रिकेट में उनका रिकार्ड भी प्रभावशाली रहा है। इसके बावजूद चयनकर्ता उन्हें नजरअंदाज कर सकते हैं, जिससे क्रिकेट प्रशंसकों के बीच हैरानी देखी जा रही है। दूसरी ओर, ईशान किशन लंबे समय बाद वनडे टीम में वापसी करते नजर आ सकते हैं। उन्होंने अपना आखिरी वनडे मुकाबला दो साल पहले खेला था। हालांकि घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज और फिर टी20 विश्व कप टीम में मौका मिला। अब माना जा रहा है कि उसी प्रदर्शन का फायदा उन्हें वनडे टीम में भी मिलेगा। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 19 मई को अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट और वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा हो सकती है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने संभावित टेस्ट खिलाड़ियों को तैयारी शुरू करने के निर्देश भी दे दिए हैं।

न्यूज ब्रीफ

एलिना स्वितोलिना ने जीता इटैलियन ओपन का खिताब, फाइनल में कोको गाफ को हराया

रोम। सातवीं वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए विमेंस सिंगल्स फाइनल मुकाबले में कोको गाफ को दो घंटे तक चले मैच में 6-4, 6-7 (3), 6-2 से हराकर इटैलियन ओपन के खिताब को अपने नाम किया। दूसरी वरीयता प्राप्त एलेना रायबाकिना और सेमीफाइनल में इगा स्वियाटेक को हराकर फाइनल में पहुंचीं स्वितोलिना पिछले साल की रनर-अप गाफ के खिलाफ शुरुआत में दबाव में दिखाई दीं और पहले सेट में 2-4 से पीछे चल रही थीं। मैच का टर्निंग पाइंट आठवें गेम में आया, जब गाफ ने 40-0 की लीड बनाने के बाद दो बार डबल-फाल्ट किया, जिससे स्वितोलिना को ब्रेक बैक करने का मौका मिला। रिपोर्ट के मुताबिक, यूक्रेनी खिलाड़ी स्वितोलिना ने फिर नौवें गेम में तीन ब्रेक पाइंट बचाकर सर्व बनाई रखी और सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया। दूसरा सेट में स्वितोलिना और गाफ के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। गाफ ने 11वें गेम में अहम ब्रेक लिया, लेकिन जब वह सेट जीतने के लिए सर्व कर रही थीं, तब स्वितोलिना ने तुरंत वापसी करते हुए ब्रेक हासिल कर लिया और मुकाबला टाइब्रेक तक पहुंच गया। टाइब्रेक में गाफ ने शानदार खेल दिखाया और सेट को 7-3 से अपने नाम करते हुए मैच को बराबरी पर ला दिया। स्वितोलिना ने पांचवें और सातवें गेम में ब्रेक करके निर्णायक सेट में कंट्रोल वापस पा लिया। चैंपियनशिप के लिए सर्व करते हुए, उन्होंने बैकहैंड वाली लगाकर अपनी जीत पक्की करने से पहले तीन ब्रेक पाइंट बचाए।

आईपीएल में चिट सेलिब्रेशन का नया ट्रेंड, खिलाड़ियों की अनोखी जश्न शैली ने खींचा ध्यान

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में इन दिनों खिलाड़ियों के बीच एक नया और अनोखा जश्न मनाने का तरीका तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, जिसे फैंस चिट सेलिब्रेशन के नाम से जान रहे हैं। इस ट्रेंड में खिलाड़ी अर्धशतक, शतक या विकेट लेने के बाद अपनी जेब से एक छोटी पर्ची निकालते हैं और उसे कैमरों की ओर दिखाते हैं। शुरुआत में दर्शक इस संदेश को नहीं पढ़ पाते, लेकिन बाद में कैमरा क्लोजअप और सोशल मीडिया के जरिए इन चिट्स में लिखे संदेश वायरल हो जाते हैं। इस अनोखे अंदाज ने मैदान पर रोमांच के साथ-साथ नई चर्चा भी पैदा कर दी है। 15 मई को लखनऊ सुपर जायंट्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेले गए मुकाबले में भी यह ट्रेंड देखने को मिला। लखनऊ के गेंदबाज आकाश सिंह ने चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ को आउट करने के बाद पहली बार इस तरह का इशारा किया।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड प्रमुख के भारत आने की चर्चा, अहमदाबाद में बड़ी बैठक का न्योता

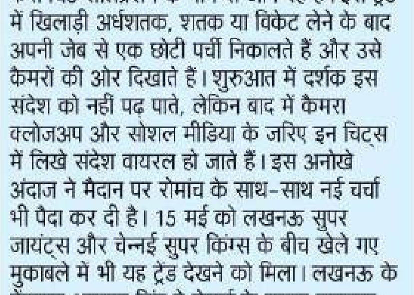

अहमदाबाद। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट जगत से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी इस महीने भारत दौरे पर आ सकते हैं। जानकारी के अनुसार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने उन्हें 30 और 31 मई को अहमदाबाद में होने वाली बोर्ड बैठक में शामिल होने का निमंत्रण भेजा है। खास बात यह है कि 31 मई को अहमदाबाद में ही इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का फाइनल मुकाबला भी प्रस्तावित है। ऐसे में अगर मोहसिन नकवी भारत आते हैं, तो उनके इस बड़े मुकाबले में शामिल होने की भी संभावना जताई जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, नकवी ने इस निमंत्रण को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को भेज दिया है। अंतिम निर्णय अब पाकिस्तान सरकार की मंजूरी के बाद लिया जाएगा। बताया जा रहा है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की यह बैठक पहले मार्च और अप्रैल में आयोजित होनी थी, लेकिन क्षेत्रीय तनाव और सुरक्षा कारणों के चलते कार्यक्रम को आगे बढ़ा दिया गया था। अब क्रिकेट जगत की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड प्रमुख भारत आकर इस अहम बैठक और संभवतः फाइनल मुकाबले का हिस्सा बनेंगे।

टी20 विश्व कप से पहले महाकाल की शरण में पहुंची भारतीय महिला टीम

उज्जैन

महिला टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत से पहले भारतीय महिला क्रिकेट टीम मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर पहुंची, जहां खिलाड़ियों ने भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया। टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में खिलाड़ियों ने भस्म आरती में हिस्सा लिया और आगामी विश्व कप में शानदार प्रदर्शन की कामना की। भारतीय टीम की कई खिलाड़ी अपने परिवार के साथ मंदिर पहुंचीं और पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। भारतीय महिला टीम की विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया ने बताया कि महाकाल मंदिर में आने से उन्हें मानसिक शांति मिलती है। उन्होंने कहा कि वह पिछले महीने भी बाबा महाकाल के दर्शन के लिए आई थी और भस्म आरती में शामिल होकर उन्हें काफी सुकून महसूस होता है। यास्तिका के अनुसार विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट से पहले सभी खिलाड़ी भगवान महाकाल का आशीर्वाद लेना चाहती थीं, ताकि टीम का अभियान सफल और यादगार रहे।

हरमनप्रीत कौर समेत खिलाड़ियों ने लिया आशीर्वाद

भारतीय क्रिकेट टीम और महाकाल मंदिर का विशेष संबंध पहले भी देखने को मिला है। इससे पहले वनडे विश्व कप का खिताब जीतने के बाद भी भारतीय टीम ने उज्जैन पहुंचकर बाबा महाकाल के दर्शन किए थे। अब महिला टीम भी विश्व कप से पहले इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए मंदिर पहुंची। महिला टी20 विश्व कप 2026 का आगाज 12 जून से होने जा रहा है। भारतीय टीम अपना पहला मुकाबला 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद टीम इंडिया 17 जून को नीदरलैंड का सामना करेगी। भारतीय टीम का तीसरा मुकाबला 21 जून को ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर दक्षिण अफ्रीका से होगा। वहीं 25 जून को भारत और बांग्लादेश के बीच मुकाबला खेला जाएगा। ग्रुप चरण के अपने अंतिम मैच में भारतीय टीम 28 जून को आस्ट्रेलिया से भिड़ेगी।

भारतीय महिला टीम इस बार टी20 विश्व कप में दमदार प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी। साल 2024 में खेले गए टी20 विश्व कप में टीम का प्रदर्शन उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा था और हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारत सेमीफाइनल तक भी नहीं पहुंच सका था। हालांकि पिछले कुछ समय में भारतीय टीम ने इस प्रारूप में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। इसी वर्ष भारतीय टीम ने आस्ट्रेलिया को उसकी सरजमीं पर टी20 सीरीज में हराकर बड़ा संदेश दिया था। हालांकि अप्रैल 2026 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में टीम इंडिया को 1-4 से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बावजूद टीम प्रबंधन और खिलाड़ियों को उम्मीद है कि विश्व कप में भारतीय टीम बेहतर प्रदर्शन करते हुए खिताब जीतने की प्रबल दावेदार साबित होगी।

चेन्नई सुपर किंग्स के लिए अब हर मुकाबला फाइनल जैसा - माइकल हसी

बल्लेबाजी कोच बोले- अभी उम्मीद बाकी है

लखनऊ

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स से मिली हार के बाद चेन्नई सुपर किंग्स की प्लेआफ की राह मुश्किल जरूर हो गई है, लेकिन टीम ने अभी उम्मीद नहीं छोड़ी है। चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी का कहना है कि अब टीम के लिए बचे हुए दोनों मुकाबले फाइनल जैसे हैं और खिलाड़ी इसी मानसिकता के साथ मैदान पर उतरेंगे।

उनका मानना है कि आईपीएल का यही रोमांच इसे दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग बनाता है। लखनऊ सुपर जायंट्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को सात विकेट से हराकर उसके समीकरण बिगाड़ दिए।

पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई ने निर्धारित 20 ओवर में 187 रन बनाए थे। टीम की ओर से कार्तिक शर्मा ने शानदार 71 रन की पारी खेली, जबकि शिवम दुबे और डेवाल्ड ब्रेविस ने भी उपयोगी योगदान दिया। इसके जवाब में लखनऊ ने मिचेल मार्श की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। मार्श ने सिर्फ 38 गेंदों में 90 रन ठोकते हुए मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। उनके अलावा जोश इंग्लिस और निकोलस पूरन ने भी तेज बल्लेबाजी की।

इस हार के बाद चेन्नई सुपर किंग्स के 12 मैचों में 12 अंक रह गए हैं। अब टीम को प्लेआफ में पहुंचने के लिए अपने बाकी दोनों मुकाबले जीतने होंगे। इसके साथ ही उसे अन्य टीमों के नतीजों पर भी निर्भर रहना पड़ेगा। माइकल हसी ने मैच के बाद कहा कि उन्होंने अंक तालिका का बहुत गहराई से अध्ययन नहीं किया है, लेकिन इतना साफ है कि शीर्ष चार स्थानों के लिए कई टीमें कड़ी टक्कर दे रही हैं। उन्होंने कहा कि टीम को फिलहाल सिर्फ अपने प्रदर्शन पर ध्यान देना चाहिए।

माइकल हसी ने कहा कि टूर्नामेंट के अंतिम चरण में दबाव काफी बढ़ जाता है और इसी दौरान कई अप्रत्याशित परिणाम भी सामने आते हैं। उनके मुताबिक आईपीएल की यही सबसे बड़ी खासियत है कि आखिरी समय तक अधिकतर टीमें प्लेआफ की दौड़ में बनी रहती हैं। उन्होंने कहा कि अभी भी चेन्नई सुपर किंग्स के पास मौका है और खिलाड़ी पूरी मेहनत के साथ आगे बढ़ेंगे।

पूर्व आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने आईपीएल की तारीफ करते हुए कहा कि यह दुनिया के सबसे बेहतरीन टूर्नामेंटों में से एक है। उन्होंने कहा कि केवल दो टीमें ही अब तक प्लेआफ की दौड़ से बाहर हुई हैं, जबकि बाकी सभी टीमों के पास अभी भी उम्मीद कायम है। चेन्नई सुपर किंग्स को अपने आखिरी दो लीग मुकाबलों में सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस का सामना करना है। इन दोनों मैचों में जीत ही टीम की प्लेआफ की उम्मीदों को जिंदा रख सकती है।

अल-नस्र की हार से टूटा रोनाल्डो का सपना

रियाद। सऊदी क्लब अल-नस्र और फुटबाल सुपरस्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो के लिए शनिवार की रात बेहद निराशाजनक साबित हुई। एएफसी चैंपियंस लीग टू के फाइनल में जापान के गाम्बा ओसाका ने अल-नस्र को 1-0 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। इस हार के बाद रोनाल्डो ने रनर-अप मेडल लेने से भी इनकार कर दिया, जिसकी चर्चा सोशल मीडिया पर तेजी से हो रही है। डेनिज हम्मत का गोल बना फर्क मुकाबले में अल-नस्र ने गेंद पर ज्यादा कब्जा रखा और लगातार अटैक किए, लेकिन टीम गोल करने में नाकाम रही। वहीं गाम्बा ओसाका ने मिले मौके का शानदार फायदा उठाया। मैच के 30वें मिनट में तुर्की फारवर्ड डेनीज हमात ने बाक्स के अंदर से शानदार लो शाट लगाकर टीम को बढ़त दिलाई। गोल के बाद लंबा वीएआर चेक हुआ, लेकिन आखिरकार गोल को मान्यता दे दी गई। हम्मत ने मैच के बाद कहा, मैं खुश हूं कि मैंने गोल किया और टीम की मदद कर सका। दूसरे हाफ में मैं काफी नर्वस था, लेकिन सबसे जरूरी बात यह है कि हमने जीत हासिल की। मुझे अपने साथियों पर गर्व है।

मैच फिक्सिंग के दौर में ऐसे संभाली थी टीम इंडिया सौरव गांगुली ने सुनाया मुश्किल दिनों का किस्सा

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट के इतिहास में साल 2000 को सबसे चुनौतीपूर्ण दौरों में गिना जाता है। उस समय क्रिकेट की दुनिया मैच फिक्सिंग के गंभीर आरोपों से घिरी हुई थी और खेल की विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे थे। प्रशंसकों का भरोसा टूट चुका था और भारतीय क्रिकेट मुश्किल दौर से गुजर रहा था। ऐसे समय में टीम इंडिया की कमान सौरव गांगुली के हाथों में आई। हाल ही में एक पाडकास्ट में गांगुली ने उस दौर की यादें साझा करते हुए बताया कि कैसे उन्होंने टीम को संभाला और भारतीय क्रिकेट को फिर से नई दिशा देने का प्रयास किया। सौरव गांगुली ने बताया कि जब उन्हें कप्तानी सौंपी गई, तब उनकी उम्र केवल 27 साल थी। देशभर में मैच फिक्सिंग को लेकर हंगामा मचा हुआ था, लेकिन उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि यह सब किस तरह होता है। उन्होंने खुलासा किया कि उस समय वह अपने सीनियर खिलाड़ियों से अक्सर पूछा करते थे कि क्या वास्तव में किसी खिलाड़ी को फिक्सिंग के लिए संपर्क किया जाता है।

गांगुली ने बताया कि उन्होंने सीधे सचिन तेंदुलकर से पूछा था कि क्या कभी किसी ने उन्हें इस तरह के काम के लिए संपर्क किया है। सचिन का जवाब साफ तौर पर नहीं था। इसके बाद उन्होंने अनिल कुंबले और राहुल द्रविड़ से भी यही सवाल किया और सभी ने ऐसी किसी घटना से इनकार किया। गांगुली ने कहा कि यह उनके लिए राहत की बात थी कि टीम के मुख्य खिलाड़ी इन विवादों से पूरी तरह दूर थे।

उन्होंने यह भी बताया कि कप्तानी संभालना उनके लिए आसान नहीं था, क्योंकि टीम में ऐसे दिग्गज खिलाड़ी मौजूद थे जिनकी कप्तानी में वह खुद खेल चुके थे। मोहम्मद अजहरुद्दीन और सचिन तेंदुलकर जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों के सामने पहली टीम मीटिंग लेने से पहले वह काफी घबराए हुए थे। उन्होंने अपनी पत्नी डोना से भी इस चिंता का जिक्र किया था कि वह इतने बड़े खिलाड़ियों को कैसे निर्देश देंगे।

गांगुली ने बताया कि कोच्चि में अपने पहले मैच से पहले उन्होंने टीम मीटिंग को केवल 15 मिनट में खत्म कर दिया ताकि माहौल सहज बना रहे। उनकी कप्तानी का असर जल्द ही मैदान पर दिखने लगा। भारत ने पहला मैच जीता और अगले मुकाबले में गांगुली ने खुद शतक जड़ा। यहीं से भारतीय क्रिकेट में दादा युग की शुरुआत मानी जाती है। गांगुली ने अपनी कप्तानी के दौरान कई युवा खिलाड़ियों को मौका दिया, जिनमें युवराज सिंह, मोहम्मद कैफ, हरभजन सिंह और वीरेंद्र सहवाग जैसे नाम शामिल रहे। उनके नेतृत्व में भारतीय टीम ने विदेशों में जीत दर्ज करना सीखा और 2003 विश्व कप फाइनल तक का सफर तय किया। क्रिकेट विशेषज्ञ मानते हैं कि गांगुली ने उस दौर में भारतीय क्रिकेट को नई पहचान और आत्मविश्वास दिया।

सुपरस्टार बनने के लिए प्रदर्शन जरूरी, गौतम गंभीर की सोच पर बोले राहुल द्रविड़

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने टीम इंडिया में सुपरस्टार कल्चर को लेकर मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। द्रविड़ का मानना है कि कोई भी खिलाड़ी बिना प्रदर्शन के सुपरस्टार नहीं बन सकता और भारत जैसे क्रिकेट प्रेमी देश में पहचान हासिल करने के लिए लगातार अच्छा खेल दिखाना जरूरी होता है।

दरअसल, टीम इंडिया के मुख्य कोच बनने के बाद गौतम गंभीर ने कहा था कि भारतीय टीम में व्यक्तिगत उपलब्धियों से ज्यादा टीम की जीत और ट्राफी को महत्व दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा था कि जब तक वह कोच हैं, तब तक टीम में सुपरस्टार संस्कृति को बढ़ावा नहीं दिया जाएगा।

अब एक पाडकास्ट में इस मुद्दे पर बात करते हुए राहुल द्रविड़ ने कहा कि हर खेल को अपने नायकों की जरूरत होती है। उनके अनुसार भारत में कोई भी खिलाड़ी सिर्फ लोकप्रियता के दम पर सुपरस्टार नहीं बनता, बल्कि उसके पीछे लगातार शानदार प्रदर्शन और टीम की सफलता में योगदान होता है। द्रविड़ ने कहा कि भारत जैसे देश में खिलाड़ियों पर काफी दबाव और निगरानी रहती है, इसलिए यहां स्टार खिलाड़ी बनने का मतलब है कि उस खिलाड़ी ने लंबे समय तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है। पूर्व कप्तान ने कहा कि भारतीय क्रिकेट टीम पिछले कई वर्षों से लगातार दुनिया की शीर्ष टीमों में शामिल रही है। उन्होंने बताया कि भले ही 2011 विश्व कप के बाद कुछ समय तक टीम ज्यादा आईसीसी ट्राफियां नहीं जीत सकी, लेकिन भारतीय टीम लगातार बड़े टूर्नामेंटों के सेमीफाइनल और फाइनल तक पहुंचती रही। उनके मुताबिक अब भारतीय क्रिकेट से लोगों की उम्मीदें काफी बढ़ चुकी हैं और हर मैच में टीम से जीत की अपेक्षा की जाती है।

राहुल द्रविड़ ने भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि भारत और उपमहाद्वीप के फैंस ने विश्व क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई है। उनके अनुसार भारतीय दर्शकों का खेल के प्रति जुनून और समर्थन क्रिकेट की सबसे बड़ी ताकतों में से एक है। द्रविड़ ने यह भी कहा कि मौजूदा भारतीय टीम की सफलता के पीछे वर्षों की मेहनत, बेहतर योजना, मजबूत ढांचा और संसाधनों का बड़ा योगदान है। उन्होंने माना कि भारतीय क्रिकेट ने पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह का विकास किया है, वह काफी सकारात्मक और प्रेरणादायक है।

कब लगती है लू?

गर्मी में सबसे बड़ी समस्या होती है लू लगना। अंग्रेजी भाषा में इसे हीट स्ट्रोक (Heat Stroke) और सनस्ट्रोक (Sun Stroke) भी कहते हैं। गर्मी में उच्च तापमान में ज्यादा देर तक रहने से या गर्म हवा के झोंकों से संपर्क में आने पर लू (Loo) लगने का डर अधिक होता है। गर्मी में शरीर के द्रव (Body Fluids) सूखने लगते हैं। शरीर से पानी और नमक की कमी होने पर लू लगने का खतरा ज्यादा रहता है। लू लगने पर शरीर में गर्मी, खुश्की और थकावट महसूस होती है। इसमें गर्मी के कारण होने वाली और कई मामूली बीमारियां भी शामिल होती हैं जैसे कि हीट एडेमा (शरीर का सूजना), हीट रैश, हीट क्रैम्प्स (शरीर में अकड़न) और हीट साइनकॉप (बेहोशी) आदि। चिकित्सक शरीर के तापमान को 105 डिग्री फारेनहाइट से अधिक रहने पर और शरीर के सेंट्रल नर्वस सिस्टम में जटिलताओं के पेश आने पर लू लगना (Heat Stroke) कहते हैं। गर्मी में अधिक शारीरिक गतिविधि करने पर, मोटे कपड़े पहनने पर, ज्यादा शराब पीने पर और कम पानी पीने पर लू लगने का खतरा सबसे ज्यादा मंडराता है।

अकेलेपन से हो सकती हैं दिल की बीमारियां

हम में से कई लोग कई बार अकेलापन महसूस करते हैं। लेकिन लंबे समय तक अकेलापन और सामाजिक रूप से अलग-थलग रहने से दिल की बीमारियों और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। शोधकर्ताओं के एक दल ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि अकेलापन और सामाजिक रूप से अलग-थलग रहने से दिल की बीमारी का खतरा 29 फीसदी और स्ट्रोक का खतरा 32 फीसदी बढ़ जाता है।

अच्छी सेहत के लिए ऐसे खाएं फल

आपने अक्सर लोगों को कहते सुना होगा कि फल खाने से सेहत दुरस्त रहती है और चेहरे पर रंगत बनी रहती है। लेकिन क्या आपको पता है कि फलों को एक खास तरीके से खाना चाहिए। आइए जानें क्या है वह खास तरीका।

जूस नहीं खाएं पूरा फल

अक्सर देखा जाता है कि लोग फलों को खाने की बजाए उनका जूस पीकर अपनी सेहत सुधारना चाहते हैं। अगर आप भी ऐसा ही करते हैं तो यकीन मानिए कि ऐसा करने से आप अपना बड़ा नुकसान कर रहे हैं। फलों को दांत से खाकर आपके जबड़े की एक्सरसाइज होती है। फलों के गूदे में मौजूद फाइबर से आपका पाचन तंत्र ज्यादा बेहतर तरीके से काम करता है। उन फलों को चुनें जिनमें पोटेशियम की मात्रा ज्यादा हो। मसलन केले, बेर, आड़ू, खुबानी, खरबूजे, तरबूज और संतरे में पोटेशियम की मात्रा ज्यादा होती है।

सजाएं फलों की टोकरी

आपको यह सुनने में भले ही अजीब लग सकता है लेकिन आपको अपनी डाईनिंग टेबल या फ्रिज में फलों की एक टोकरी रखनी चाहिए। इससे आप दिन में कई बार फलों का सेवन कर पाएंगे। क्योंकि फलों को पैक करके रखने से आप फल खाने के लिए विशेष मौके का इंतजार करेंगे। लेकिन बार-बार नजरों के सामने आते हुए टोकरी में रखे हुए फल आप आसानी से खा पाएंगे।

खाने में कैसे शामिल करें फल

सुबह के नाश्ते में आप केले और आडु शामिल कर सकते हैं। इसके अलावा पेनकेक्स में ब्लूबैरी को मिला सकते हैं। इसके अलावा सलाद में अन्नास मिला सकते हैं। सलाद में मेंडेरिन संतरे और अंगूरों को भी शामिल किया जा सकता है। इसके अलावा नाश्ते में आप ड्राई फ्रूट्स भी ट्राई कर सकते हैं।

नींबू, सेहत व सौंदर्य के लिए

चाहे कोई भी मौसम हो, नींबू एक ऐसा फल है जो हर घर में हर समय मिलता है। यह केवल खाने का स्वाद ही नहीं बढ़ाता बल्कि इसमें कई औषध गुण भी मौजूद हैं तो कई सुंदर साधन भी है। विटामिन सी पर्याप्त मात्रा में होता है और पोटेशियम घुलनशील, जिसके चलते ज्यादा मात्रा में इसका सेवन भी नुकसानदायक नहीं होता। विटामिन सी से भरपूर नींबू शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का अहसास होने लगता है। नींबू के कुछ ब्यूटी टिप्स और कुछ औषधी गुण आपकी जानकारी के लिए प्रस्तुत है।

हैल्थ टिप्स

- बदहजमी होने पर नींबू काटकर उसकी फांक या छोटे टुकड़े में काला नमक लगाकर चूसने से आराम आता है।
- अक्सर चक्कर आ रहे हों या उल्टी आ रही हों तो नींबू के टुकड़े पर काला नमक, काली मिर्च लगाकर खाने से चक्कर आने बंद हो जाते हैं और उल्टी भी बंद हो जाती है।
- जिनको भूख कम लगती है और पेट दर्द की शिकायत रहती है उनको नींबू की फांक में काला या सेंधा नमक लगाकर उसको तवे पर गर्म करके चूसने से ना केवल दर्द में आराम मिलता है बल्कि भूख भी खुलकर लगती है।
- बरतन साफ करने से हाथों की दरारें मैली हो जाती हैं। नींबू के छिलकों को रगड-रगड कर साफ करने से आपके हाथ ही नहीं नाखून तक साफ हो जाएंगे। इन छिलको से कुहनियों का कालापन भी दूर हो जाता है।
- चेहरा जल जाने पर यदि चेहरे पर काले दाग

पड़ गए हों तो एक टमाटर के गूदे में नींबू के रस की कुछ बूंदें मिलाकर सुबह-शाम लगाएं और थोड़ी देर बाद धो लें।
- नारियल के तेल में नींबू का रस मिलाकर रात में सिर में हल्के हाथ से लगाएं, हफ्ते में कम से कम 2-3 दिन तक मालिश करें। बालों की खुश्की दूर हो जाती है।
- यदि मालिश ना भी करें तो सिर धोने के पानी में दो नींबू निचोड़कर एक हफ्ता लगातार प्रयोग करने से बाल मुलायम होते हैं, उनका झड़ना कम होता है और खुश्की या रूसी भी कम होती है।
- सुबह स्नान करने से पहले नींबू के छिलकों को चेहरे पर धीरे-धीरे मलकर 2-3 मिनट बाद चेहरे को पानी से धो लें। इसे 10 -15 दिन लगाता करने से चेहरे का रंग साफ हो जाता है। यह बाजार में मिलने वाले किसी ब्लीचिंग क्रीम या ब्यूटी पालर में कराए जाने वाले ब्लीच का काम करेगा।
- नींबू का रस और गुलाब जल मिलाकर चेहरे पर लगाएं, कुछ दिनों के लगातार प्रयोग से चेहरा बेदाग और स्किन कोमल व स्वच्छ हो जाती है।
- नींब और तुलसी की पत्तियों का रस समान मात्रा में मिलाकर किसी कांच के बर्तन में रख लें और दिन में कम से कम दो बार हल्के हाथ से चेहरे पर लगाएं। कुछ दिन के लगाकर इस्तेमाल से चेहरे पर झाइयां या किसी भी प्रकार के निशान मिट जाते हैं।
- चेहरा जल जाने पर यदि चेहरे पर काले दाग पड़ गए हों तो एक टमाटर के गूदे में नींबू के रस की कुछ बूंदें मिलाकर सुबह-शाम लगाएं और थोड़ी देर बाद धो लें।

जानिए कितनी लाभकारी है फिटकरी?

कई सालो से हमारे घरों में फिटकरी का प्रयोग होता आ रहा है। गलत ना होगा कि फिटकरी कई सारे औषधीय गुणों की खदान हैं। यह एंटीबैक्टीरियल होती है, जिसे हर घर में प्रयोग किया जाता है। फिटकरी दो प्रकार की होती है लाल व सफेद। अमूमन घरों में हमेशा सफेद फिटकरी का प्रयोग किया जाता है।

- फिटकरी को चोट या घाव लगने पर प्रयोग करें। फिटकरी का पानी लगाने से घाव से खून बहना बंद हो जाएगा। आपके इसका चूर्ण बना कर भी प्रयोग कर सकते हैं।
- एंटीबैक्टीरियल और एस्ट्रिजेंट तत्व होने की वजह से यह दंत रोग को दूर कर सकती है। यह माउथवॉश की तरह भी प्रयोग की जा

सकती है।
- फिटकरी को नहाने के पानी में घोल कर प्रयोग करने से खुजली और शरीर से बदबू आना बंद होती है।
- चेहरे से झुर्रियों को मिटाने के लिए चेहरे को धो लें। फिर फिटकरी को ठंडे पानी से गीला कर के चेहरे के आस पास हल्के रगड़ें। अब इसे सूख जाने दें और फिर इसे हाथों से छुड़ा कर साफ कर लें। कुछ महीनों के प्रयोग के बाद आपका चेहरा चमकदार और यंग बन जाएगा।
- दमा और खांसी है तो, आधा ग्राम फिटकरी को पीस कर शहद के साथ मिक्स कर के चाट लें, आपको तुरंत लाभ होगा।
- यूरीन इंफेक्शन हो जाने पर भी फिटकरी का इस्तेमाल करना बहुत फायदेमंद होता है। प्रतिदिन फिटकरी के पानी से प्राइवेट पार्ट की सफाई करने से इंफेक्शन का खतरा दूर हो जाता है। इसके अलावा पानी में घुलनशील अशुद्धि को दूर करने के लिए भी फिटकरी का इस्तेमाल किया जाता है।

कटहल खाने से ठीक हो जाती है ये बीमारियां

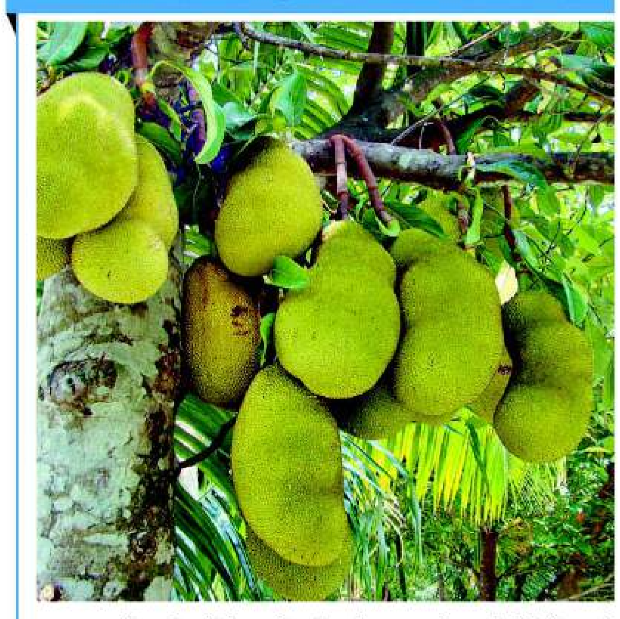

फल और सब्जियों के हमारे शरीर को बहुत सारे फायदे होते हैं। इनसे हमें बहुत सारे पोषक तत्व मिलते हैं। कटहल के भी बहुत सारे फायदे होते हैं। इसकी मसालेदार सब्जी किसी के मुंह में भी पानी भर देती है। कटहल का इस्तेमाल केवल सब्जी बनाने में ही नहीं बल्कि अचार, पकौड़े और कोफ्ता बनाने में भी किया जाता है।

कटहल में ढ़ेरों ऐसे तत्व होते हैं जो शरीर की कई आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। इसमें विटामिन ए, विटामिन सी, थायमीन, पोटैशियम, कैल्शियम, आयरन और जिंक प्रचुर मात्रा में होता है। इन सबके अलावा इसमें भरपूर फाइबर होता है। अच्छी बात ये है कि इसमें कैलोरी नहीं होती है। ऐसे में ये हार्ट से जुड़ी कई बीमारियों में भी फायदेमंद है।

- कटहल में पाया जाने वाला पोटैशियम हार्ट से जुड़ी बीमारियों से सुरक्षित रखता है। उच्च रक्तचाप के मरीजों के लिए ये बहुत ही फायदेमंद है।
- कटहल में आयरन की भरपूर मात्रा होती है जिसकी वजह से एनीमिया से बचाव होता है। इसके साथ ब्लड सर्कुलेशन भी नियंत्रित रहता है।
- अस्थमा के इलाज में भी ये एक कारगर औषधि की तरह काम करता है। कच्चे कटहल को पानी में उबालकर छान लें। जब ये पानी ठंडा हो जाए तो इसे पी लें। नियमित रूप से ऐसा करने से अस्थमा की समस्या में फायदा होता है।
- इसमें पाए जाने वाले कई खनिज हार्मोन्स को भी नियंत्रित करते हैं।
- कटहल में मैग्नीशियम भी भरपूर होता है, जिसकी वजह से हड्डियां भी स्वस्थ और मजबूत रहती हैं।
- कटहल में पाए जाने वाले विटामिन सी की वजह से रोग प्रतिरोधक क्षमता अच्छी बनी रहती है।
- कटहल का सबसे बड़ा फायदा ये है कि इसमें भरपूर रेशे होते हैं जो पाचन क्रिया को बेहतर बनाए रखते हैं।

एप के जरिए रख पाएंगे आदतों पर नजर

मधुमेह से लड़ने में मदद करेगा मोबाइल एप

शोधकर्ताओं ने ऐसी मोबाइल एप तैयार की है जो मधुमेह से लड़ने में मदद करेगी। इस एप के जरिए लोग अपने खाने-पीने की आदतों और कसरत आदि पर नजर रख पाएंगे। इस एप में मधुमेह से बचने के तरीकों के बारे में जानकारी दी जाएगी। न्यूयार्क पोस्ट की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। शोधकर्ताओं का कहना है कि आधुनिक जीवनशैली के कारण मौजूदा समय में मधुमेह का खतरा बढ़ता जा रहा है, ऐसे में यह एप इस बीमारी से बचाव में काफी मददगार साबित हो सकती है।

हाथों पर भी पड़ता है बीमारियों का असर

कहते हैं कि हथेली देखकर भविष्य जाना जा सकता है, पर हालिया शोध में पाया गया है कि हथेली से किसी की सेहत का हाल भी जाना जा सकता है, क्योंकि कई तरह की बीमारियों का असर हाथ पर भी पड़ता है। हथेली से 8 रोगों के लक्षणों के बारे में जाना जा सकता है। अगर हथेलियां गहरे लाल रंग की हो जाए तो उसे चिकित्सकीय भाषा में पाल्मर इर्थीमिया कहा जाता है। यह लिवर की बीमारी का एक संकेत है। इससे फैटी लिवर या जिगर की सिसोसिस जैसी बीमारियां हो सकती हैं। गर्भवती महिलाओं को इससे डरने की जरूरत नहीं है क्योंकि यह रक्त प्रवाह की वजह से होता है। मधुमेह होने पर नसें और रक्त नलियां कमजोर हो जाती हैं। इससे आंतरिक रक्तस्राव और हैमरेज हो जाता है, जिससे हाथों पर लाल रंग के चकत्ते दिखने लगते हैं।

रक्त संक्रमण या दिल की बीमारी के संकेत

भूरी या नीले रंग की उंगलियां खराब रक्तप्रवाह की निशानी है। इस बीमारी के कारण उंगली सुन्न भी हो सकती है। अगर उंगलियां मोटी होकर गोल रूप ले लें और बाहर की ओर मुड़ जाएं तो इस हालत को फेफड़ों या दिल की बीमारियों का संकेत समझा जा सकता है। नाखूनों के नीचे की त्वचा लाल हो जाए तो इसे स्पिलिंटर हैमरेज कहते हैं।

दुनिया के खूबसूरत स्विमिंग पूल

पूल में नहाने के शौकीन हैं और अभी तक दुनिया के सबसे खूबसूरत स्विमिंग पूल के बारे में नहीं जानते। तो जानिए कौन से हैं वो पूल।

मरीना बे सिंगापुर

सैंड्स होटल, सिंगापुर की इमारत 57 मंजिला है। इतनी ऊंची इमारत में 500 फीट बड़ा ये स्विमिंग पूल अपने आप में एक आश्चर्य है। यहां से सिंगापुर का विहंगम दृश्य देखने को मिलता है।

कतिकीज होटल

सैंटोरिनी, ग्रीस में मौजूद ठंडे पानी के इस पूल का आनंद वहीं जानता है जिसने इसे महसूस किया है। यहां सन बाथ और खुली हवा में स्पा भी लिया जा सकता है। इस पूल से दिखने वाला दृश्य जादुई है।

होटल करुसो

रैवेल्लो, इटली में अल्फामी तट की चोटी पर बने इस होटल में मौजूद स्विमिंग पूल गजब का सुंदर है। यह गर्म पानी का पूल है, जहां से इटली का नजारा देखते ही बनता है। इसमें तैराकी का एहसास ऐसा है कि आप आसामान और समुद्र के बीच में मौजूद हों।

कैम्बिरियन स्विटजरलैंड

ऐडलबोडेन, स्विटजरलैंड में बर्फीली पहाड़ियों के बीच मौजूद इस पूल में गर्म पानी है। तैराकी करते वक्त यहां से दिखने वाले नजारे की कोई तुलना नहीं की जा सकती। सर्दियां हो या गर्मियां यहां मौजूद पहाड़ियों पर हमेशा बर्फ की चादर लिपटी रहती है। एक बार इसका आनंद लेने के बाद आपको बाहर आने का मन नहीं करेगा।

यूबुड हैंगिंग गार्डन

बाली के बरसाती जंगल से घिरी चोटी पर बने इस पूल की कई खासियतें हैं। एक ये दो मंजिला है, दूसरा इसकी दीवारें ज्वालामुखी से निकली राख से बनी हैं। खूबसूरत नजारे और शांत माहौल के मामले में इस शानदार स्विमिंग पूल का जवाब नहीं।

रीठी राह, मालदीव

मालदीव में मौजूद ये खूबसूरत पूल वहां मौजूद 100 फीट गहरी झील में बना है। यहां के शांत पानी और माहौल में लोग आराम कर सकते हैं। यह अपने आप में करिश्मा है।

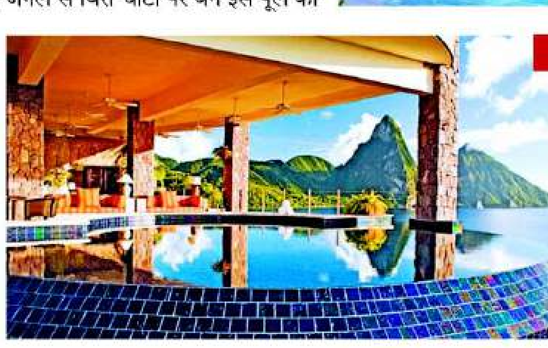

जेड माउंटेन

सेंट लूसिया में मौजूद हर 29 विलाओं में स्विमिंग पूल मौजूद हैं। यूनेस्को ने इसे हैरिटेज घोषित किया हुआ है। इन सभी स्विमिंग पूल को खास तरह की टाइल्स से बनाया गया है जो सभी को एक दूसरे से अलग बनती है।

रेसिपी

दही के चावल

सामग्री

चावल 1 कप, ताजा दही 2 कप मथ लीजिए, घी या तेल 1-2 टेबल स्पून, हरा धनिया 2-3 टेबल स्पून, हींग 1 चुटकी, जीरा आधा छोटी चम्मच, राई या काली सरसों, उरद की दाल आधा छोटी चम्मच, करी पत्ता 10-12, हरी मिर्च 2 बारीक कटी हुई, नमक स्वादानुसार

विधि

चावल साफ करके पहले से आधा घंटा पानी में भिगो दीजिए, कुकर में भीगे हुए चावल डालिए और 2.5 कप पानी डाल दीजिए, कुकर को बन्द कर दीजिए और 1 सीटी आने तक चावल को पकने दीजिए, गैस बन्द कर दीजिए, कुकर का प्रेशर खत्म होने के बाद कुकर खोलिए, चावल को किसी बड़े प्याले में निकाल लीजिए, पैन में घी डालकर गरम कीजिए, घी में राई, जीरा और उरद की दाल डाल दीजिए और लगातार चलाते हुए, उरद की दाल को ब्राउन होने तक सिकने दीजिए, करी पत्ता, हरी मिर्च और हींग डालिए, चावल में डालने के लिए तड़का तैयार है, चावल हल्के ठंडे हो जाने पर चावल में दही, नमक और हरा धनिया डालकर मिक्स कर दीजिए, तैयार तड़का डालिए और चावल मे अच्छी तरह मिक्स होने तक मिक्स कर दीजिए।

आम की आइसक्रीम

सामग्री

आम 2
दूध आधा लीटर
क्रीम 200 ग्राम
चीनी 100 ग्राम
कार्न फ्लोर 2 टेबल स्पून।

विधि

दूध को किसी भारी तले के बर्तन में डाल कर गरम करने रखिए, चौथाई कप दूध ठंडा ही प्याले में बचा लीजिए, दूध में उबाल आता है तब तक आम काट कर तैयार कर लीजिए, आम धोइए, छीलिए और सारा पल्प निकाल लीजिए, दो फांके अलग रख दीजिए, थोड़े छोटे छोटे टुकड़े काट कर अलग रख लीजिए, बची आम की फांके और चीनी को पीस कर प्यूरी बना लीजिए, ठंडे दूध में कार्न फ्लोर डालकर चिकना घोल बना लीजिए, दूध में उबाल आने के बाद, कार्न फ्लोर घुला दूध उबलते हुए दूध में मिलाइए और दूध को लगातार चलाते हुए 5-6 मिनट तक पकाइए, आइसक्रीम के लिए दूध तैयार है, गैस बन्द कर दीजिए, दूध को एकदम ठंडा कीजिए, आम की प्यूरी और क्रीम को मिला कर फेंट लीजिए, कार्न फ्लोर मिक्स ठंडा दूध भी प्यूरी में डालिए और एक बार अच्छी तरह फेट लीजिए, आम के छोटे टुकड़े भी मिश्रण में मिक्स कर दीजिए, मिश्रण को किसी एयरटाइट कन्टेनर में डालिए, कन्टेनर का ढक्कन लगाकर 6-7 घंटे के लिए फ्रीजर में रख दीजिए, ध्यान रखिए कि कन्टेनर एयरटाइट ही हो, आम की आइसक्रीम तैयार है, जब भी खानी हो, आइसक्रीम कन्टेनर को फ्रीजर से 5 मिनट पहले निकाल कर बाहर रख लीजिए।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**